रायपुर। गुरुवार, 29 अक्टूबर, 2026
आश्विन शुक्ल पक्ष चतुर्थी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 87/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल अभिषेक ने वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी को सराहा...
@ विचार विश्वगुरु सिर्फ वादों भाषणों में? फिर नोबेल पुरस्कार ...
@ व्यापार सेंसेक्स 353 अंक गिरकर बंद...

चक्रवात 'अर्नब' ने छत्तीसगढ़ को झकझोरा

संवाददाता ■ रायपुर

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से छत्तीसगढ़ के विभिन्न हिस्सों में आगामी दिनों में भारी बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चलने की संभावना है। इसे देखते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने प्रदेश के किसानों के लिए विशेष मौसम आधारित कृषि सलाह जारी की है। विभाग ने किसानों को सतर्क रहने तथा धान सहित अन्य खरीफ फसलों, उद्यानिकी फसलों और पशुधन की सुरक्षा के लिए आवश्यक एहतियाती उपाय अपनाने की सलाह दी है।

कृषि मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार, पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तूफान 'अर्नब' 28 अक्टूबर को सुबह 2 बजे से 8 बजे के बीच आंध्रप्रदेश के तटीय क्षेत्रों को पार कर गया है। इसके प्रभाव से छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में 28 अक्टूबर से 1 नवंबर तक अलग-अलग स्थानों पर हल्की से अति भारी वर्षा होने की संभावना व्यक्त की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार 28 अक्टूबर को प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर मध्यम वर्षा (15 से 64 मिमी), कुछ स्थानों पर भारी वर्षा

(64 से 115 मिमी) तथा एक-दो स्थानों पर अति भारी वर्षा (115 से 204 मिमी) हो सकती है। इसके साथ ही गरज-चमक, वज्रपात और 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। हवा की गति कुछ स्थानों पर 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

कई जिलों में बारिश का दौर जारी

कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार बुधवार को सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, जशपुर, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, सक्ती, सारंगढ़-बिलाईगढ़, रायपुर, कोरिया, बिलासपुर, गौरेला-पेंड्रा- मरवाही, मुंगेली, कबीरधाम, बेमेतरा, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, राजनांदगांव एवं मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिलों में एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा शुरू हो चुकी है।

वहीं बलौदाबाजार-भाटापारा, महासमुंद, रायपुर, दुर्ग, बालोद, धमतरी, कांकेर, नारायणपुर, बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा एवं सुकमा जिलों में अधिकांश स्थानों पर भी बारिश हो रही है।

29 अक्टूबर को भी जारी रहेगा बारिश का दौर

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 29 अक्टूबर को प्रदेश के बस्तर, बलरामपुर-रामानुजगंज, सूरजपुर, कोरिया एवं कोरबा जिलों में एक-दो स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा हो सकती है। इसी प्रकार मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सरगुजा, जशपुर, रायगढ़, सक्ती, सारंगढ़-बिलाईगढ़, बिलासपुर, मुंगेली, कबीरधाम, बेमेतरा, बलौदाबाजार-भाटापारा, महासमुंद, खैरागढ़- छुईखदान- गंडई, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, बालोद, दुर्ग, धमतरी, गरियाबंद एवं रायपुर जिलों में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है।

30 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच प्रदेश के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कोरबा, मुंगेली, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, सक्ती, सारंगढ़- बिलाईगढ़ एवं बिलासपुर सहित विभिन्न जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा तथा एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ वज्रपात होने की संभावना जताई गई है।

धान की पकी फसलों की शीघ्र कटाई कर सुरक्षित स्थानों पर रखें

कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी दिनों में वर्षा की संभावना को देखते हुए धान, मक्का एवं तिलहन सहित खरीफ फसलों की पकने की अवस्था में शीघ्र कटाई कर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर भंडारित करें। जिन किसानों ने फसलों की कटाई प्रारंभ कर दी है, वे कटी हुई फसलों को शीघ्र सुरक्षित स्थानों पर रखें। खेतों में खड़ी फसलों की नियमित निगरानी करें तथा वर्षा के कारण खेतों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न होने दें। किसानों को खेतों में अतिरिक्त जल की निकासी की समुचित व्यवस्था करने तथा फसलों के गिरने से बचाव के लिए आवश्यक उपाय अपनाने की सलाह दी गई है।

स्पेन में भीषण रेल हादसा, 46 लोगों की मौत

एजेंसी ■ मैड्रिड

स्पेन के टोलेडो प्रांत में बुधवार को दो हाई-स्पीड ट्रेनों के बीच टक्कर में कम से कम 46 लोगों की मौत की खबर है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, हादसे में रेनफे एवीई और निजी कंपनी इर्यो की ट्रेन शामिल थीं। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

स्थानीय समयानुसार सुबह 8:54 बजे उर्दा रेलवे स्टेशन के पास हुई भीषण टक्कर के बाद आपातकालीन सेवाओं को मौके पर बुलाया गया। कैस्टिला-ला मांचा की 112 आपातकालीन सेवा के अनुसार, हादसे के बाद अल्काजार डी सैन जुआन और ऑर्गाज से दमकलकर्मियों, आसपास की नगरपालिकाओं से नागरिक सुरक्षा दलों और तीन मेडिकल हेलीकॉप्टरों को घटनास्थल पर भेजा गया। बचावकर्मी जीवित बचे लोगों की तलाश करने और घायलों की मदद करने में जुटे हैं।

स्पेन के समाचार माध्यम 'सुर इन इंग्लिश' के अनुसार, स्थानीय अधिकारियों ने कम से कम 39 लोगों की मौत की पुष्टि की है। स्पेन के समाचार पत्र 'एल पाइस' की रिपोर्ट के मुताबिक, कैस्टिला-ला मांचा की क्षेत्रीय सरकार की प्रवक्ता एस्तेर पडिला ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त दोनों ट्रेनों में कुल 544 यात्री सवार थे। इर्यो ट्रेन में 146 यात्री और एक शिशु सवार था, जबकि रेनफे ट्रेन में 397 यात्री थे।

स्थानीय सरकार की प्रवक्ता ने कहा कि फिलहाल दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। परिवहन मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, शुरुआती संकेतों से पता चलता है कि एवीई ट्रेन ने संभवत: इर्यो ट्रेन को पीछे से टक्कर मारी। इसके कारण इर्यो ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतरकर तटबंध से नीचे गिर गए।

हादसे के बाद बुधवार सुबह 8:54 बजे से मैड्रिड और आंदालुसिया के बीच हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर पर रेल परिचालन पूरी तरह रोक दिया गया। दुर्घटना से मध्यम दूरी की हाई-स्पीड रेल सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं।

इर्यो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि हादसे के कारण अतोचा स्टेशन से दक्षिणी रेल कॉरिडोर की ओर जाने वाली सभी सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। 'एल पाइस' की रिपोर्ट के मुताबिक, रेल सेवाएं दोबारा कब शुरू होंगी, इस बारे में फिलहाल कोई अनुमान नहीं है।

डिजिटल सुविधाओं से परिवहन सेवाओं में आई सुगमता

कवर्धा ■ शैलेन्द्र उपाध्याय

परिवहन विभाग द्वारा नागरिकों को सरल, सुगम एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की जा रही है। डिजिटल तकनीक के उपयोग से ड्राइविंग लाइसेंस एवं वाहन संबंधी विभिन्न सेवाओं को ऑनलाइन ऑटो अप्रूवल से जोड़ दिया गया है। इससे आवेदकों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए परिवहन कार्यालय के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है और वे अपने मोबाइल के माध्यम से ही ऑनलाइन आवेदन कर इन सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। परिवहन अधिकारी गौरव पाटले ने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले में कुल 53 करोड़ 94 लाख 18 हजार 242 रुपये के राजस्व की प्राप्ति की गई। वहीं, वित्तीय वर्ष 2026-27 में अप्रैल से जुलाई 2026 तक 16 करोड़ 53 लाख 78 हजार 531 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

परिवहन विभाग द्वारा ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित कई सेवाओं को आधार नंबर आधारित ऑनलाइन आवेदन प्रणाली के माध्यम से ऑटो अप्रूवल की सुविधा से जोड़ा गया है। इनमें लाइसेंस का नवीनीकरण, पता परिवर्तन तथा लाइसेंस की द्वितीय प्रति प्राप्त करने जैसी सेवाएं शामिल हैं। इस व्यवस्था से आवेदकों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन आवेदन कर सेवाओं का लाभ लेने में सुविधा हो रही है।

वाहन संबंधी कार्यों में भी डिजिटल सुविधा

ड्राइविंग लाइसेंस के साथ-साथ वाहन संबंधी सेवाओं को भी ऑनलाइन और सरल बनाया गया है। आधार नंबर आधारित आवेदन के माध्यम से वाहन की आरसी बुक की द्वितीय प्रति, नामांतरण, पता परिवर्तन, वित्तपोषक का नाम दर्ज कराने तथा वित्तपोषक का नाम निरस्त कराने जैसे कार्यों में ऑनलाइन ऑटो अप्रूवल की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से धान खरीदी, 3100 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगा दाम

रायपुर ■ चंद्रमणि साव

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के किसान हितैषी फैसलों से किसानों की खुशहाली का नया अध्याय शुरू हुआ है। बुधवार को भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने मंत्रिपरिषद के निर्णयों की जानकारी दी।

नेताम ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू होगी। प्रदेश के 27.50 लाख से अधिक

किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदा क्विंटल की दर से अधिकतम 21 जाएगा।

एग्रीस्टेक आईडी से पंजीकृत किसानों को दोबारा पंजीयन कराने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें धान बेचने के लिए समिति में अलग से ऋण पुस्तिका लाने से भी छूट मिलेगी। इस वर्ष 360 नए उपार्जन केंद्र शुरू किए जाएंगे, जिससे कुल केंद्रों की संख्या 3100 हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि कृषक उन्नति योजना के तहत प्रति क्विंटल के बजाय प्रति एकड़ आदान सहायता देने से किसानों को लाभ मिलेगा और आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा मिलेगा।

कैबिनेट ने खेलो इंडिया स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम को मंजूरी दी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2026 से 2033-34 की अवधि के लिए 1,856.67 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय के साथ 'खेलो इंडिया स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग स्कीम' को मंजूरी दी है। इस योजना का उद्देश्य निवेश, विनिर्माण, नवाचार और निर्यात को बढ़ावा देना और वैश्विक खेल सामग्री क्षेत्र में भारत की स्थिति को मजबूत करना है।

केंद्रीय बजट 2026-27 में घोषित यह योजना निवेश, तकनीक अपनाने, अनुसंधान और नवाचार, कौशल विकास, गुणवत्ता प्रमाणन और बाजार विकास के लिए लक्षित सहायता के माध्यम से भारत के खेल सामग्री निर्माण आधार को मजबूत करने का प्रयास करती है। यह योजना वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी खेल सामग्री उद्योग के विकास में मदद करेगी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की स्थिति को मजबूत करेगी।

'खेलो भारत नीति 2025', 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन के अनुरूप, इस योजना से निवेश आकर्षित होने, रोजगार के अवसर पैदा होने, घरेलू विनिर्माण क्षमताओं के मजबूत होने और

भारतीय खेल सामग्रियों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ने की उम्मीद है।

इस योजना में समर्पित 'स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग जोन' (एसजीएमजेड) विकसित करने की परिकल्पना की गई है। इसका उद्देश्य क्लस्टर-आधारित विनिर्माण को बढ़ावा देना और निर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं, परीक्षण सुविधाओं, डिजाइन और प्रोटोटाइपिंग केंद्रों तथा सहायक उद्यमों को एक ही स्थान पर लाकर एक एकीकृत औद्योगिक इकोसिस्टम तैयार करना है। इन जोन को 'भव्य' योजना और एनआईसीडीसी औद्योगिक पार्कों के तहत मौजूदा औद्योगिक बुनियादी ढांचे के साथ जोड़कर विकसित किया जाएगा। इससे कुशल विनिर्माण, मजबूत औद्योगिक जुड़ाव और खेल सामग्री मूल्य श्रृंखला में बेहतर प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित होगी।

ये जोन एकीकृत विनिर्माण सुविधाओं के निर्माण में मदद करेंगे, औद्योगिक संबंधों को मजबूत करेंगे और परिचालन दक्षता में सुधार करेंगे। इन प्रयासों से निवेश को बढ़ावा मिलने, उत्पादन क्षमता बढ़ने और देश में एक मजबूत खेल सामग्री निर्माण आधार के विकास में मदद मिलने की उम्मीद है।

इस योजना का एक मुख्य फोकस खेल सामग्री क्षेत्र में नया निवेश आकर्षित करना और घरेलू विनिर्माण क्षमता को मजबूत करना है। 'एंकर इन्वेस्टमेंट सपोर्ट' घटक प्रमुख घरेलू और वैश्विक निर्माताओं, ब्रांड्स और रिटेल चेन को 'स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरिंग जोन' (खेलकूद के सामान बनाने वाले क्षेत्र) में अपनी निर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। साथ ही, यह एक मजबूत आपूर्तिकर्ता और सहायक इकोसिस्टम के विकास को भी बढ़ावा देगा। इसके पूरक के रूप में, 'टर्नओवर लिंक्ड सपोर्ट' घटक अधिक उत्पादन, क्षमता विस्तार और निरंतर विनिर्माण वृद्धि को बढ़ावा देगा।

कुल 1,130 करोड़ रुपए के निवेश वाले ये उपाय घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने, आयात पर निर्भरता कम करने, घरेलू स्तर पर मूल्यवर्धन (वैल्यू एडिशन) बढ़ाने, निजी निवेश को बढ़ावा देने, पूरी वैल्यू चेन में रोजगार के अवसर पैदा करने और वैश्विक बाजारों में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को बेहतर बनाने में मदद करेंगे।

खबर झरोखा

इजरायल चुनाव में नेतन्याहू समर्थक खेमे को बढ़त: ट्रंप ने थपथपाई अपनी पीठ

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के समर्थन में किए प्रचार से हुए फायदे का जिक्र किया है। उनकी बढ़त से उत्साहित ट्रंप ने दावा किया कि उनके एक ऐलान से इजरायली नेता की चुनावी स्थिति में सुधार हुआ। इजरायल नेसेट चुनाव की मतगणना के शुरुआती आंकड़ों में नेतन्याहू के समर्थक खेमे को 57 सीटों पर बढ़त मिली है, जबकि उनके विरोधी खेमे को 47 सीटें मिली हैं।

बस्तर में माटी पुजारी की उपाधि पर गहराया विवाद

आदिवासी समाज ने उठाए सवाल, बलदेव मौर्य ने कमल चंद्र भंजदेव के माटी पुजारी होने पर जताई असहमति

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा के समापन के बाद अब माटी पुजारी की उपाधि को लेकर चर्चा तेज हो गई है। बस्तर की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में विशेष स्थान रखने वाले माटी पुजारी को लेकर अलग-अलग दावे सामने आने से इस मसले ने नया मोड़ ले लिया है। एक ओर बस्तर राज परिवार के कमलचंद्र भंजदेव स्वयं को मां दंतेश्वरी का माटी पुजारी बताते हैं, तो वहीं दूसरी ओर आदिवासी समाज के संरक्षक बलदेव मौर्य ने इस दावे पर सवाल उठाते हुए स्पष्ट शब्दों में असहमति जताई है।

बलदेव मौर्य का कहना है कि माटी पुजारी की परंपरा का संबंध बस्तर के ऐतिहासिक और पारंपरिक धार्मिक दायित्वों से है। उनके

अनुसार, रुद्र प्रताप देव ही माटी पुजारी थे और उनके बाद किसी अन्य को इस उपाधि का अधिकार नहीं मिला। उन्होंने यह भी कहा कि परिवार में जन्म लेने वाले बेटे-बेटियों अथवा घर जमाई होने मात्र से ही किसी को माटी पुजारी का दर्जा नहीं दिया जा सकता। यह एक विशिष्ट परंपरा और अलग पहचान से जुड़ा विषय है।

राजपरिवार के दावे से उठा मुद्दा

दूसरी ओर, बस्तर राजपरिवार के कमलचंद्र भंजदेव स्वयं को मां दंतेश्वरी का माटी पुजारी बताते हैं। इसी दावे को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं कि आखिर माटी पुजारी की उपाधि का आधार क्या है और इस परंपरा को निर्धारित करने का अधिकार किसे है? क्या यह उपाधि वंश परंपरा से जुड़ी है, किसी विशिष्ट धार्मिक दायित्व से अथवा ऐतिहासिक मान्यता से? इन सवालों ने बस्तर की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं पर नई बहस छेड़ दी है। बस्तर में माटी पुजारी का विषय केवल किसी व्यक्ति की उपाधि तक सीमित नहीं है।

व्यापारी से अज्ञात बदमाशों ने की आभूषण की लूटपाट

विश्व केसरी■

कबीरधाम (शैलेन्द्र उपाध्याय)। कबीरधाम थाना अर्तगत तरेगांव के जंगल में अज्ञात ने एक व्यापारी से मारपीट कर सोने- चांदी के जेवरात लूट लिए। घटना में व्यापारी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस सूत्रो ने बताया की तरेगांव जंगल क्षेत्रांतर्गत ग्राम दलदली के साप्ताहिक बाजार से सोना-चांदी की खरीदी-बिक्री कर अपने मोटरसाइकिल से वापस लौट रहे व्यवसायी वेदप्रकाश सोनी एवं उनके साथी के साथ ग्राम दुर्जनपुर के पास लूट की घटना की सूचना प्राप्त हुई है।

प्रार्थी वेदप्रकाश सोनी, निवासी वार्ड क्रमांक 08, पाण्डातराई के अनुसार, वे अपने साथी नरेन्द्र पाटस्कर के साथ मोटरसाइकिल से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान ग्राम दुर्जनपुर के पास अज्ञात मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों द्वारा रास्ता रोककर मारपीट की गई तथा उनके पास रखेबैग में मौजूद पुराना व नया सोना-चांदी के आभूषण एवं नगदी रकम लूटकर ले जाने की घटना बताई गई है।

प्रार्थी के अनुसार, बैग में लगभग 15 किलोग्राम से अधिक चांदी के आभूषण, 10-15 ग्राम के सोने के आभूषण, 1,50,000 रुपये नगद रखे हुए थे बताया गया है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए कबीरधाम पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव द्वारा तत्काल घटना की सूचना प्राप्त होते ही कल शाम से ही पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अखिलेश कौशिक के नेतृत्व में साइबर थाना एवं अन्य 3 थानों की विशेष टीम गठित कर आरोपियों के पता तलाश हेतु रवाना कर दिया गया है।

थाना तरेगांव जंगल पुलिस की टीम घटना से संबंधित तथ्यों एवं परिस्थितियों की जांच कर रही है। आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। मामले में पुलिस की कार्यवाही जारी है।

डॉक्टरो की सूझबूझ से युवक को मिला नया जीवन

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। गंभीर चाकूबाजी में घायल एक युवक को माँ शबरी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, शिवरीनारायण की चिकित्सकीय टीम ने सफल उपचार के बाद नया जीवन दिया। युवक के सिर, छाती और पीठ पर चाकू से कई वार किए गए थे। अत्यधिक रक्तस्राव और गंभीर चोटों के चलते उसकी स्थिति बेहद नाजुक थी। उपचार के बाद स्वास्थ्य में सुधार होने पर उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, घायल युवक को गंभीर अवस्था में अस्पताल लाया गया था। चिकित्सकीय जांच में उसकी छाती में हवा और रक्त जमा होने से उत्पन्न जानलेवा स्थिति टेंशन हिमोप्न्यूमोथोरैक्स तथा हृदय के चारों ओर स्थित झिल्ली में रक्त जमा होने की समस्या हिमोपेरिकार्डियम पाई गई। इन जटिलताओं के कारण युवक की जान को गंभीर खतरा था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल की आपातकालीन चिकित्सा टीम ने तत्काल उपचार शुरू किया। छाती में जमा रक्त और हवा को बाहर निकालने के लिए बाईं ओर इंटरकोस्टल ड्रेन डाली गई। वहीं, श्वसन तंत्र प्रभावित होने के कारण युवक को दो दिनों तक वेंटिलेटर पर रखकर उपचार किया गया। इस दौरान चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ की टीम ने लगातार उसकी निगरानी की।

समय पर उपचार से लौटी सांसें, वेंटिलेटर से आया बाहर

लगातार उपचार और चिकित्सकीय निगरानी के बाद युवक की हालत में धीरे-धीरे सुधार होने लगा। दो दिन बाद उसे सफलतापूर्वक वेंटिलेटर से हटा लिया गया। इसके बाद उसकी श्वसन क्रिया और समग्र स्वास्थ्य में संतोषजनक सुधार दर्ज किया गया। स्थिति सामान्य होने पर चिकित्सकों ने उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी।

इस जटिल मामले का सफल उपचार डॉ. सूर्य प्रकाश, डायरेक्टर एवं जनरल व लैप्रोस्कोपिक सर्जन, के नेतृत्व में अस्पताल की चिकित्सकीय और नर्सिंग टीम ने किया।

डॉ. सूर्य प्रकाश ने बताया कि छाती में रक्त और हवा जमा होने तथा हृदय के आसपास रक्त एकत्र होने जैसी गंभीर जटिलताओं के बावजूद मरीज का स्वस्थ होकर घर लौटना समय पर उपचार, त्वरित चिकित्सकीय निर्णय और टीमवर्क का परिणाम है। यह मामला आपातकालीन चिकित्सा में समय पर हस्तक्षेप की अहमियत को दर्शाता है।

माँ शबरी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल प्रबंधन ने क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और आपातकालीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। साथ ही मरीज के शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की।

पीएम मोदी पर टिप्पणी, विरोध में भाजयुमो का प्रदर्शन

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की कथित अमर्यादित टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा ने सोमवार को जांजगीर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा जिलाध्यक्ष अम्बेश जांगड़े के नेतृत्व में भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने कचहरी चौक पर खड़गे का पुतला दहन कर कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ अपना आक्रोश जाहिर किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और प्रधानमंत्री पद की गरिमा के सम्मान की मांग उठाई।

भाजयुमो जांजगीर मंडल अध्यक्ष सोनू यादव सहित बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता प्रदर्शन में शामिल हुए। भाजपा नेताओं ने कहा कि राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन देश के प्रधानमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति के प्रति भाषा की मर्यादा बनाए रखना प्रत्येक राजनीतिक दल की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में शालीनता, संयम और संवैधानिक पदों की गरिमा का सम्मान सर्वोपरि होना चाहिए।

भाजपा नेताओं ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा की जाने वाली कथित अमर्यादित टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि ऐसी भाषा देश की राजनीतिक संस्कृति को नुकसान पहुंचाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपमानजनक और असम्मानजनक भाषा को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेतृत्व से सार्वजनिक रूप से संयमित और मर्यादित भाषा का प्रयोग करने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान कचहरी चौक पर कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए अपना आक्रोश व्यक्त किया और पुतला दहन कर कांग्रेस की कथित बयानबाजी के खिलाफ विरोध दर्ज कराया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से गुलाब सिंह चंदेल, नंद चौधरी, नंदिनी राजवाड़े, धनंजय सिंह, आशुतोष गोस्वामी, रजनी सत्तू साहू, पंकज अग्रवाल, लक्ष्मी चंद देवांगन, पुष्पेंद्र प्रताप सिंह, राकेश रूपवानी, अनिल शर्मा, पुष्पेंद्र निर्मलकर, देवव्रत उपाध्याय, संतोषी सिंह, दिग्विजय सिंह, अभिषेक पांडे, ललित कश्यप, शिव चमन सिंह ठाकुर, दिनेश राठौर, सहित भाजयुमो जांजगीर मंडल के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ अभियान को लेकर भाजपा की तैयारी तेज

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। भारतीय जनता पार्टी जिला जांजगीर-चांपा ने 'लोकतंत्र बचाओ, भीड़तंत्र हटाओ' अभियान को लेकर अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित जिला स्तरीय कार्यशाला में अभियान की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान 4 नवंबर को जिला मुख्यालय जांजगीर में पदयात्रा निकालने और बुद्धिजीवी वर्ग से संवाद कर लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन विरोध के नाम पर अराजकता फैलाना लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक मर्यादाओं के विपरीत है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान और सामाजिक व्यवस्था बनाए रखना आवश्यक है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान के माध्यम से आमजन के बीच पहुंचकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए जनजागरण करने का आह्वान किया।

4 नवंबर को पदयात्रा निकालकर दिया जाएगा संदेश

भाजपा जिलाध्यक्ष अम्बेश जांगड़े ने अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी कार्यकर्ता समाज के विभिन्न वर्गों, विशेषकर बुद्धिजीवियों से संवाद करेंगे। इसके साथ ही 4 नवंबर को जांजगीर में पदयात्रा निकालकर लोकतंत्र की रक्षा और भीड़तंत्र के विरोध का संदेश दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभियान को प्रभावी बनाने के लिए कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और जनसंपर्क पर विशेष जोर दिया जाएगा।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' का वार्षिक अधिवेशन का समापन

विश्व केसरी■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के अंतर्गत ग्राम लटिया में महिला स्व-सहायता समूहों का वार्षिक अधिवेशन एवं महिला सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला समूहों की पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुईं। सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, शासन की योजनाओं के प्रति जागरूक करने तथा ग्रामीण विकास में उनकी भागीदारी बढ़ाना रहा।

जनपद पंचायत अकलतरा के सभापति ईश्वर साहू ने कहा कि महिला सशक्तिकरण समाज के समग्र विकास की आधारशिला है। आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर महिला परिवार, बच्चों की शिक्षा और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है। उन्होंने महिलाओं से समूहों को मजबूत बनाने और शासन की योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया।

ग्राम लटिया के सरपंच रशिक बिहारी सिंह ने कहा कि महिला स्व-सहायता समूह गांव के विकास और सामाजिक एकता की मजबूत कड़ी हैं। बचत, स्वरोजगार और सामूहिक प्रयासों से ग्रामीण परिवारों को आर्थिक मजबूती मिल रही है।

सम्मेलन में महिला समूहों की एकजुटता, संगठन की मजबूती और आत्मनिर्भरता पर चर्चा की गई। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि बांके बिहारी सिंह, पंचायत सचिव ध्रुव शर्मा, राजू सिंह, सरस्वती महिला समूह की अध्यक्ष शिव कुमारी साहू, उमा सिंह सहित बिहान मिशन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में चंद्रमणी साहू, सीमा साहू, सक्रिय महिला चम्पा साहू एवं तोषिका श्रीवास, अनिता नेताम, ग्राम संगठन की अध्यक्ष तथा विभिन्न महिला समूहों की अध्यक्ष, सचिव और सदस्य शामिल हुईं।

सीएम हेल्पलाइन में लापरवाही स्वीकार्य नहीं : कलेक्टर

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले राज्योत्सव की तैयारियों की समीक्षा की गई। जिले में 2 नवंबर को जांजगीर के हाईस्कूल मैदान में 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' की थीम पर एक दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव आयोजित किया जाएगा।

कलेक्टर महोबे ने संबंधित विभागों को सौंपे गए दायित्वों का समय पर निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा, बैठक व्यवस्था, मंच, बिजली, पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही 1 से 3 नवंबर तक सभी शासकीय भवनों में रात्रि के समय रोशनी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल शिकायतों का निराकरण दर्ज करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायत का निराकरण करने के बाद संबंधित शिकायतकर्ता से स्वयं बातचीत कर फीडबैक लें। इससे निराकरण की वास्तविक स्थिति और गुणवत्ता का पता चलेगा।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सीएम हेल्पलाइन शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।बैठक में जिले में चल रहे सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्यों के दौरान आम नागरिकों की आवाजाही प्रभावित न हो।

इसके लिए वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था करने, पर्याप्त संकेतक लगाने और निर्माण कार्यों की जानकारी देने को कहा। उन्होंने सड़क एवं डिवाइडर निर्माण में निर्धारित मानकों का पालन करने, रोलर चलाने, आवश्यकतानुसार पानी का छिड़काव करने तथा बारिश के दौरान सड़कों पर पानी जमा होने की समस्या से बचाव के लिए उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि वे स्वयं निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण करेंगे।

कलेक्टर ने हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों से प्रगतिरत निर्माण कार्यों की जानकारी भी ली। उन्होंने इन कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता की जांच के लिए स्वयं निरीक्षण करने की बात कही।कलेक्टर महोबे ने जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि अस्पताल में सभी आवश्यक जांच सुविधाएं सुचारु रूप से संचालित रहें और चिकित्सा उपकरण कार्यरत अवस्था में हों।

पारिवारिक विवाद के चलते युवक ने की आत्महत्या

विश्व केसरी■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। नगर की सिंचाई कॉलोनी निवासी होमेश्वर सिंह राठौर उर्फ अन्नू की सोमवार शाम निर्माणाधीन व्यवहार न्यायालय भवन परिसर में फांसी पर लटकी लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक एक चिकित्सक के यहां कर्मचारी के रूप में कार्यरत था। घटना के बाद मौके से सुसाइड नोट और थाना प्रभारी के नाम लिखा एक आवेदन मिलने की जानकारी सामने आई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवक पारिवारिक विवाद और कथित धमकियों से परेशान था। हालांकि, घटना के सभी पहलुओं की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

पारिवारिक विवाद के बाद बढ़ा तनाव

परिजनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार को होमेश्वर और उसकी पत्नी के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद पत्नी ने अपने पिता शिवानंद राठौर, निवासी जांजगीर, को फोन कर अकलतरा बुलाया। आरोप है कि अकलतरा पहुंचने के बाद शिवानंद राठौर अपनी बेटी को साथ ले गए तथा होमेश्वर, उसके माता-पिता और दोनों बहनोई को दहेज प्रताड़ना के मामले में फंसाने और जान से मारने की धमकी दी। ये आरोप परिजनों की ओर से लगाए गए हैं, जिनकी स्वतंत्र पुष्टि होना शेष है।

पिता को ब्रेन हेमरेज होने से बढ़ी परेशानी

बताया गया है कि घटना के बाद होमेश्वर के पिता देवी सिंह राठौर को ब्रेन हेमरेज हो गया। उन्हें उपचार के लिए अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। सोमवार को अस्पताल से लौटने के बाद होमेश्वर कथित तौर पर ससुर की धमकियों को लेकर शिकायत दर्ज कराने अकलतरा थाने पहुंचा था। परिजनों का आरोप है कि उसने थाना प्रभारी के नाम आवेदन देकर अपनी परेशानी बताने की कोशिश की, लेकिन उसका आवेदन स्वीकार नहीं किया गया।

निर्माणाधीन न्यायालय भवन में मिला शव

परिजनों के अनुसार, पारिवारिक कलह, पत्नी से अलगाव, पिता की गंभीर बीमारी और कथित धमकियों के चलते होमेश्वर मानसिक रूप से बेहद परेशान था। इसी बीच सोमवार शाम निर्माणाधीन व्यवहार न्यायालय भवन परिसर में उसका शव फांसी पर लटका मिला। घटनास्थल से सुसाइड नोट और थाना प्रभारी के नाम लिखा आवेदन मिलने की जानकारी भी सामने आई है। सुसाइड नोट में क्या लिखा है और घटना के पीछे वास्तविक परिस्थितियां क्या थीं, इसका खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा।

दो मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

होमेश्वर की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उसके पांच वर्षीय पुत्र और दो वर्षीय पुत्री के सिर से पिता का साया हमेशा के लिए उठ गया। घटना ने पारिवारिक विवादों के बीच समय रहते संवाद, सहायता और संवेदनशील हस्तक्षेप की आवश्यकता को एक बार फिर रेखांकित किया है।

परिजनों ने आरोप लगाया है कि यदि उनकी शिकायत पर समय रहते ध्यान दिया जाता और उन्हें आवश्यक सहायता मिलती, तो संभवत: स्थिति को संभालने का अवसर मिल सकता था। हालांकि, थाने में आवेदन स्वीकार नहीं किए जाने के आरोप तथा घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच आवश्यक है। पूरे मामले में पुलिस की जांच और आधिकारिक पक्ष सामने आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मासूम से दुष्कर्म, खरौद में जनआक्रोश, हजारों लोगों ने निकाली रैली

विश्व केसरी■

खरौद (नीरज शर्मा)। नगर पंचायत खरौद में आठ वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना को लेकर नगरवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। घटना के विरोध में हजारों लोगों ने जन आक्रोश रैली निकालकर आरोपी के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई और फांसी की सजा की मांग की। रैली के दौरान नगर के विभिन्न मार्गों पर प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए पीड़ित बच्ची को न्याय दिलाने की आवाज बुलंद की।

जन आक्रोश रैली नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गदर चौक पहुंची। यहां से लक्ष्मणेश्वर महादेव मंदिर होते हुए रैली नगर पंचायत कार्यालय पहुंची। इसके बाद प्रदर्शनकारी खरौद पुलिस आउटपोस्ट पहुंचे, जहां काफी देर तक नारेबाजी कर आक्रोश जताया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी छोटेलाल साहू (55) के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। लोगों का कहना था कि बच्चों के विरुद्ध होने वाले ऐसे गंभीर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए कानून के तहत त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

विधायक शेषराज हरवंश ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात

घटना की गंभीरता को देखते हुए पामगढ़ विधायक शेषराज हरवंश भी पीड़ित परिवार से मिलने खरौद पहुंचे। उन्होंने परिवार से मुलाकात कर घटना पर चिंता व्यक्त की और बच्ची को न्याय दिलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। विधायक ने कहा कि इस तरह की घटना बेहद गंभीर है। पीड़ित बच्ची और उसके परिवार को न्याय मिलना चाहिए तथा आरोपी के विरुद्ध कानून के अनुसार कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में लोग हुए शामिल

जन आक्रोश रैली में नगर पंचायत खरौद के अध्यक्ष गोविंद यादव, उपाध्यक्ष महेश्वर यादव, पार्षदों, गणमान्य नागरिकों और बड़ी संख्या में नगरवासियों ने हिस्सा लिया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-: : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर: : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /.... 36515..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 24-10-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36515
वार्ड का नाम 11 - डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227P0346A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **NAVNEET VERMA, LUKESH VERMA** पिता / पति श्री श्रीमती **LATE CHANDRAPRAKASH VERMA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती गजेन्द्र वर्मा पिता / पति श्री श्रीमती बसंत वर्मा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

सामाजिक समरसता यात्रा का रायपुर में समापन

विश्व केसरी■

बसना (अशोक प्रधान)। जाति, ऊंच-नीच और छुआछूत के भेदभाव से मुक्त समरस समाज का निर्माण ही सामाजिक एकता की आधारशिला है। इसी भाव को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विश्व हिंदू परिषद छत्तीसगढ़ द्वारा निकाली गई सात दिवसीय सामाजिक समरसता यात्रा का 28 अक्टूबर को रायपुर के पहाड़ीपारा गुढ़ियारी स्थित श्रीराम जानकी मंदिर में समापन हुआ। 22 अक्टूबर को महासमुंद जिले के सिंघोड़ा स्थित मां रुद्रेश्वरी मंदिर से पूज्य संतों के सानिध्य में प्रारंभ हुई इस यात्रा ने विभिन्न गांवों में सामाजिक एकात्मता, सांस्कृतिक चेतना और हिंदू समाज की एकजुटता का संदेश दिया।

रंगोली, कलश और दीपों से सजे गांव

समरसता यात्रा गांव-गांव पहुंचने पर गांवो में उत्सव जैसा वातावरण दिखाई दिया। घरों के सामने रंगोली बनाई गई, कलश स्थापित किए गए और दीप प्रज्वलित कर संतों का अभिनंदन किया गया। महिलाओं ने घर-घर साधु-संतों, पदयात्रियों और समरसता रथ की आरती उतारकर श्रीफल अर्पित किया तथा आशीर्वाद प्राप्त किया। भजन-कीर्तन और जय श्रीराम के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। ग्रामीणों ने संतों का शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। नौ कन्या पूजन के माध्यम से भारतीय परंपरा, संस्कार और नारी सम्मान का संदेश दिया गया। इस आयोजन की विशेषता विभिन्न जातियों और समाजों के लोगों की सहभागिता रही। ग्रामीणों ने आपसी भेदभाव से ऊपर उठकर एक मंच पर सहभागिता निभाई। यात्रा ने यह संदेश दिया कि सामाजिक एकता केवल विचारों तक सीमित न रहे, बल्कि व्यवहार, पारस्परिक संबंधों और दैनिक जीवन में भी दिखाई दे।

समरसता का आधार परस्पर सम्मान और आत्मीयता

यात्रा में पूज्य संत वसुदास निखिल, संत ओंकार दास, संत योगेश गिरी, संत विनोद गिरी, संत हनुनन्द, संत सैनिक दास, संत रामेश्वर दास, कृष्णावन्दे, संत सीताराम दास, महंत राधामोहन दास, चंद्रिका दास, संत राधेश्याम, सर्वेश्वर दास, संत कृष्ण दास, संत भानु साहेब और संत माधव दास त्यागी सहित अनेक संतों का सानिध्य रहा। संतों के मार्गदर्शन में समाज को जातिगत भेदभाव, छुआछूत और ऊंच-नीच की मानसिकता से मुक्त करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। समरस समाज का भाव तभी मजबूत होगा, जब प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान मिले और समाज के सभी वर्ग परस्पर आत्मीयता के साथ आगे बढ़ें। भारतीय संस्कृति की सेवा, सद्भाव, करुणा और मानवता की परंपराओं को व्यवहार में उतारने का आह्वान किया गया।

पंच परिवर्तन से समाज जागरण का संदेश

यात्रा के माध्यम से पंच परिवर्तन के पांच प्रमुख आयामों- सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और नागरिक कर्तव्यों- के प्रति जनजागरण का संदेश दिया गया। इन विषयों के जरिए परिवारों में संस्कार, समाज में परस्पर सहयोग, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, स्वदेशी के प्रति आग्रह और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध को मजबूत करने पर जोर रहा।

सात दिनों में अनेक गांवों तक पहुंचा अभियान

22 अक्टूबर को सिंघोड़ा स्थित मां रुद्रेश्वरी मंदिर से प्रारंभ हुई यात्रा छुईपाली होते हुए मल्दामाल पहुंची। 23 अक्टूबर को गेर्रा से बालोदा, कुशमीशरार और बालसी, 24 अक्टूबर को गुढ़ियारी से पिलुवापाली, कपसाखुटा और बड़ेड़ाभा, जबकि 25 अक्टूबर को सावित्रीपुर, माटीदरहा और बीजेपुर होते हुए गड़बेड़ा पहुंची। 26 अक्टूबर को झलप से छिंदोली, तोरला, जोगीडीपा (पटेवा) और तुमगांव होते हुए यात्रा आगे बढ़ी। 27 अक्टूबर को समोदा से केशला, खरोरा, मोहरेंगा, चिचोली, खम्हारिया, बंजारी धाम मढ़ी, खौना और दोनदेकला होते हुए यात्रा रायपुर पहुंची। 28 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे गुढ़ियारी के श्रीराम-जानकी मंदिर में यात्रा का समापन हुआ।

जनदर्शन में संवेदनशील पहलः पांच मिनट में बुजुर्ग चोवा राम को मिला श्रवण यंत्र, लौट आई सुनने की उम्मीद

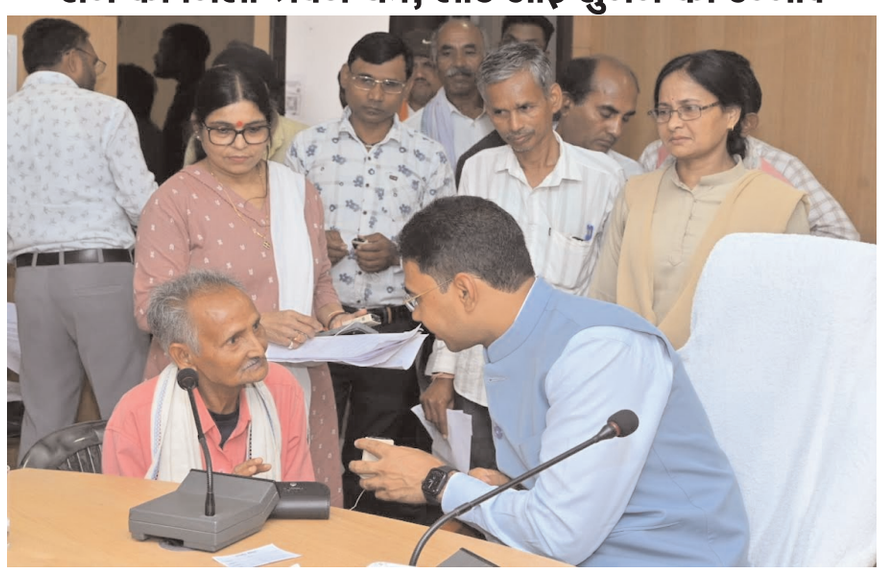

विश्व केसरी■

बलौदाबाजार (ताराचंद कठेत्रे)। जनदर्शन केवल आवेदन देने का माध्यम नहीं, बल्कि आम नागरिकों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनकर उनका त्वरित समाधान करने का एक सशक्त मंच है। इसका भावनात्मक उदाहरण ग्राम डोंगरा निवासी बुजुर्ग चोवा राम के मामले में देखने को मिला, जिन्हें लंबे समय से कानों से सुनाई नहीं देने की समस्या से राहत पाने की उम्मीद उस समय मिली, जब कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए महज पांच मिनट के भीतर समाज कल्याण विभाग के माध्यम से उन्हें श्रवण यंत्र उपलब्ध कराया। बुजुर्ग चोवा राम अपनी सुनने की समस्या को लेकर जनदर्शन में पहुंचे थे। उन्होंने कलेक्टर श्री शर्मा के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर अपनी परेशानी बताई। कलेक्टर ने उनकी समस्या को संवेदनशीलता से समझा और तत्काल समाज कल्याण विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके परिणामस्वरूप कुछ ही मिनटों में उन्हें श्रवण यंत्र प्रदान कर दिया गया। लंबे समय से आवाजों से दूर रहे चोवा राम के लिए यह पल बेहद भावुक करने वाला था। श्रवण यंत्र मिलने से उनके चेहरे पर खुशी झलक उठी। वर्षों से ठीक से सुन नहीं पाने की परेशानी के बीच अब फिर से आवाजें सुनने की उम्मीद जगी है। राहत और खुशी से अभिभूत चोवा राम ने कहा, 'बरसों से कानों से सुनाई नहीं दे रहा था। अब श्रवण यंत्र मिलने से फिर से आवाज सुनने की उम्मीद जगी है। मेरी समस्या का इतनी जल्दी समाधान हुआ, इससे मन बहुत प्रसन्न है।

दिव्यांगजनों और जरूरतमंद नागरिकों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा उनकी समस्याओं के निराकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जनदर्शन के माध्यम से प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पात्र हितग्राहियों को योजनाओं और सुविधाओं का लाभ दिलाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति सहायता से वंचित न रहे।

हरीश संरक्षक, दुलार प्रदेश उपाध्यक्ष, सोमकान्त प्रदेश सचिव मनोनीत

विश्व केसरी■

पिथौरा। यादव(ठेठवार),समाज महासभा राजिम में नव निर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण पश्चात, प्रांताध्यक्ष संतोष यदु ,प्रान्तीय महासचिव समलिया यादव,प्रान्तीय कोषाध्यक्ष रमन यादव की सहमति से प्रबंधकारिणी की घोषणा की गई,जिसमे कौड़िया राज से 5 लोगो को सम्मिलित किया गया।जिसमें हरीश यादव को प्रदेश संरक्षक, दुलार यादव को प्रदेश उपाध्यक्ष,सोमकान्त यादव को प्रदेश सचिव, डिगेश यादव को प्रदेश प्रवक्ता, व जीतराम यादव को प्रदेश संगठन मंत्री को बनाया गया। जिसके लिए सभी प्रान्तीय पदाधिकारी का आभार व्यक्त किया गया।इन सभी लोगो को कौड़िया देवरी परिक्षेत्र यादव ठेठवार पिथौरा के संरक्षक द्वारिकाधीश यादव विधायक खल्लारी, आत्मा राम यादव पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत पिथौरा,मुकेश यादव पूर्व उपाध्यक्ष जनपद पंचायत पिथौरा,तुलाराम यादव अध्यक्ष कौड़िया देवरी राज,माधोराम यादव उपाध्यक्ष कौड़िया देवरी राज सहित बहुत से सामाजिक बंधुओं ने बधाई दी है।

सेवा सेतु पोर्टल पर अब 900 से अधिक सेवाएं,प्रचार्यो को दिया गया प्रशिक्षण

विश्व केसरी■

बलौदाबाजार (ताराचंद कठेत्रे)। डिजिटल गवर्नेंस और नागरिकों को घर बैठे आसानी से शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में राज्य शासन द्वारा एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 'सेवा सेतु पोर्टल' में अब 900 से अधिक सेवाओं को जोड़ दिया गया है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के दिशा-निर्देशों के क्रम में बुधवार को विकासखंड पलारी में स्कूल शिक्षा विभाग से जुड़ी नई सेवाओं के सफल संचालन हेतु प्राचार्यों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पलारी विकासखंड के अंतर्गत आने वाले सभी शासकीय विद्यालयों के कुल 45 प्राचार्यों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और पोर्टल की नई कार्यप्रणाली का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान विशेष रूप से उन स्कूली सेवाओं पर जोर दिया गया जिन्हें हाल ही में पोर्टल से जोड़ा गया है। इनमें मुख्य रूप से अस्वच्छ धंधों में लगे परिवार के बच्चों को विशेष छात्रवृत्ति एवं स्थानांतरण प्रमाण पत्र शामिल है। इस पोर्टल से छात्रों और अभिभावकों के लिए स्कूल बदलने या टीसी प्राप्त करने की प्रक्रिया को पूरी तरह से डिजिटल और सरल बनाया गया है। इस प्रशिक्षण से प्राचार्यों को पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के आवेदनों का त्वरित और सुगम निराकरण करने में मदद मिलेगी। प्रशासन का यह प्रयास शिक्षा विभाग से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और सेवाओं को जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी बनाने में मील का पत्थर साबित होगा।

मोर मितान अभियान के तहत बीट आरक्षकों की बैठक, 11 पुलिसकर्मी सम्मानित

विश्व केसरी■

कांकेर। मोर मितान कांकेर पुलिस अभियान के तहत पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज जगदलपुर बद्रीनारायण मीणा ने जिले के समस्त बीट आरक्षकों की बैठक लेकर उनके कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान अपराधों की रोकथाम, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस एवं आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। अपने बीट क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 11 आरक्षकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। 27 अक्टूबर को जिला कांकेर के वार्षिक निरीक्षण के दौरान पुलिस महानिरीक्षक बद्रीनारायण मीणा एवं पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने पुलिस लाइन कांकेर के सभाकक्ष में यह बैठक ली। बैठक में बीट आरक्षकों को अपने क्षेत्रों में अपराधों एवं असामाजिक गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने तथा ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों से नियमित संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने, पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने और जन-जागरूकता के माध्यम से सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत बनाने पर बल दिया। आईजी मीणा ने आरक्षकों को अपने कर्तव्यों का निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करते हुए प्रभावी बीट पुलिसिंग सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया।

महिला आयोग की जनसुनवाई में 7 प्रकरण नस्तीबद्ध, पीड़ित महिलाओं को राहत के निर्देश

विश्व केसरी■

रायपुर (चन्दमणी साव) छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू की अध्यक्षता में रायपुर में महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों की जनसुनवाई आयोजित की गई। संभाग प्रभारी सदस्य सरला कोशरिया और सदस्य ओजस्वी मंडावी की उपस्थिति में जिले के कुल 50 प्रकरणों में से 28 मामलों की सुनवाई की गई, जिनमें 7 प्रकरण नस्तीबद्ध किए गए।

सुनवाई के दौरान एक मामले में आवेदिका को पांच लाख रुपये देने तथा पुलिस और सखी वन स्टॉप सेंटर की सहायता से स्त्रीधन वापस दिलाने की प्रक्रिया तय की गई। दूसरे मामले में आवेदिका के नाम एक माह के भीतर दो एकड़ खेत और मकान की रजिस्ट्री कराने के निर्देश दिए गए। अन्य मामलों में बच्चों की टीसी दिलाने, भरण-पोषण, घरेलू विवाद और संपत्ति संबंधी समस्याओं पर आवश्यक निर्देश दिए गए। एक गंभीर शिकायत पर टिकरापारा थाना पुलिस ने संबंधित अनावेदक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की है। जनसुनवाई में महिला पुलिस अधिकारी, काउंसलर और आयोग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

लखनपुर के खारिखा पखना तालाब पार्क में असामाजिक तत्वों का उत्पात, पौधे उखाड़कर फेंके

विश्व केसरी■

लखनपुर (रिक्की)। पंप का वायर और बल्ब चोरी करने के बाद अब पौधों को बनाया निशाना, बार-बार शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से उठ रहे सवाल; सीएमओ ने एफआईआर दर्ज कराने की कही बात नगर पंचायत लखनपुर के खारिखा पखना तालाब स्थित पार्क में असामाजिक तत्वों का उत्पात लगातार बढ़ता जा रहा है। पार्क की सुंदरता बढ़ाने के लिए लगाए गए पेड़-पौधों को शरारती तत्वों ने 27 अक्टूबर दिन मंगलवार की रात उखाड़कर फेंक दिया है। बताया जा रहा है कि पिछले दो से तीन महीनों से पार्क में नशेड़ियों और उपद्रवी तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। इनके द्वारा लगातार तोड़फोड़ और चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है, जिससे पार्क की सुंदरता और व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

जानकारी के अनुसार, करीब एक महीने पहले पार्क में लगे पनडुब्बी पंप के वायर और बल्ब की चोरी कर ली गई थी। अब बीती रात असामाजिक तत्वों ने पार्क में लगे पौधों को उखाड़कर फेंक दिया। इस घटना से पार्क की सुंदरता को नुकसान पहुंचा है। सार्वजनिक स्थल पर इस तरह की हरकतों से नगरवासियों में नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय स्तर पर इन घटनाओं को लेकर थाने में बार-बार शिकायत किए जाने की बात कही जा रही है। इसके बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से उपद्रवी तत्वों के हौसले बुलंद होने की आशंका जताई जा रही है। लोगों का मानना है कि समय रहते ऐसे तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में पार्क में चोरी और तोड़फोड़ की घटनाएं बढ़ सकती हैं।

जनदर्शन में कलेक्टर-एसएसपी ने सुनी लोगों की समस्याएं

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। बिलासपुर-जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं एसएसपी रजनेश सिंह ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं। जनदर्शन में लोगों ने निजी एवं सामुदायिक समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर निराकरण की मांग की। कलेक्टर एवं एसएसपी ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे ने भी लोगों की समस्याएं सुनीं।

जनदर्शन में ग्राम पंचायत निरतू के सरपंच ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर बताया कि ग्राम पंचायत निरतू एवं उसके आश्रित ग्राम अदराली में जल जीवन मिशन के तहत निर्मित पानी टंकी से अब तक पेयजल वितरण शुरू नहीं हुआ है। पानी टंकी बनने के बावजूद ग्रामीणों को नियमित पेयजल सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

बदलावंड पंचायत में लाखों के घोटाला, कागजों में हो रहा विकास

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। विकासखंड बकावंड की ग्राम पंचायत बदलावंड में सरकारी राशि के दुरुपयोग और भारी भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने सरपंच-सचिव पर लाखों रुपयों का घोटाला करने का गंभीर आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत में विकास कार्य सिर्फ कागजों पर हो रहे हैं, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही है।

ग्रामीणों ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांव में सार्वजनिक शौचालय आज तक अधूरे पड़े हैं, लेकिन पंचायत के रिकॉर्ड में उन्हीं अधूरे और बिना बने शौचालयों की मरम्मत के नाम पर राशि का आहरण कर लिया गया है। कागजों में बिल लगाकर राशि निकाल ली गई, लेकिन मौके पर सार्वजनिक शौचालय अधूरा पड़ा है।

नाली सफाई के नाम पर भुगतान

इसी तरह गांव में नाली सफाई के नाम पर भी बड़ा खेल किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि पूरे साल में एक ही नाली की सफाई कि गई है, लेकिन पंचायत के भुगतान रजिस्टर में पूरी नालियों की सफाई के नाम पर हजारों का भुगतान दिखाया गया है। गांव की नालियां आज भी कचरे और गंदगी से अटी पड़ी हैं, जिससे बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में कई बार मौखिक रूप से शिकायत की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक नहीं पहुंच रहा है और सरपंच-सचिव मनमानी कर रहे हैं।

लखेश्वर ने खोला मोर्चा

इस पूरे मामले को लेकर आदिवासी समाज के युवा ब्लॉक अध्यक्ष लखेश्वर कश्यप ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि बदलावंड पंचायत में जिस तरह की लापरवाही और भ्रष्टाचार की बात सामने आ रही है, वह बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर जांच में घोटाले की पुष्टि होती है तो दोषियों पर जरूर कार्रवाई होनी चाहिए। हम शासन, प्रशासन से मांग करते हैं कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। वहीं ग्रामीणों ने कलेक्टर बस्तर, जिला पंचायत सीईओ और जनपद पंचायत बकावंड के सीईओ से मांग की है कि ग्राम पंचायत बदलावंड में पिछले 2 वर्षों में हुए सभी निर्माण कार्यों, शौचालय मरम्मत और नाली सफाई कार्यों का मौके पर जाकर भौतिक सत्यापन कराया जाए और राशि का दुरुपयोग करने वाले सरपंच-सचिव के खिलाफ कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाए।

भटगांव का गौरव पथ पांच साल भी नहीं टिक पाया, निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल

विश्व केसरी■

भटगांव (रामदास कुर्रे) नगर पंचायत भटगांव में दुर्गा मंदिर बिर्रा मोड़ से व्यवहार न्यायालय तक गौरव पथ का निर्माण पूर्व कार्यकाल के चुनावी वर्ष में लगभग 02 करोड़ की लागत से किया गया है, जिसे हड़बड़ी में बना दिया गया जो निर्माण वर्ष के पांच साल भी पुरा नही किया और गौरव पथ जगह-जगह उखड़ कर खड्डा होना शुरु हो गया है। इसके निर्माण में प्रावधानिक स्टेटमेंट का पालन नही किया गया है। शासन द्वारा नगर पंचायत में एक सुधार स्वच्छ सड़क की परिकल्पना के साथ गौरव पथ निर्माण के लिये मोटा एवं भारी भरकम राशि की स्वीकृति दिया जाता है ताकि हर दृष्टि से परिपूर्ण सड़क का निर्माण किया जाये। लेकिन इसके निर्माणकर्ता की नियत में खोट होने से निर्माण कार्य में ही जगह-जगह खोट दिखाई दे रहा है। नियमानुसार संबंधित ठेकादार को पांच साल तक सड़क का देखभाल मरम्मत आदि किया जाता है जिसके लिये कुछ राशि को सुरक्षित रखा जाता है लेकिन नगर पंचायत द्वारा शायद सम्पूर्ण राशि का भुगतान कर दिया गया जो जांच का विषय है। काम चलाऊ मरम्मत से गौरव पथ में सुन्दरता के जगह सिर्फ दाग धब्बा ही नजर आ रहा है। नगर पंचायत के गौरव को बढ़ाने के लिये इस गौरव पथ में डमरीकरण किया जाये अन्यथा गौरव पथ के स्थान में रिपेरिंग पथ होकर रह जायेगा। नगर जैसे शिक्षित एवं सम्मानित जगह में गौरव पथ की सूचना पटल नही लगाया गया जिसे पढ़कर उसके लागत निर्माण वर्ष एवं लम्बाई, ठेकादार का नाम सहित विवरण का हर व्यक्ति अवलोकन कर सकें। आखिर में गौरव पथ का जानकारी छुपाने का मकसद क्या है?

संपादकीय

केरल की वृद्ध संरक्षण पहल से जगेगी नई चेतना

ललित गर्ग

भारत की संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है। यहाँ कहा गया है-'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव।' जिस देश में माता-पिता के चरणों में स्वर्ग देखने की परंपरा रही हो, उसी देश में यदि वृद्धावस्था में माता-पिता अपने ही घर में उपेक्षा, अपमान, अकेलेपन और असुरक्षा का दंश झेलने को विवश हों, तो यह केवल पारिवारिक विघटन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्न है। जिस बुजुर्ग ने अपनी संतान के भविष्य के लिए वर्तमान को खपा दिया, यदि उसी संतान के पास उसके बुढ़ापे के लिए समय, संवेदना और स्नेह न बचे, तो विकास की चमक के बीच मानवीय मूल्यों का अंधेरा साफ दिखाई देता है। ऐसे समय में केरल विधानसभा द्वारा अक्टूबर 2026 में वरिष्ठ नागरिकों के संरक्षण से संबंधित व्यापक विधेयक पारित किया जाना एक आशाजनक पहल है। यह कानून की किताब में जुड़ा एक नया अध्याय भर नहीं, बल्कि बुजुर्गों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और भरोसे का नया सूर्योदय बनने की क्षमता रखता है। भारत में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों की संख्या लगभग 15 करोड़ बताई जा रही है। अनुमान है कि यह आबादी 2036 तक लगभग 23 करोड़ और 2050 तक 34 करोड़ से अधिक हो सकती है। यह बदलती जनसांख्यिकी हमें चेतावनी भी देती है और अवसर भी। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं ने मनुष्य की आयु बढ़ाई है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या हमने जीवन की बढ़ती अवधि को गरिमापूर्ण बनाने की तैयारी भी की है? सिर्फ लंबी उम्र उपलब्धि नहीं है, उस उम्र में सम्मान, आत्मनिर्भरता और अपनापन बनाए रखना ही वास्तविक उपलब्धि है।

केरल की इस पहल का महत्त्व इसलिए बढ़ जाता है कि यह बुजुर्गों की समस्याओं को केवल परिवार की निजी जिम्मेदारी मानकर छोड़ देने के बजाय सामाजिक और संस्थागत दायित्व के रूप में देखती है। विधेयक में वरिष्ठ नागरिकों के साथ शारीरिक एवं मानसिक दुर्व्यवहार, क्रूरता और उनकी इच्छा के विरुद्ध उन्हें बेसहारा छोड़ने जैसे कृत्यों के लिए दंड का प्रावधान किया गया है। इसके साथ संरक्षण इकाइयों, देखभाल केंद्रों के नियमन, देखभालकर्ताओं के प्रशिक्षण और शिकायतों के निवारण जैसी व्यवस्थाओं पर जोर दिया गया है। साइबर धोखाधड़ी से बचाव तथा बुजुर्गों के स्वास्थ्य संबंधी निर्णयों के अधिकार जैसे विषयों को स्थान देना भी बदलते समय की जरूरतों को समझने का संकेत है। इस पहल का मूल संदेश स्पष्ट है-बुजुर्गों की सेवा सद्भावना का विषय अवश्य है, लेकिन उनकी सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करना सामाजिक व्यवस्था

का अनिवार्य दायित्व भी है। इस विधेयक की सबसे संवेदनशील अवधारणा है-'एजिंग इन प्लेस', अर्थात बुजुर्गों को यथासंभव उनके अपने घर और परिचित परिवेश में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर देना। वृद्धाश्रमों की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन माता-पिता के लिए घर का एक कमरा भी तब अधिक मूल्यवान होता है, जब उसमें अपनत्व की गर्माहट हो। बुजुर्गों को केवल भोजन, दवा और बिस्तर नहीं चाहिए, उन्हें बातचीत करने वाला साथी, उनकी बात सुनने वाला कान, उनके अनुभवों को समझने वाला मन और उनके अस्तित्व को स्वीकार करने वाला परिवार चाहिए। उम्र के इस पड़ाव पर कई बार आर्थिक अभाव से अधिक भावनात्मक अभाव पीड़ा देता है। जिस घर में बुजुर्गों की आवाज अनसुनी हो जाती है, वहाँ दीवारें तो रहती हैं, लेकिन परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है।

आज संयुक्त परिवारों का विघटन, महानगरों की भागदौड़, विदेशों की ओर पलायन और बढ़ती व्यक्तिवादी प्रवृत्ति ने बुजुर्गों के जीवन को कठिन बनाया है। कभी दादा-दादी और नाना-नानी परिवार की जीवंत पाठशाला होते थे, उनकी कहानियों में इतिहास, अनुभवों में विवेक और आशीर्वाद में जीवन की पूँजी मिलती थी। आज उसी अनुभव-संपदा को कई बार अनुपयोगी समझ लिया जाता है। संपत्ति के लिए माता-पिता पर दबाव डालना, उनकी जमा-पूँजी पर अनुचित अधिकार जमाना, बीमारी में उन्हें अकेला छोड़ देना अथवा उनकी भावनाओं को ठेस पहुँचाना सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। यह कैसी विडंबना है कि जिन हाथों ने बच्चों को चलना सिखाया, उन्हीं हाथों को बुढ़ापे में सहारे के लिए तरसना पड़े! केरल का विधेयक इस समस्या के समाधान की दिशा में व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।

विश्वगुरु सिर्फ वादों भाषणों में? फिर नोबेल पुरस्कार वैज्ञानिकी में छियानवे वर्ष से वनवास क्यों?

क्षमा त्रिपाठी

अभी हालिया अक्टूबर माह में नोबेल पुरस्कारों की घोषणा हुई। हमेशा की तरह विश्वगुरु और ज्ञान परंपरा के देश भारत से एक भी नाम नहीं था ।प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करता हर युवा, छोटा बच्चा पूछता, नोबेल पुरस्कार में कोई भी भारतीय नाम क्यों नहीं है? जवाब में सिर्फ गर्व से सीवी रमन का नाम लेकर तमाम सवालों पर चुप्पी साध लेते हैं । रमन जी की तस्वीर वर्तमान की चुनौती पर सार्थक चिंतन की गुहार लगाती है । हम 96 साल तक किसी भारतीय को नोबेल प्राइज न मिलना किस्मत या राजनीति नहीं वरन इसके पीछे व्यवस्था को बयां करता है. 96 वर्षों से नोबेल पुरस्कार देकर सिर्फ एक नाम भारतीय दोहरा रहे हैं कि सर सीवी रमन 1930 में नोबेल पुरस्कार मिला. आज 2026 है। 96 साल से लंबा इंतजार कर रहा भारत. आज हम दक्षिणी ध्रुव पर पहुंच गए , मंगल के चक्कर लगा आए, कोविड महामारी काल में दुनिया की सबसे सस्ती वैक्सीन बना दी, यूपीआई बनाया, जिसकी तारीफ दुनिया के बड़े-बड़े देश कर रहे हैं, फिर भौतिक रसायन मेडिसिन किसी भी पुरस्कार में हमारे वैज्ञानिक पीछे क्यों रहे? क्या कारण है कि दुनिया में हमें एक बेहतरीन सर्विस प्रोवाइडर या उपभोक्ता ही माना जाता है, खोजकर्ता नहीं? सवाल चुभता है । क्या हमारे पास दिमाग नहीं या प्रतिभा या व्यवस्था में कोई सेंध, जिसकी बात हम उपलब्धियां के शोर में दबा देते हैं?

यह वक्त दोषारोपण का नहीं, आज चिंतन का है. क्या कमी है, जो भारतीय मूल के लोगों को नोबेल पुरस्कार नहीं मिलता? हरगोविन्द खुराना (1968) सुब्रमण्यम शेखर जी 1983 और राधाकृष्ण 2009 को मिला लेकिन पुरस्कार मिलते वक्त तीनों विभूतियां क्रमश: खुराना जी विस्कोसिन में चंद्रशेखर जी शिकागो में और तीसरे शेखर जी ब्रिटेन की लैब में काम कर रहे थे। सत्येंद्रनाथ बोस को कैसे भूलें,जिनके नाम से बोसॉन कण का नाम पड़ा। समस्त विश्व में शांत के अग्रदूत कहलाने वाले बापू भी को शांति का नोबेल नहीं मिला.नोबेल पुरस्कार मिलना किसी योग्यता का अंतिम प्रमाण कसौटी नहीं है, लेकिन आश्चर्य है कि भारतीय इतने समय तक वंचित क्यों हैं. दक्षिण कोरिया अपने जीडीपी में सबसे ज्यादा हिस्सा रिसर्च पर खर्च करते हैं, भारत 0.64 यानी दक्षिण कोरिया भारत से करीब आठ गुना ज्यादा खर्च करता है,जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था पांचवें से छठे नंबर पर घूमती रहती है। सवाल यह है कि विज्ञान में इतना हुनर होने के बाद भारत की सूची में बेहद कम क्यों ? हमारे वैज्ञानिक पीछे क्यों? उनके पास ऐसा क्या नहीं है, जो सभी के पास है! विचारणीय है कि कोई देश रिसर्च डेवलपमेंट पर कितना खर्च करता है। इसकी मुख्य वजह है हमारी शिक्षा पद्धति. जिसने हमेशा रटंत विद्या को ज्यादा महत्व देकर तर्क को पछाड़ दिया. भौतिकी, रसायन, मेडिसिन को नीट आईआईटी की चक्र में फंसा युवा वर्ग इसी में उलझा रहा। शुरू से ज्यादा सवाल पूछने वाले वर्ग को अनुशासनहीनता ज्यादा माना गया। तारीफ बहुत कम मिली । किताब की विषय वस्तु में जितना है, केवल उसी को पढ़ने की हिदायत दी गई. आगामी परीक्षा में चयनित विषय वस्तु पाठ्यक्रम में रखकर अंकों को ही

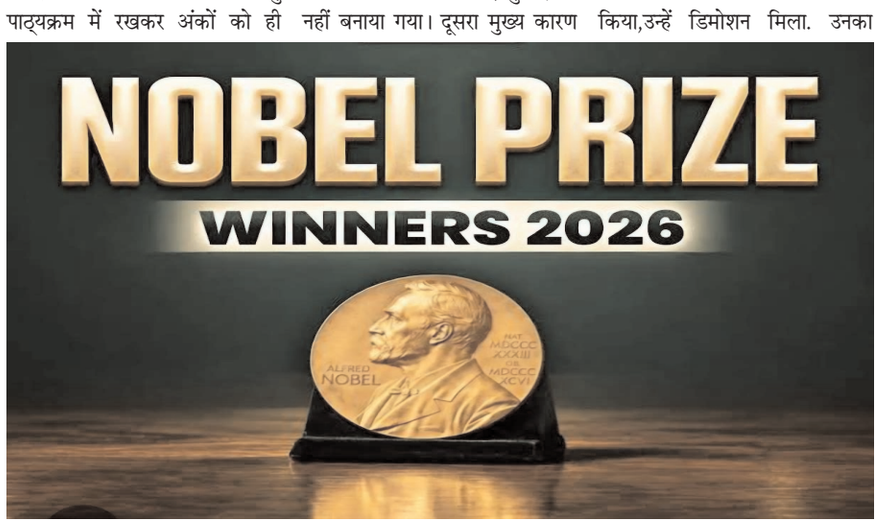

मान्यता दी गई. जैसे जितना ज्यादा शैक्षिक प्रतिशत 90 वाला जीनियस, 70% वाला औसत का एक मापन हो गया. बच्चों का बौद्धिक ज्ञान क्या सीखा, क्या गलती की, कुछ पता नहीं. पश्चिमी देशों की पद्धति में व्यावहारिक शिक्षा को प्राथमिकता दी गई. महान वैज्ञानिक आइंस्टीन जिन्होंने हजार असफल प्रयोग के बाद बल्ब बनाया था। कक्षा में उड़ते पक्षी के सवाल पर अंडों पर बैठने की कहानी सिर्फ उपहास नहीं, जिज्ञासु का जीवंत उदाहरण था, जिसने एक महान वैज्ञानिक को जन्म दिया। विज्ञान का पूरा आधार ही असफलता पर टिका है. एक ऐसी पीढ़ी तैयार हुई,जिसे केवल विषय को कठिन एग्जाम को पास करने की सीढी मान लिया. जो कठिन से कठिन परीक्षा का चक्रव्यूह तोड़ देते हैं, पर नया वैज्ञानिक सवाल पूछने पर डरता है. परीक्षा देने वाली मशीन बनाकर विद्यार्थी को जिज्ञासु दिमाग नहीं बनाया गया। दूसरा मुख्य कारण बजट का सच,फाइलों का बोझ,पैसों की कमी: इन तीनों में सबसे ज्यादा समस्या रही तो वैज्ञानिकों के प्रयोग में सरकारी मंजूरी टेंडर क्लीयरेंस में तकरीबन सात आठ महीने गुजर जाते हैं. किसी शोधार्थी वैज्ञानिक का समय सरकारी फाइलों को सेंड करने में रसीद चिपकाने में बीतेगा, तो क्या खोज करेगा? विश्वविद्यालय और रिसर्च सेंटर का यह तालमेल है, विभाजन है. यह भी एक प्रमुख वजह कार्य अनुमोदित भी नहीं हुआ, लेकिन यूनिवर्सिटी ने उन्हें काम करने दिया ।भारत की प्रयोगशाला में क्या किसी व्यक्ति वैज्ञानिक को इतना वक्त मिलेगा? भारतीय पद्धति में शिष्य सीनियर सर की विचारधारा की असहमति से डरता है । जबकि पश्चिम में युवा 24 साल का युवा सीनियर सर को सीधे चुनौती दे सकता है. उम्र की वरीयता से नहीं, प्रमाण विचारों की कसौटी तर्क से रही.दुनिया की सबसे बड़ी खोजें कैंब्रिज में स्टैनफोर्ड में या टोक्यो यूनिवर्सिटी में हुई.भारत में वैज्ञानिकों का मूल्यांकन उनके रिसर्च पेपर कितने छापे कितने प्रमाणित हुई? जब केवल सांख्यिकी आंकड़े पूर्ण योग्यता का आधार बनेंगे, तो वैज्ञानिक जोखिम क्यों लेगा? वह भी छोटा सुरक्षित मामूली सवाल पूछेगा। पश्चिम में 2023 में नोबेल विजेता कैटलिन ने तकनीक पर बीस साल काम किया,उन्हें डिमोशन मिला. उनका शोध चलते हैं। यहाँ युवाओं को न फंडिंग, न स्वतंत्रता है, तभी वह विदेश का रुख करता है. कटु सत्य है कि प्रतिभाएं ढुलमुल व्यवस्था से हताश मजबूर हो कर न चाहते हुए भी देश छोड़कर विदेशी सरजमीं की तरफ रुख करती हैं। भारतीय प्रतिभाएं कैंब्रिज या विदेशी यूनिवर्सिटी से तो नोबेल जीत जाती हैं. यानी कमी उन प्रतिभाओं में नहीं, कमी व्यवस्थाओं के पीछे अव्यवस्था में है। वैसे कुछ अच्छी शुरुआत हुई है.नेशनल रिसर्च फाउंडेशन जो व्यवस्था शुरू की है.उसके हमारे शिष्य वैज्ञानिक दुनिया में दुनिया के शीर्ष जनरल में अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं. अगर स्पष्ट लक्ष्य के साथ स्वतंत्रता दी जाए तो भारतीय वैज्ञानिक किसी भी हालत में कहीं भी इतिहास रच सकते हैं.अभी भी वक्त है सुधार किया जाए. शुरुआत घर से, बच्चों से हो. उनके स्कूल से वापस आने पर क्या नया सवाल पूछा गया कि तुम्हारे कितने नंबर आए? अंत में देश की मीडिया और राजनीतिक तंत्र भी है,जो बजट पर भी उतनी गंभीरता से प्रश्न पूछे, उतना ही रोष दिखाए, जितना जंतर मंतर कॉकरोच जैसी सक्रियता में दिखाई. विश्व गुरु बनने का मार्ग हमारे भाषणों से नहीं, वरन प्रयोगशालाओं के नतीजे से होकर गुजरता है ।प्राचीन उपलब्धियां के साथ वर्तमान खोजों पर गर्व करना शुरू कर दें ।दुनिया नोबेल में भारत को नहीं,भारत की लिस्ट में नोबेल को खोजेगी । सीवी रमन की तस्वीर अतीत का गर्भ नहीं है वर्तमान की चुनौती भी है। लंबे वर्षों तक का यह वनवास खत्म हो जाएगा, अगर सभी लोग कुछ जमीनी सुधार करने के लिए कदम उठाएँगे ।

वैश्विक न्याय के लिए जरूरी है सुरक्षा परिषद का पुनर्गठन

महेन्द्र तिवारी

दुनिया में शांति, सुरक्षा और सहयोग स्थापित करने के उद्देश्य से बने संयुक्त राष्ट्र की कार्यप्रणाली आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहाँ उसकी प्रासंगिकता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध की विभीषिका के बाद 1945 में स्थापित इस अंतरराष्ट्रीय संस्था से अपेक्षा की गई थी कि वह भविष्य में युद्धों को रोकने, देशों के बीच विवादों का समाधान करने और मानवता को विनाश से बचाने में प्रभावी भूमिका निभाएगी। लेकिन आठ दशक बाद भी विश्व अनेक युद्धों, क्षेत्रीय संघर्षों और राजनीतिक टकरावों से जूझ रहा है। ऐसी परिस्थितियों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की संरचना में सुधार की मांग तेज होना स्वाभाविक है। भारत ने इसी संदर्भ में सभी स्थायी सदस्यों को समान वीटो अधिकार देने की मांग उठाकर वैश्विक व्यवस्था में व्याप्त असमानता पर एक बार फिर ध्यान आकर्षित किया है।

26 अक्टूबर 2026 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में सुरक्षा परिषद में वीटो के प्रश्न पर आयोजित चर्चा के दौरान भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश पर्वतनेनी ने कहा कि जब तक वीटो का अधिकार अस्तित्व में है, तब तक सुधार के बाद गठित सुरक्षा परिषद के सभी स्थायी सदस्यों को समान अधिकार मिलने चाहिए। भारत का स्पष्ट मत है कि नए स्थायी सदस्यों को वीटो से वंचित रखकर परिषद का विस्तार करना वास्तविक सुधार नहीं होगा। इससे स्थायी सदस्यों की दो श्रेणियाँ बन जाएँगी और मौजूदा शक्तिशाली देशों का प्रभुत्व पहले की तरह बना रहेगा। भारत ने ऐसी व्यवस्था को असमानता को स्थायी रूप देने वाला कदम बताया है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने की प्रमुख जिम्मेदारी निभाती है। वर्तमान में इसके 15 सदस्य हैं। इनमें चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका पाँच स्थायी सदस्य हैं, जिन्हें वीटो का विशेषाधिकार प्राप्त है। शेष 10 अस्थायी सदस्य दो वर्ष के लिए चुने जाते हैं। सुरक्षा परिषद के महत्वपूर्ण गैर-प्रक्रियात्मक प्रस्तावों को पारित होने के लिए कम से कम नौ सदस्यों का समर्थन और किसी स्थायी सदस्य का नकारात्मक मत न होना आवश्यक है। इस व्यवस्था के कारण पाँच स्थायी सदस्यों में से कोई एक देश भी किसी प्रस्ताव को रोक सकता है। यही विशेषाधिकार वीटो कहलाता है।

सैद्धांतिक रूप से वीटो का उद्देश्य बड़ी शक्तियों को संयुक्त राष्ट्र की व्यवस्था में बनाए रखना और उनके बीच सीधे टकराव की आशंका कम करना था। लेकिन व्यवहार में कई बार यह अधिकार अंतरराष्ट्रीय सहमति के रास्ते में बाधा बन जाता है। जब किसी युद्ध, मानवीय संकट या अंतरराष्ट्रीय विवाद पर सुरक्षा परिषद के सदस्य सहमत नहीं हो पाते, तब वीटो के कारण आवश्यक कार्रवाई रुक सकती है। ऐसी स्थिति में सवाल उठता है कि क्या विश्व शांति की जिम्मेदारी निभाने वाली संस्था को कुछ देशों के राजनीतिक हितों के अधीन रहना चाहिए?

भारत के प्रतिनिधि ने अपने वक्तव्य में बताया कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना से अब तक वीटो का इस्तेमाल 331 बार किया जा चुका है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पाँच स्थायी सदस्यों में से दो ने साढ़े तीन दशक से अधिक समय से वीटो का इस्तेमाल नहीं किया है, जबकि अधिकांश वीटो या वीटो की धमकियाँ तीन देशों की ओर से आई हैं। भारत का कहना है कि वीटो को संकीर्ण राजनीतिक हितों का साधन नहीं, बल्कि एक गंभीर अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके इस्तेमाल में संयम और जवाबदेही आवश्यक है।

भारत की मांग का संबंध केवल वीटो अधिकारों तक सीमित नहीं है। वह सुरक्षा परिषद की सदस्यता, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, परिषद के आकार, कामकाज की पद्धति और निर्णय लेने की प्रक्रिया में व्यापक सुधार चाहता है।

बोध कथा

सच्चा प्रजापालक

एक बार महाराजा अशोक के राज्य में अकाल पड़ा। जनता भूख तथा प्यास से त्रस्त हो उठी। राजा ने तत्काल राज्य में अन्न के भंडार खुलवा दिए। सुबह से लेने वालों का ताँता लगता और शाम तक न टूटता।

एक दिन संध्या हो गई। जब सब लेने वाले निकट गए तो एक कृशकाय बूढ़ा उठा और उसने अन्न माँगा। बाँटने वाले भी थक चुके थे अत: उन्होंने उसे डाँटकर कहा-कल आना आज तो अब खैरात बंद हो गई।''तभी एक हृष्ट-पुष्ट शरीर के नवयुवक जैसा व्यक्ति आया और बाँटने वालों से बोला-बेचारा बूढ़ा है। मैं देख रहा हूँ बड़ी देर से बैठा है यह।

शरीर से दुर्बल होने के कारण सबसे पीछे रह गया है। इसे अन्न दे दो।''उसकी वाणी में कुछ ऐसा प्रभाव था कि बाँटने वालों ने उसे अन्न दे दिया। उस नवयुवक की सहायता से उसने गठरी बाँध ली। अब उठे कैसे? तब वही युवक बोला-लाओ मैं ही पहुँचाए देता हूँ।'' और गठरी उठाकर पीछे-पीछे चलने लगा।बूढ़े का घर थोड़ी दूर पर रह गया था। तभी एक सैनिक टुकड़े उधर से गुजरी। टुकड़ी के नायक ने घोड़े पर से उतर कर गठरी ले जाने वाले का फौजी अभिवादन किया।

उस व्यक्ति ने संकेत से आगे कुछ बोलने को मना कर दिया। फिर भी बूढ़े की समझ में कुछ-कुछ आ गया। वह वहीं खड़ा हो गया और कहने लगा-आप कौन हैं,सच-सच बताइए।'' वह व्यक्ति बोला-मैं एक नौजवान हूँ और तुम वृद्ध हो,दुर्बल हो। बस इससे अधिक परिचय व्यर्थ है। चलो बताओ तुम्हारा घर किधर है।'' पर अब तक बूढ़ा पूरी तरह पहचान चुका था। वह पैरों में गिर गया और क्षमा माँगते हुए बड़ी मुश्किल से बोला-प्रजापालक आप सच्चे अर्थों में प्रजापालक हैं।''

कविता

करवा चौथ का त्योहार

मोनिका डागा 'आनंद',

सच्ची खुशियों का संगम
करवा चौथ का त्योहार,
बरसाना हम बच्चों पर
माता अपनी अमृत धार ।
करें प्रार्थना करवा माता से
सुहागिनें सारी,
सदा सलामत रखना ये
जोड़ी हे मात ! हमारी,
श्रद्धा से निर्जल व्रत कर चरणों में धरा है शीश,
पति की दीर्घायु का माँगती हूँ आपसे आशीष,
बढें हमेशा इस जीवन में निश्छल निरंतर प्यार,
बरसाना हम बच्चों पर
माता अपनी अमृत धार ।

सुखद 'आनंद' वैवाहिक जीवन का प्यारा उत्सव,
सप्तपदी के पावन बंधन का है सुहाना पर्व,
प्रीत से खिली है कितनी सुंदर तन-मन की
क्यारी,
सोलह श्रृंगार में सजी सुहागिन लगे बड़ी प्यारी,
निभाएं समर्पण से रिश्ता सपने करें साकार,
बरसाना हम बच्चों पर

माता अपनी अमृत धार ।

बनाकर चाँद को साक्षी प्रेम का पूरी की रीत,
सुख समृद्धि प्रेम से सम्पन्न जिंदगी आशातीत,
आँखों में झलके हमारी पुनीत प्रेम का सबूत,
सच्चे जीवन साथी सुख-दुख के हो पकड़
मजबूत,
चहकता रहें खुशियों से यूँ सदाबहार संसार,
बरसाना हम बच्चों पर
माता अपनी अमृत धार ।

मोबाइल नं - 9884644066

व्यंग्य केसरी

आलराउंडर मंत्री जी

शिखर चंद जैन

मेरे मोहल्ले के टेकचंद जी पिछले चुनाव में पूरे एक सौ पिछत्तीस वोटों से जीतकर दिल्ली पहुंच गए। शुरू से ही वे आल इंडिया बवाल पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं। अपने राजनीतिक कैरियर की शुरूआत उन्होंने अपनी पार्टी के पोस्ट फेसबुक पर चिपका कर की थी। धीरे-धीरे उन्हें पार्टी ऑफिस में मुफ्त में चाय और बिस्कुट मिलने लगे थे। फिर मोहल्ला कमिटी के अध्यक्ष बनते हुए उन्होंने धीरे-धीरे प्रमोशन प्राप्त कर लिया। आज वे मंत्री बन गए हैं।

वैसे शिक्षा-दीक्षा मे कोई कमी उनके माता-पिता ने नहीं रखी। सातवीं तक वे लगातार 'पास' हो गए। आलाकमान ने भी उन्हें राजी-खुशी मंत्री नहीं बनाया था। वे गुटबाजी में माहिर थे। जब आलाकमान को लगा कि सरकार 'अब गिरी-तब गिरी' तो उन्होंने टेकचंद जी को मंत्री पद पर टेक दिया। सरकार भी टिक गई। साल भर में उन्हें दर्जन भर मंत्रालयों का काम सौंपा गया। मंत्री जी आलराउंडर आदमी हैं।उनके मंत्री जीवन की कुछ यादगार घटनाएं जानकर तो आप 'वाह, वाह' कर ही उठेंगे।

जब तक वह स्वास्थ्य मंत्री रहे, अस्पताल वालों को उन्होंने हड़काकर रखा। एक बार उन्होंने एक सरकारी अस्पताल के डाक्टरों को जमकर डांट पिलाई, 'आप लोगों का कोई काम ढंग का नहीं है। सब मरीजों की 'पोस्टमार्टम रिपोर्ट' उनके पास रखी होनी चाहिए। मैं देख रहा हूं कि यहां किसी मरीज की नहीं है।' उनके सचिव ने उन्हें बगल में जाकर समझाया, 'सर, जिंदा मरीजों की पोस्टमार्टम नहीं मेडिकल रिपोर्ट लगी होनी चाहिए।' इसके अगले ही दिन उनका मंत्रालय भी बदल गया।

विद्युत मंत्री के रूप में : एक जगह ताप बिजली उत्पादक संयंत्र लगाने की बातचीत चल रही थी। मीटिंग में मंत्री जी भी बैठे थे। संयंत्र दिल्ली से जरा दूर कहीं लगने की वार्ता चल रही थी। मंत्री ने राय दी, 'दिल्ली से इतनी दूर संयंत्र लगाने का क्या तुक है? वहां से तो बिजली को आने में कम-से-कम चार घंटे लग जाएंगे।' अफसरों ने समझाया, 'सर, बिजली तो मात्र चार सेकेंड में आ सकती है।' इस पर मंत्रीजी बोले, 'फिर दो संयंत्र लगवा देते हैं जिससे दो सेकेंड में ही बिजली पहुंच जाए।'

मंत्री जी को शुरू से ही 'ए' फिल्में देखने का शौक रहा है। अत: दूरसंचार मंत्री बनते ही उन्होंने 'ए' (व्यस्क) फिल्में टीवी पर दोपहर में दिखाने का आदेश जारी कर दिया। उनका तर्क था कि 'ए' फिल्मों के लिए इससे अच्छा कोई समय हो ही नहीं सकता। क्योंकि सभी बच्चे दोपहर को स्कूल चले जाते हैं।

रेलमंत्री के रूप में मंत्रीजी को हमारा यानी उनका भूतपूर्व मुहल्ला बहुत याद आया। उनका कहना था कि मोहल्ले के पंद्रह सौ लोगों को रेलवे स्टेशन तक आने में रोजाना ढाई रूपए खर्च करने पड़ते हैं। सो हर मोहल्ले में मुख्य स्टेशन से मोहल्ले तक लोकल ट्रेनें चलाई जानी चाहिए। जिससे 'जाम' की समस्या भी खत्म हो जाए।

मंत्री जी का दुर्भाग्य था कि उनकी प्रतिभा को किसी ने गंभीरता से नहीं लिया। मंत्रालय में घुसते ही वे आदेश देते और लागू होने से पहले ही दूसरे मंत्रालय का कार्यभार देकर विदा कर दिए जाते।

इतिहास

29 अक्टूबर का इतिहास देश और दुनिया की कई महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा है।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ

1618: ब्रिटिश खोजकर्ता सर वाल्टर रैले को लंदन में राजद्रोह के आरोप में फांसी दी गई।

1863: जेनेवा में समझौता होने के बाद अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस की स्थापना हुई।

1920: जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।

1923: ऑटोमन साम्राज्य के अंत के साथ तुर्की एक गणराज्य घोषित हुआ।

1929: अमेरिका के शेयर बाजार में भारी गिरावट (ब्लैक ट्यूसडे) आई, जिससे पूरे विश्व में 'महामंदी' की शुरुआत हुई।

1956: स्वेज संकट की शुरुआत हुई, जब इजरायली सेना ने सिनाई प्रायद्वीप पर आक्रमण किया।

बिलासपुर में बदलेगी सड़कों की सूरत,सड़को की मरम्मत और नवीनीकरण कार्यों में आएगी तेजी

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। जिले में नागरिकों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराने और आवागमन को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़कों की मरम्मत, बीटी नवीनीकरण और नवीन सड़क निर्माण कार्यों को गति दी जा रही है। शहर के प्रमुख मार्गों सहित ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। कई मार्गों पर मरम्मत कार्य जारी है, वहीं प्रमुख सड़कों पर बीटी नवीनीकरण कार्य शीघ्र शुरू किए जाएंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में भी सड़क संपर्क को बेहतर बनाने के लिए नवीन सड़कों का निर्माण किया जा रहा है।

लोक निर्माण विभाग द्वारा वर्तमान में कुदुदंड-मंगला मार्ग, महामाया चौक से सेंदरी मार्ग, रमतला पहुंच मार्ग तथा नेहरू चौक से उसलापुर मार्ग पर मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। इन मार्गों के क्षतिग्रस्त हिस्सों को दुरुस्त कर आवागमन को सुगम बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इससे वाहन चालकों और आम नागरिकों को आवाजाही में राहत मिलेगी।

इसी तरह शहर एवं आसपास के प्रमुख मार्गों पर बीटी नवीनीकरण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। इनमें राजेंद्र नगर चौक से तारबाहर चौक, देवकीनंदन चौक से महामाया चौक, संजय तरण पुष्कर से अग्रसेन चौक, सीपत से बलौदा मार्ग, पेंड्रीडीह से महामाया चौक तथा नेहरू चौक से दर्रीघाट मार्ग शामिल हैं। इन सड़कों के नवीनीकरण से सड़क की सतह बेहतर होगी और नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित यातायात की सुविधा मिलेगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क को मजबूत करने के लिए जोंधरा-सोन-बसंतपुर मार्ग, सोन से सोनसरी मार्ग, खमरिया-सोठी-नवापारा मार्ग तथा मल्हार-चिल्हाटी मार्ग पर नवीन सड़क निर्माण कार्य प्रस्तावित एवं प्रगतिरत हैं। इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ ही गांवों का संपर्क बेहतर होगा। इससे स्थानीय व्यापार, परिवहन और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

लोक निर्माण विभाग द्वारा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क सुविधाओं के विस्तार और सुधार के लिए कार्य किए जा रहे हैं। इन कार्यों के पूर्ण होने से नागरिकों को बेहतर सड़क सुविधा मिलने के साथ ही यातायात व्यवस्था अधिक सुगम और

बिर्रा चौक में यातायात नियमों की उड़ रही धज्जियां, ड्यूटी के दौरान मोबाइल मे खेल रहा

विश्व केसरी■

भटगांव। यातायात नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी जिन पुलिसकर्मियों पर है, उन्हीं की ड्यूटी को लेकर सवाल उठने लगे हैं। बिर्रा चौक में ड्यूटी के दौरान एक सिपाही के मोबाइल पर गेम खेलने का मामला सामने आया है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब ड्यूटी के समय ही ध्यान मोबाइल गेम पर रहेगा, तो यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा?

चौक पर यातायात नियंत्रण, सड़क सुरक्षा और नियमों का पालन सुनिश्चित करना पुलिस की अहम जिम्मेदारी है। ऐसे में ड्यूटी के दौरान मोबाइल गेम खेलने की शिकायत यदि सही पाई जाती है, तो यह गंभीर लापरवाही का मामला हो सकता है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या संबंधित अधिकारियों को इस मामले की जानकारी है? क्या यातायात विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इस पर संज्ञान लेंगे या मामला यूं ही अनदेखा कर दिया जाएगा?

मीडिया की नजरों के सामने भी यदि ऐसी स्थिति दिखाई दे रही है, तो विभागीय निगरानी और जवाबदेही पर सवाल उठना स्वाभाविक है। अब देखना होगा कि यातायात विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मामले की जांच कर क्या कार्रवाई करते हैं। जनता को नियमों का पाठ पढ़ाने वाले विभाग को अपनी ड्यूटी में भी जिम्मेदारी और अनुशासन सुनिश्चित करना होगा।

बलरामपुर को 202.65 करोड़ की सौगात, मुख्यमंत्री साय ने खोली विकास की नई राह

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बुधवार को बलरामपुर-रामानुजगंज जिले को 202 करोड़ 65 लाख रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री निवास कार्यालय, रायपुर से वर्चुअल माध्यम से जुड़े श्री साय ने विकासखंड शंकरगढ़ के ग्राम चिरई में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सरगुजा के विकास पुरुष के रूप में ख्यात काका लरंग साय की प्रतिमा का उनके पैतृक ग्राम में अनावरण किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 156 करोड़ 68 लाख रुपये के 1,86× विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास तथा 45 करोड़ 97 लाख रुपये के 146 कार्यों का लोकार्पण किया। इन कार्यों से जिले में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य और शिक्षा सहित बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा।

तीन प्रमुख सड़कों और पाँच पुलों से सुगम होगा आवागमन

शिलान्यास किए गए कार्यों में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत 71 करोड़ 89 लाख रुपये की लागत की तीन प्रमुख सड़कें शामिल हैं। इनमें वाड्रफनगर विकासखंड में परसवार से चलगली तक 18 किलोमीटर मार्ग का उन्नयन, शंकरगढ़ विकासखंड में महुआडीह से भरतपुर तथा कुसमी विकासखंड में सिविलदाग से नीलकंठपुर मार्ग का निर्माण शामिल है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत कुसमी विकासखंड में 26 करोड़ 15 लाख रुपये की लागत से पाँच पुलों का निर्माण किया जाएगा। इन कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों की संपर्क सुविधा बेहतर होगी।

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए जिला चिकित्सालय में 4 करोड़ 72 लाख रुपये की सीटी स्कैन मशीन की स्थापना का शिलान्यास किया गया। इससे जिले में ही उन्नत जाँच सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत 5× करोड़ 91 लाख रुपये के 1,854 कार्यों का भी भूमिपूजन किया गया। इनमें 216 बालिका शौचालय, 152 मुक्तिधाम तथा अन्य निर्माण कार्य शामिल हैं।

VSK एप से शिक्षकों की उपस्थिति पर सख्ती, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

विश्व केसरी■

मुंगेली (रवि शुक्ला)। प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए शासन ने ड्रूरय (विद्या समीक्षा केंद्र) एप पर कड़ाई बढ़ा दी है। राज्य स्तर से लेकर विकासखंड स्तर तक सभी अधिकारियों को स्पष्ट और सख्त निर्देश जारी किए गए हैं कि ड्रूरय एप में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जारी निर्देश के अनुसार अब सभी शिक्षकों को नियमानुसार टाइम टू टाइम अपनी उपस्थिति दर्ज करनी होगी। प्रात: विद्यालय खुलते ही चेक-इन और विद्यालय बंद होते ही चेक-आउट करना अनिवार्य कर दिया गया है। एप में लोकेशन के साथ निर्धारित समय भी प्रदर्शित होती है, जिससे वास्तविक उपस्थिति का सत्यापन भी होना दिखता है... सूत्रों के अनुसार कई स्थानों से शिक्षकों द्वारा समय पर उपस्थिति दर्ज न करने और बिना सूचना के अनुपस्थित रहने की शिकायतें राज्य स्तर पर पहुंची थीं, जिसके बाद यह सख्त कदम उठाया गया है।शिक्षा विभाग की पैनी नजर, सभी अधिकारियों को निर्देश शिक्षा विभाग द्वारा ड्रूरय एप की प्रतिदिन निगरानी की जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी से लेकर विकासखंड शिक्षा अधिकारी और संकुल प्राचार्यों तक को निर्देशित किया गया है कि वे प्रतिदिन अपने अधीनस्थ विद्यालयों की ड्रूरय रिपोर्ट का अवलोकन करें और लापरवाह पाए जाने वाले शिक्षकों पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि ड्रूरय एप में गड़बड़ी करने या जानबूझकर उपस्थिति दर्ज न करने को गंभीर अनुशासनहीनता माना जाएगा। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के निर्देश के बाद अब ड्रूरय एप की साप्ताहिक समीक्षा की जा रही है। हर सप्ताह राज्य स्तर पर जिलों की रैंकिंग तैयार हो रही है कि किस जिले में कितने शिक्षकों ने समय पर उपस्थिति दर्ज की। कम प्रगति वाले जिलों और विकासखंडों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा जा रहा है। इस साप्ताहिक आंकलन के बाद से ही ब्लॉक स्तर पर भी हलचल तेज हो गई है। अधिकारी स्वयं फील्ड में जाकर ड्रूरय उपस्थिति का मिलान कर रहे हैं। शासन के निर्देश है कि शिक्षा की गुणवत्ता के लिए शिक्षक की समय पर उपस्थिति पहली शर्त है, और इस मामले में अब किसी भी तरह की ढिलाई नहीं चलेगी। मुंगेली विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि किसी भी शिक्षक को अगर ड्रूरय एप के अटेंडेंस में कोई तकनीकी प्रॉब्लम आ रही है या उनकी ड्यूटी किसी अन्य कार्यों में लगी हो जिसके कारण वह ऑनलाइन अटेंडेंस नहीं दे पा रहे हैं तो वह आकर कार्यालय में संपर्क कर अवगत कराने की बात कही।

सीबीजी नीति के क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय समिति की पहली बैठक आयोजित

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। बिलासपुर-कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आज मंथन सभाकक्ष में जिला स्तरीय कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) मॉनिटरिंग समिति की प्रथम बैठक आयोजित की गई। छत्तीसगढ़ कंप्रेस्ड बायोगैस नीति 2026 की अधिसूचना जारी होने के बाद राज्य में सबसे पहले जिला स्तरीय समिति की पहली बैठक यहां आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि पैरा-नरई जलाने के बजाय किसानों को उसका उचित मूल्य मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि कृषि अवशेषों का उपयोग बायोगैस उत्पादन में होने से किसानों को अतिरिक्त आय का अवसर मिलेगा और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। कलेक्टर ने सीबीजी परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने तथा इनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में छत्तीसगढ़ सीबीजी नीति 2026 के प्रावधानों, जिला स्तरीय समिति के गठन के उद्देश्य एवं प्रमुख दायित्वों पर विस्तार से चर्चा की गई। परियोजनाओं के लिए आवश्यक फीडस्टॉक के रूप में पैरा-नरई सहित कृषि अवशेष, बायोमास, नगरीय ठोस अपशिष्ट एवं अन्य जैविक संसाधनों की उपलब्धता तथा नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने पर विचार-विमर्श किया गया। कलेक्टर ने कहा कि पैरा-नरई का व्यावसायिक उपयोग सुनिश्चित होने से किसानों को आर्थिक लाभ मिलेगा और खेतों में नरई जलाने की समस्या को कम करने में भी मदद मिलेगी। बैठक में प्रत्येक विकासखंड में किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के गठन, किसानों एवं परियोजना संचालकों के बीच समन्वय तथा भारत सरकार की महत्वाकांक्षी

मैडम को घर बैठे मिल रहा है वेतन, महीने में केवल दो तीन बार जाती है विद्यालय, मजदूर शिक्षक के भरोसे बच्चों का भविष्य

विश्व केसरी■

भटगांव। बिलाईगढ़ विकासखंड के वनांचल क्षेत्र में शिक्षा विभाग की लापरवाही इस हद तक बढ़ गई है कि एक शिक्षिका अपने बदले में किराए का शिक्षक रखी है, मैडम साहिबा खुद घर में रहकर आराम फरमाती रहती हैं और उसके बदले में एक लड़का पढ़ाने जाता है। लगभग पिछले 10 सालों से यह खेल चल रहा है , मामला बिलाईगढ़ विकासखंड अंतर्गत टेडगीडिपा प्राथमिक शाला का है , कहने को तो विद्यालय में दो शिक्षक पदस्थ हैं जिसमें से एक समन्वयक है जो कभी-कभार आते हैं ,बच्चों के पढ़ाई से उनका कुछ लेना देना ही नहीं है जबकि दूसरा महिला शिक्षिका है जिनका नाम हेमलता साहू है , कहने को तो शिक्षिका है लेकिन महीने में दो से तीन बार आती है पाठ्यांक में दस्तखत करती हैं और तुरंत वापस चली जाती है यह सिलसिला पिछले 8-10 सालों से चली आ रही है, कहावत है सैया भये कोतवाल को डर काहे का, शिक्षिका हेमलता साहू के पति विजय साहू किसी संकुल केंद्र में समन्वयक है इसी बात का फायदा लिया जा रहा है और सरकार के खजाने से हर महीने बिना मेहनत के ही वेतन के रही है, एक अप्रशिक्षित युवक बच्चों को किराए में पढ़ा रहा है , ऐसे में शिक्षा की स्थिति इस विद्यालय में क्या होगी अंदाजा लगाई जा सकती है। कुछ महीना पहले ही हमने वनांचल क्षेत्र के एक और विद्यालय रैंनकोट का मामला उजागर किया था जहां पिछले एक सालों से कोई भी शिक्षक ड्यूटी पर नहीं जाते थे और स्वीपर के भरोसे विद्यालय संचालित हो रहा था और अब टेडगी दीपा विद्यालय का मामला चिक चिक कर कह रही है कि बिलाईगढ़ विकासखंड में शिक्षा का स्तर बेहद कमजोर और यहां जिम्मेदार अधिकारियों की जिम्मेदारी बेहद लापरवाही पूर्वक है। सूत्रों से जानकारी प्राप्त हुआ है की टेडगी दीपा विद्यालय में पदस्थ शिक्षिका हेमलता साहू की ओर से हर महीने विकासखंड शिक्षा अधिकारी तक चढ़ावा पहुंचता है, यदि जिला प्रशासन इस पर उचित जांच कराए तो निश्चित तौर पर चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आएगी। क्या शिक्षा विभाग के लिए यह शर्म की बात नहीं है कि कोई अप्रशिक्षित विद्यालय में बच्चों को अध्यापन कराता रहे और नौकरी पेशा प्रशिक्षित व्यक्ति घर में बैठे-बैठे मलाई खाते रहे , विभाग को सब कुछ मालूम है तो कार्यवाही करने के बजाय कमीशन खोरी चल रही है ऐसे में बिलाईगढ़ विकासखंड में शिक्षा व्यवस्था न जाने कितने विद्यालयों में चारमुराई होगी जिसकी भरपाई के लिए ना जाने कितने वर्ष लगेंगे। ग्रामीणों ने कई बार मामले को लेकर शिकायत किया लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई तो प्रशासन से उनका भरोसा उठ गया अब ग्रामीण चाहते हैं कि मीडिया के भरोसे उनके गांव का यह मामला शिक्षा मंत्री तक पहुंचे और लापरवाह कर्मचारियों अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई हो। आपको बता देते हैं आने वाले दिनों में बिलाईगढ़ विकासखंड में शिक्षा की लापरवाही को लेकर अभी कई मामले उजागर होने बाकी है ।

अरागी और श्रीअन्न से कुपोषण पर प्रहार: शंकरगढ़ के 967 कुपोषित बच्चों की थाली में रोज़ पहुँचेगा पौष्टिक बालभोग

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। पारंपरिक मोटे अनाज अब बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में कुपोषण के विरुद्ध लड़ाई का सबसे भरोसेमंद हथियार बनेंगे। जिला प्रशासन ने कुपोषण मुक्ति अभियान के अंतर्गत 'बालभोग' कार्यक्रम आरंभ किया है। इसमें श्रीअन्न, रागी और सूखे मेवों से तैयार प्रोटीन युक्त लड्डू कुपोषित बच्चों को प्रतिदिन खिलाए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज शंकरगढ़ विकासखंड के ग्राम चिरई, जशवंतपुर में आयोजित स्वर्गीय लरंग साय प्रतिमा अनावरण समारोह के दौरान वर्चुअल माध्यम से इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम के पहले चरण में शंकरगढ़ विकासखंड के 967 कुपोषित बच्चों को चिन्हित किया गया है। इन्हें प्रतिदिन 30 ग्राम पौष्टिक लड्डू दिया जाएगा। लड्डू केवल वितरित नहीं किए जाएंगे। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अपनी उपस्थिति में बच्चों को निर्धारित मात्रा में इनका सेवन कराएंगी, ताकि अतिरिक्त पोषण वास्तव में बच्चे तक पहुँचे। स्थानीय स्तर पर उपजने वाले श्रीअन्न और रागी का यह उपयोग बच्चों के आहार को पौष्टिक बनाने के साथ पारंपरिक खाद्य संस्कृति को भी पुनर्जीवित करने की दिशा में सार्थक कदम है। 'बालभोग' की खासियत इसका निगरानी तंत्र है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता लड्डू खिलाने के साथ प्रत्येक बच्चे के स्वास्थ्य और पोषण स्तर पर लगातार नज़र रखेंगी। अभिभावकों को संतुलित आहार, नियमित भोजन तथा बच्चों की उचित देखभाल के बारे में समझाइश दी जाएगी, ताकि घर पर भी पोषण की यह कड़ी बनी रहे। महिला एवं बाल विकास विभाग और मैदानी अमले के समन्वय से कार्यक्रम का क्रियान्वयन होगा तथा विभागीय योजनाओं को एक साथ जोड़कर कुपोषण उन्मूलन के प्रयासों को गति दी जाएगी।

लोकतंत्र की हत्या करने वालों को जाना ही होगा: नाना भाऊ पटोले

विश्व केसरी■

सक्ती । बोट बचाओ देश बचाओ का नारा देकर भाषण की शुरुआत की-नाना भाऊ पटोले सक्ती में जिला कांग्रेस कमेटी की 1नवंबर को दिल्ली में होगी रैली जिला कांग्रेस कमेटी शक्ति द्वारा 27 अक्टूबर को स्थानीय कमला हरी एवेन्यू स्टेशन रोड सक्ती में वोट बचाओ देश बचाओ अभियान के तहत कांग्रेस की आम सभा में

पर्यवेक्षक पटोले ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के विरोधियों को हटाना ही हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि आज देश में कांग्रेस ने वोट बचाओ देश बचाओ अभियान प्रारंभ किया है। भारतीय जनता पार्टी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ खड़ी नजर आ रही है। पूरी दाल ही काली नजर आती है। पटोले ने कहा कि 1 नवंबर की दिल्ली की रैली व्यापारियों के सम्मान को ध्यान में रखते हुए की जाएगी। अभी प्रथम चरण में कांग्रेस पार्टी दिल्ली में मोदी जी को

सचेत करने जाएगी तथा बाद में बड़े जन आंदोलन के रूप में यह कार्यक्रम होगा।

पटोले ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पूर्ववर्ती कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार ने जो काम किया है, वह आज भाजपा नहीं कर पा रही है और पूरे प्रदेश में लोग परेशान हैं। इस दौरान छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत, कांग्रेस के विधायक विनय जायसवाल, चंद्रपुर के विधायक रामकुमार यादव, जैजैपुर के विधायक बालेश्वर साहू,

कमेटी के प्रभारी हरीश परसाई, जिला कांग्रेस कमेटी सक्ती की अध्यक्ष रश्मि गबेल, पूर्व मंत्री नोबेल कुमार वर्मा, पूर्व अध्यक्ष त्रिलोकचंद जायसवाल दादू, प्रवक्ता एडवोकेट गिरधर जायसवाल, नितेश कुमार वर्मा, शहर अध्यक्ष राकेश राठौर, चंद्रा कुमार सोनी, पूर्व कोषाध्यक्ष नरेश गेवाडिन, नारायण गभेल, संतोष सोनी लाला, सहित कांग्रेस नेता मंच पर उपस्थित थे। वोट चोरी और स्ट्रूक्र पर कांग्रेस के आरोप

पटोले ने कहा कि वोट चोरी का मुद्दा केवल मौजूदा एसआईआर प्रक्रिया तक सीमित नहीं है। कांग्रेस ने कई चुनावों के दौरान मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने और हटाने, दोहरे पंजीकरण, आईवीएम और वीवीपैट की कार्यप्रणाली तथा चुनाव आयोग के आचरण पर लगातार सवाल उठाए हैं। कांग्रेस की मांग है कि मूल

आंकड़े उपयोग योग्य डिजिटल प्रारूप में उपलब्ध कराए जाएं और स्वतंत्र रूप से सत्यापन करने का अवसर मिले।

2200 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाओं ने निकाली अधिकार रैली,कलेक्ट्रेट पहुंचकर सौंपा

विश्व केसरी■

मुंगेली। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका संयुक्त मंच के बैनर तले जिलेभर की करीब 2200 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर नगर में रैली निकालकर शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। जिला अध्यक्ष नीता दास एवं जिला अध्यक्ष प्रभा डहरिया के संयुक्त नेतृत्व में आयोजित इस रैली में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने हिस्सा लिया। रैली नगर के आगर क्लब ग्राउंड से प्रारंभ होकर कलेक्ट्रेट पहुंची,जहां प्रतिनिधिमंडल ने शासन-प्रशासन के नाम ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों को पूरा करने की अपील की।

संयुक्त मंच ने ज्ञापन के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन के दौरान आने वाली व्यावहारिक समस्याओं,कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को मिलने वाले मानदेय,सामाजिक सुरक्षा और विभागीय कार्यों के अतिरिक्त बढ़ते कार्यभार जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। मंच का कहना है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके बावजूद उन्हें कई ऐसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिनके समाधान के लिए लंबे समय से मांग की जा रही है। ज्ञापन में मांग की गई है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को नियमित किया जाए। नियमितीकरण होने तक श्रम कानूनों के तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 30 हजार रुपये तथा सहायिकाओं को 25,500 रुपये मानदेय दिए जाने की मांग रखी गई है। मंच ने कहा कि बढ़ती महंगाई के दौर में वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों के बीच परिवार का भरण-पोषण करना कठिन होता जा रहा है। ऐसे में कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को सम्मानजनक मानदेय और आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराना आवश्यक है।

सेंसेक्स 353 अंक गिरकर बंद, मिडकैप और स्मॉलकैप में रही खरीददारी

विश्व केसरी■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 352.64 अंक या 0.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 73,246.03 और निफ्टी 50.90 अंक या 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,698.85 पर बंद हुआ।

गिरावट लार्जकैप तक ही सीमित रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 244.80 अंक या 0.43 प्रतिशत की तेजी के साथ 57,274.70 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 166.20 अंक या 0.90 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,634.90 पर बंद हुआ।

सूचकांकों में निफ्टी ऑटो (1.45 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (1.41 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (1.38 प्रतिशत), निफ्टी हेल्थकेयर (1.15 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (1.04 प्रतिशत), निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज (0.47 प्रतिशत) और निफ्टी प्राइवेट बैंक (0.35 प्रतिशत) की मजबूती के साथ टॉप गेनर्स थे।

दूसरी तरफ निफ्टी ऑयल एंड गैस (-2.27 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (-1.98 प्रतिशत), निफ्टी कमोडिटीज (-0.95 प्रतिशत), निफ्टी एनर्जी (-0.89 प्रतिशत), निफ्टी रियल्टी (-0.89 प्रतिशत) की गिरावट के साथ टॉप लूजर्स थे।

सेंसेक्स पैक में एलएंडटी, ट्रेंट, एसबीआई, एक्सिस बैंक, इंडिगो, एचडीएफसी बैंक, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस और एमएंडएम गेनर्स थे। रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस, भारती एयरटेल, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, इटरनल, बीईएल, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा, टाइटन, आईटीसी और एचयूएल लूजर्स थे।

एक्सपर्ट्स ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव बना रहा और ये गिरावट के साथ बंद हुए। कच्चे तेल की कीमतों में अचानक उछाल और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली ने निवेशकों के सेंटीमेंट पर नकारात्मक असर डाला। बाजार अमेरिकी मध्यावधि चुनावों पर भी करीबी नजर रखे हुए है, ताकि भू-राजनीतिक हालात को लेकर अधिक स्पष्टता मिल सके।

उन्होंने आगे कहा कि मजबूत नतीजों, बैंकिंग, ऑटो और फार्मा सेक्टर के लचीलेपन और निचले स्तरों पर की गई खरीदारी की मदद से सूचकांकों ने अपनी शुरुआती गिरावट का एक बड़ा हिस्सा कवर कर लिया। अब निवेशकों की नजर अमेरिकी फेड की पॉलिसी गाइडेंस पर होगी।

घर की लक्ष्मी मुस्कुराएगी, तभी दीपावली सच में जगमगाएगी

नम्रता सिंह, निदेशक, उर्मिला फाउंडेशन, रायपुर
विश्व केसरी■

रायपुर (वाणिज्यक संवाददाता)। दीपावली प्रकाश, प्रेम, उल्लास और समृद्धि का पर्व है। इस अवसर पर हर घर में मां लक्ष्मी के स्वागत की तैयारी होती है और सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। लेकिन दीपावली की वास्तविक सार्थकता केवल पूजा-अर्चना और घरों को रोशन करने तक सीमित नहीं है। यह पर्व हमें अपने विचारों और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने तथा समाज में सम्मान, समानता और संवेदनशीलता का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा भी देता है। मेरे लिए नारी का सम्मान ही सच्ची लक्ष्मी पूजा का आधार है। महिला परिवार की आधारशिला होती है। मां के रूप में वह बच्चों को संस्कार देती है, बेटी के रूप में परिवार की आशा बनती है, बहन के रूप में स्नेह बांटती है और पत्नी के रूप में जीवन के संघर्षों में अपने साथी का संबल बनती है। वह परिवार की खुशियों और जिम्मेदारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके बावजूद कई बार उसके त्याग, परिश्रम और भावनाओं को वह महत्व नहीं मिल पाता, जिसकी वह हकदार है। दीपावली पर हम अपने घरों की साफ-सफाई और सजावट करते हैं, लेकिन समाज की सोच को सकारात्मक बनाना भी उतना ही आवश्यक है। महिलाओं के प्रति भेदभाव, बेटियों को कमतर समझने की प्रवृत्ति और उनके सपनों की अनदेखी जैसी सामाजिक चुनौतियों को दूर करना होगा। बेटियों को शिक्षा, रोजगार और आगे बढ़ने के समान अवसर देना तथा महिलाओं की भावनाओं और निर्णयों का सम्मान करना एक बेहतर समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

नारी सम्मान केवल किसी विशेष अवसर पर व्यक्त की जाने वाली भावना नहीं, बल्कि दैनिक जीवन में अपनाया जाने वाला संस्कार होना चाहिए। परिवार में महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और स्वतंत्र पहचान मिले। उन्हें अपनी प्रतिभा विकसित करने, आत्मनिर्भर बनने और अपने सपनों को साकार करने के अवसर प्राप्त हों। उनके योगदान को स्वीकार करना और उनके विचारों को महत्व देना परिवार तथा समाज, दोनों को मजबूत बनाता है। मेरा विश्वास है कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब महिलाओं को समान अधिकार और सम्मान मिले। एक बेटी को आगे बढ़ने का अवसर देना, एक महिला की भावनाओं को समझना और उसके आत्मसम्मान की रक्षा करना सामाजिक जिम्मेदारी है। बदलाव की शुरुआत हमारे अपने घर और व्यवहार से होनी चाहिए।

इस दीपावली आइए, हम केवल दीप न जलाएं, बल्कि महिलाओं के जीवन में भी सम्मान, समानता और अवसरों का उजाला फैलाने का संकल्प लें।

भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का औसत एयूएम वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 14.1 प्रतिशत बढ़ा : रिपोर्ट

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री की औसत एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में तिमाही आधार पर 4.9 प्रतिशत और सालाना आधार पर 14.1 प्रतिशत बढ़कर 89.51 लाख करोड़ रुपए हो गई है। यह जानकारी बुधवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

आईसीआरए एनालिटिक्स की ओर रिपोर्ट में बताया गया कि हालांकि, बाजारों में गिरावट के चलते अगस्त 2026 में इंडस्ट्री एयूएम 87.08 लाख करोड़ रुपए और सितंबर 2026 में 82.64 लाख करोड़ रुपए था।

मासिक गिरावट के बावजूद, सितंबर में एयूएम पिछले साल की तुलना में 9.3 प्रतिशत अधिक रहा। यह इस सेक्टर की लंबी अवधि की विकास दर को दर्शाता है, जो खुदरा निवेशकों की बढ़ती भागीदारी और सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में लगातार आ रहे निवेश (इनफ्लो) से प्रेरित है।

वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में नेट इनफ्लो 1.44 लाख करोड़ रुपए के साथ सकारात्मक रहा, हालांकि यह पिछली तिमाही के 2.05 लाख करोड़ रुपए से कम था। इसमें आई कमी का मुख्य कारण डेट-ओरिएंटेड स्कीमों से फंड की निकासी (आउटफ्लो) और सितंबर 2026 में हुई बड़ी निकासी थी।

इक्विटी-ओरिएंटेड स्कीमें विकास का मुख्य आधार बनी रहीं, जिनमें तिमाही के दौरान 92,293 करोड़ रुपए का नेट इनफ्लो आया, जबकि हाइब्रिड स्कीमों में इनफ्लो की गति धीमी रही। डेट-ओरिएंटेड स्कीमों से 5,853 करोड़ रुपए का नेट आउटफ्लो देखा गया, जो बाजार की बदलती स्थितियों के बीच निवेशकों की इक्विटी-लिंक्ड उत्पादों में रुचि को दर्शाता है।

रिपोर्ट में कहा गया, 'निवेशक आधार में लगातार विस्तार और इक्विटी में मजबूत इनफ्लो, बाजार में अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग के लिए एक सकारात्मक और मजबूत विकास दृष्टिकोण की पुष्टि करते हैं।'

निवेशकों की भागीदारी काफी मजबूत रही; सितंबर 2026 में कुल म्यूचुअल फंड फोलियो की संख्या बढ़कर 28.62 करोड़ हो गई, जबकि सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश 32,490 करोड़ रुपए के अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

सितंबर 2026 में नए एसआईपी खातों की संख्या में 63.26 लाख की वृद्धि हुई। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही और वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही के बीच शीर्ष दस एसेट मैनेजमेंट कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी काफी हद तक स्थिर रही।

दानी गर्ल्स स्कूल की 200 छात्राओं ने किया उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल का शैक्षणिक भ्रमण

विश्व केसरी■

रायपुर (वाणिज्यक संवाददाता)। शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबों तक सीमित ज्ञान प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन की वास्तविकताओं से परिचित कराना और उनके भविष्य की दिशा तय करने में मदद करना भी है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए दानी गर्ल्स स्कूल की 200 छात्राओं ने आज उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल का शैक्षणिक भ्रमण किया।

इस दौरान छात्राओं को अस्पताल की विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं, चिकित्सा सेवाओं और अस्पताल की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। साथ ही, स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में करियर की संभावनाओं की जानकारी देकर उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना तथा चिकित्सा के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों से परिचित कराना था। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने अस्पताल में मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था को करीब से समझा। इस अनुभव ने उन्हें पढ़ाई में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक जीवन से जोड़ने का अवसर प्रदान किया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. हितेश दीवान ने बताया कि दानी गर्ल्स स्कूल शिक्षा के साथ-साथ छात्राओं के सर्वांगीण विकास और उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से छात्राओं को विभिन्न व्यवसायों की वास्तविक जानकारी मिलती है, जिससे वे अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप भविष्य का लक्ष्य निर्धारित कर सकती हैं।

डायरेक्टर डॉ. विनोद सिंह ने दिए डॉक्टर बनने के टिप्स

उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. विनोद सिंह ने छात्राओं से संवाद करते हुए उनके सवालों के जवाब दिए और डॉक्टर बनने के लिए आवश्यक तैयारी के बारे में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि चिकित्सा का क्षेत्र केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए नियमित अध्ययन, अनुशासन, धैर्य, मेहनत और मरीजों के प्रति संवेदनशीलता बेहद जरूरी है। उन्होंने छात्राओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया,इस कार्यक्रम के दौरान एचआर दीपजय ने बच्चों को अस्पताल का भ्रमण कराया।

'सुहाग का त्योहार - दुल्हन शो एवं म्यूजिकल तंबोला' ने मचायी धूम

विश्व केसरी■

रायपुर (वाणिज्यक संवाददाता)। सुहिणी सोच द्वारा प्री-करवाचौथ सेलिब्रेशन के अवसर पर 'सुहाग का त्योहार - दुल्हन शो एवं म्यूजिकल तंबोला' का भव्य आयोजन बेबीलॉन इंटरनेशनल, वी.आई.पी. रोड, रायपुर में किया गया।

कार्यक्रम में महिलाओं के लिए मनोरंजन, पारंपरिक संस्कृति, प्रतिभा प्रदर्शन और आपसी मेलजोल का सुंदर संगम देखने को मिला। करवाचौथ के उत्सव की उमंग से सजे इस आयोजन में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास एवं आकर्षक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को यादगार बनाया।

कार्यक्रम में दुल्हन शो, म्यूजिकल तंबोला, विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों, स्वादिष्ट स्वल्पाहार और आकर्षक पुरस्कारों ने उपस्थित महिलाओं का भरपूर मनोरंजन किया।

दुल्हन शो रहा मुख्य आकर्षण

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दुल्हन शो रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने पारंपरिक परिधान, श्रृंगार, आभूषण और आत्मविश्वास के साथ अपनी सुंदर प्रस्तुतियाँ दीं। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन चार सदस्यीय निर्णायक मंडल ने किया।

निर्णायक मंडल में प्रभु नूर कौर कक्कड़, आस्था बाफना, सोनिया वोहरा एवं दीपाक्षा जैन शामिल थीं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया,- बेस्ट दुल्हन - प्रथम पुरस्कार: रिंकी अग्रवाल,- बेस्ट दुल्हन - रनर-अप: ममता शर्मा,- करवा क्वीन: शशि मटलानी

इसके अतिरिक्त बेस्ट ज्वेलरी, बेस्ट हेयर स्टाइल, कॉन्फिडेंट दुल्हन, अट्रैक्टिव पर्सनैलिटी सहित अन्य श्रेणियों में भी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया गया। आकर्षक पुरस्कारों ने प्रतियोगिता के उत्साह को और बढ़ाया।

शानदार एंकरिंग एवं मनोरंजक प्रस्तुतियाँ

कार्यक्रम में सेलिब्रिटी एंकर शीलू शर्मा ने अपनी प्रभावशाली एंकरिंग से समां बांधा। वहीं राहुल इंगले एवं महेश भानुशाली की प्रस्तुतियों ने आयोजन को और अधिक मनोरंजक बनाया। म्यूजिकल तंबोला और अन्य गतिविधियों में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा पूरे कार्यक्रम का आनंद लिया।

प्रायोजकों का सहयोग

कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजक टीम के साथ प्रायोजकों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। DTC Jewels, अष्टविनायक रियल्टी एवं तारवानी सोप इंडस्ट्रीज,

एसीसी ग्रीन ब्रिक्स,

शिवम - द टुगेदरनेस स्टोर, बजरंग फटाका (राजू भाई तारवानी), न्यू जनरेशन - द कम्प्लीट क्लॉथ फैमिली स्टोर, मयूर कला - द ब्राइडल स्टोर एवं कॉस्मेटिक डिस्काउंट

नीता सैलून एंड एकेडमी के सहयोग से आयोजन को विशेष रूप मिला। सुहिणी सोच ने सभी प्रायोजकों, निर्णायकों, प्रतिभागियों एवं उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संस्थापक मनीषा तारवानी कहा कि इस तरह के आयोजन महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करते हैं तथा भारतीय संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देते हैं। सुहिणी सोच भविष्य में भी महिलाओं के लिए ऐसे रचनात्मक एवं मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीएनबी में 35 करोड़ रुपए का घोटाला, खाताधारकों में चिंता, बैंक ने दिया पैसा सुरक्षित होने का आश्वासन

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा के पाई-1 सेक्टर स्थित पंजाब नेशनल बैंक की एक शाखा में कथित वित्तीय घोटाले की खबर सामने आने के बाद खाताधारकों के बीच चिंता बढ़ गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस मामले में 35 करोड़ रुपये से अधिक की अनियमितता की आशंका जताई जा रही है। खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्राहक शाखा पहुंचने लगे और अपनी जमा पूंजी को लेकर सवाल उठाने लगे। कई खाताधारकों का कहना है कि

उनकी एफडी और खातों में जमा रकम अचानक गायब दिखाई दे रही है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

इस बीच, न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में पंजाब नेशनल बैंक के चीफ मैनेजर राजेश निगम ने भरोसा दिलाया कि सभी का पैसा मिलेगा और मामले की जांच की जा रही है।

आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'जिसका भी पैसा बैंक में है, मिलेगा। बैंक में चेकिंग चल रही है और पैसा सबको मिल रहा है।' लोगों के सवाल पर उन्होंने कहा कि 'प्रोसेस चल रहा है, सबका पैसा मिलेगा।' आगे उन्होंने कहा कि बहुत बड़ा बैंक है। किसी को कोई नुकसान नहीं होगा।

हालांकि बैंक मैनेजर ने मामले के बारे में कुछ भी बताने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि 'इस बारे में मैं कुछ बता नहीं सकता। मुझे कुछ समय दीजिए।'

आगे इस सवाल पर कि 'सिर्फ यही ब्रांच है या और भी ब्रांचों के साथ ऐसा हुआ है?' उन्होंने कहा कि सिर्फ इसी ब्रांच में ऐसा हुआ है।

इस दौरान, ब्रांच पर आए कई खाताधारकों ने आईएएनएस से बात की और अपनी समस्या बताई। अमरपाल नाम के एक खाताधारक ने कहा, 'मेरा पंजाब नेशनल बैंक में 80 लाख की तीन एफडी है।' उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि 'मेरा पूरा एफडी क्लोजर करके खा गए और पता अब चल रहा है।'

2030 तक 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य, भारत बनेगा स्वच्छ ऊर्जा का वैश्विक केंद्र

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत ने 2030 तक प्रतिवर्ष 50 लाख मीट्रिक टन (5 एमएमटी) ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता विकसित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। बुधवार को जारी एक आधिकारिक फैक्टशीट के अनुसार, यह पहल देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, आयातित जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने और भारत को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सरकार का मानना है कि राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन भारत को अधिक स्वच्छ, आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी ऊर्जा अर्थव्यवस्था बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। मिशन के तहत वर्ष 2030 तक जीवाश्म ईंधन आयात पर होने वाले कुल खर्च में लगभग 1 लाख करोड़ रुपए की बचत का अनुमान है।

इस मिशन का उद्देश्य केवल ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाना नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन को भी नई गति देना है। सरकार का अनुमान है कि इस पहल से 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आकर्षित होगा और विनिर्माण, बुनियादी ढांचा, अनुसंधान तथा परियोजना विकास जैसे क्षेत्रों में 6 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

फैक्टशीट में कहा गया है कि मिशन के तहत निर्धारित मात्रा में ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन और उपयोग होने से हर वर्ष लगभग 5 करोड़ टन (50 एमएमटी) कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को रोका जा सकेगा। इससे भारत के जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने में उल्लेखनीय मदद मिलेगी।

ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए छह राज्यों ने पहले ही समर्पित नीतियां अधिसूचित कर दी हैं। इनमें गुजरात, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। इसके अलावा हरियाणा, पंजाब, बिहार और केरल अपनी-अपनी ग्रीन हाइड्रोजन नीतियों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं।

वहीं हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों ने ग्रीन हाइड्रोजन को अपनी मौजूदा औद्योगिक और नवीकरणीय ऊर्जा नीतियों में शामिल किया है।

गेहूं के आटे से बनाएं गांव वाली पानी की रोटी, बिना पूरी बेले हाथों से होगी तैयार, देसी घी लगाते ही आएगा सौंधा स्वाद

गेहूं के आटे से बनने वाली पानी वाली रोटी एक पारंपरिक देसी रेसिपी है, जिसे हाथों से थपथपाकर तैयार किया जाता है. इस रोटी को बनाने के लिए गेहूं का आटा, थोड़ा नमक, पानी और देसी घी जैसी साधारण चीजों की जरूरत होती है. सबसे पहले आटे की थोड़ी बड़ी लोई बनाई जाती है और उसे बेलन से हल्का सा बेल लिया जाता है. इसके बाद हथेलियों पर पानी लगाकर रोटी को धीरे-धीरे थपथपाते हुए बड़ा और गोल आकार दिया जाता है. तैयार रोटी को मध्यम आंच पर तवे पर सेंका जाता है और जरूरत के अनुसार धीमी आंच पर भी पकाया जा सकता है.

भारतीय घरों में रोटी रोज बनाई जाती है, लेकिन हर जगह इसे बनाने का तरीका एक जैसा नहीं होता. कहीं पतली और मुलायम फुल्कियां पसंद की जाती हैं, तो कहीं मोटी और खस्ता रोटी खाने का चलन है. गांवों में आज भी कई लोग हाथों से थपथपाकर रोटी बनाते हैं. ऐसी ही एक खास रोटी है पानी वाली रोटी, जिसे गेहूं के आटे से तैयार किया जाता है. इस रोटी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे सामान्य रोटी की तरह पूरी तरह बेलन से नहीं बेला जाता. पहले आटे की लोई को थोड़ा बेलते हैं और फिर हाथों पर पानी लगाकर उसे थपथपाते हुए बड़ा किया जाता है. इसके बाद रोटी को तवे पर और जरूरत के अनुसार धीमी आंच पर अच्छी तरह सेंका जाता है. तैयार रोटी पर जब देसी घी लगाया जाता है, तो इसकी खुशबू और स्वाद दोनों बढ़ जाते हैं.

अगर आपने कभी गांव में चूल्हे पर बनी मोटी रोटी खाई है, तो यह तरीका आपको उसी पुराने स्वाद की याद दिला सकता है. खास बात यह है कि इस रोटी को बनाने के लिए किसी अलग आटे या महंगी सामग्री की जरूरत नहीं पड़ती. घर में मौजूद गेहूं का आटा, पानी, थोड़ा नमक और देसी घी ही काफी है. यूट्यूब चैनल 'किचन की कहानी' पर भी इस पारंपरिक तरीके से रोटी बनाने की विधि बताई गई है. आइए जानते हैं पानी वाली रोटी घर पर कैसे तैयार की जा सकती है और इसे बनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए.

पानी वाली रोटी बनाने के लिए क्या-क्या चाहिए?

पानी वाली रोटी बनाने के लिए दो कप गेहूं का आटा लें. इसके अलावा स्वाद के अनुसार थोड़ा नमक और आटा गूंथने के लिए पानी की जरूरत होगी. रोटी को आकार देते समय हाथ गीले करने के लिए एक छोटी कटोरी में साफ पानी रखें. तैयार रोटी पर लगाने के लिए देसी घी भी ले सकते हैं. अगर आप बिना घी की रोटी खाना पसंद करते हैं, तो इसे सादी भी परोस सकते हैं. इस रोटी में किसी खास मसाले या दूसरी सामग्री की जरूरत नहीं होती. इसका असली स्वाद गेहूं के आटे और सही तरीके से सेंकने से आता है.

सबसे पहले सही तरीके से गूंथें गेहूं का आटा

एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा निकाल लें. अब इसमें थोड़ा नमक डालकर अच्छी तरह मिला दें. इसके बाद धीरे-धीरे पानी डालते हुए आटा गूंथना शुरू करें. ध्यान रखें कि आटा न तो बहुत ज्यादा सख्त हो और न ही इतना गीला कि हाथों में चिपकने लगे. सामान्य रोटी के मुकाबले इसे थोड़ा नरम रखा जा सकता है।

माता-पिता से दोस्ती जैसी बॉन्डिंग चाहिए? इन छोटी बातों से बदल सकता है आपका रिश्ता

माता-पिता के साथ मजबूत रिश्ता बनाने के लिए हमेशा बड़े कदम उठाने की जरूरत नहीं होती. रोज थोड़ा समय देना, उनकी बातें सुनना, अपनी जिंदगी शेयर करना और साथ में छोटे-छोटे पल बिताना रिश्ते में अपनापन बढ़ा सकता है. सबसे जरूरी है कि बातचीत में दोनों तरफ से जगह हो.

बचपन में माता-पिता से हर छोटी-बड़ी बात शेयर करना आसान लगता है, लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, पढ़ाई, नौकरी, शादी और अपनी जिम्मेदारियों के बीच उनसे बातचीत कम होने लगती है. कई बार घर में साथ रहते हुए भी दिल की बातें नहीं हो पातीं, अगर आप चाहते हैं कि माता-पिता के साथ रिश्ता सिर्फ जिम्मेदारी या औपचारिक बातचीत तक सीमित न रहे, तो इसके लिए बड़े बदलाव की जरूरत नहीं है.

रोजमर्रा की कुछ छोटी आदतें रिश्ते में अपनापन बढ़ा सकती हैं. सबसे जरूरी बात यह है कि बातचीत की शुरुआत सिर्फ अपनी परेशानी बताने से नहीं, बल्कि उनकी बात सुनने से भी हो.

बातचीत के लिए रोज थोड़ा समय निकालें

माता-पिता के साथ लंबी बातचीत करने के लिए हमेशा खास समय निकालना जरूरी नहीं है. चाय पीते समय, खाना खाते हुए या शाम को कुछ देर उनके पास बैठकर दिन के बारे में बात की जा सकती है. उनसे पूछें कि उनका दिन कैसा रहा और उन्होंने क्या किया. ऐसी छोटी बातचीत धीरे-धीरे रिश्ते में सहजता बढ़ाती है.

उनकी पसंद और पुरानी बातों में दिलचस्पी लें

माता-पिता के बचपन, उनकी पसंद, दोस्तों, नौकरी या पुराने अनुभवों के बारे में पूछें. कई बार हम माता-पिता को सिर्फ अपनी जिंदगी से जोड़कर देखते हैं, जबकि उनकी भी अपनी यादें और अनुभव होते हैं. जब आप उनकी बातें ध्यान से सुनते हैं, तो उन्हें यह महसूस होता है कि उनकी जिंदगी और उनकी राय आपके लिए मायने रखती है.

हर बात पर तुरंत सलाह या बहस न करें

दोस्ती जैसी बॉन्डिंग का मतलब यह नहीं कि हर बात पर सहमति हो. विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन अगर हर बातचीत बहस में बदल जाए, तो खुलकर बात करना मुश्किल हो जाता है. उनकी बात पूरी सुनने की कोशिश करें, अगर आपकी राय अलग है, तो गुस्से में जवाब देने के बजाय शांत तरीके से अपनी बात रखें.

छोटी-छोटी चीजों में उन्हें शामिल करें

अपनी जिंदगी से जुड़ी छोटी बातें माता-पिता के साथ शेयर करें. जैसे आपने ऑफिस में क्या किया, कोई फिल्म कैसी लगी या किसी चीज को लेकर आप क्या सोच रहे हैं. हर बात सिर्फ समस्या होने पर बताने से बातचीत का रिश्ता कमजोर हो सकता है।

दिवाली पर घर में ही चमकाएं अपनी गाड़ी, वॉशिंग सेंटर जाने की नहीं पड़ेगी जरूरत, बचेंगे पैसे

दिवाली पर घर की सफाई के साथ अपनी कार को साफ रखना भी जरूरी है. गाड़ी के अंदर जमा धूल, सीटों की गंदगी और डैशबोर्ड को कुछ आसान घरेलू तरीकों से साफ किया जा सकता है. सही कपड़े, वैक्यूम क्लीनर और उपयुक्त क्लीनर की मदद से कार के अंदरूनी हिस्से को बेहतर तरीके से साफ किया जा सकता है. इन आसान कार क्लीनिंग टिप्स से वॉशिंग सेंटर जाने का खर्च भी बच सकता है.

भीलवाड़ा - दिवाली के त्योहार पर हर कोई अपने घर की साफ-सफाई में जुट जाता है. इस दौरान गाड़ी की सफाई करना भी जरूरी होता है, क्योंकि रोजाना इस्तेमाल होने वाली कार पर धूल-मिट्टी जम जाती है. कई बार लोग कार की सफाई के लिए वॉशिंग सेंटर जाते हैं, जिसमें समय और पैसे दोनों खर्च होते हैं. लेकिन कुछ आसान तरीकों से आप घर पर ही अपनी कार को साफ और चमकदार बना सकते हैं.दिवाली का त्योहार एक ऐसा त्योहार है जिसमें लक्ष्मी माता की पूजा करने के बाद घर के वाहनों की पूजा करने का भी एक महत्व रहता है और घर के वाहनों की पूजा करने से पहले वाहनों को स्वच्छ और सुंदर बनाया जाता है. जिसके चलते दिवाली के सफाई में गाड़ी कर और अन्य वाहनों की सफाई को इंपॉर्टेंस दी जाती है और सफाई भी की जाती है.

कार की सफाई करने से पहले जरूरी सामान इकट्ठा कर लें. इसके लिए एक मुलायम कपड़ा, माइक्रोफाइबर टॉवल, कार साफ करने वाला शैंपू, पानी की बाल्टी और ब्रश की जरूरत पड़ेगी। ध्यान रखें कि कार की सफाई के लिए खुरदरे कपड़े का इस्तेमाल न करें क्योंकि इससे गाड़ी की बॉडी पर खरोंच आ सकती है.

सबसे पहले कार की बाहरी सफाई करें. इसके लिए गाड़ी पर जमी धूल और मिट्टी को पानी से हल्के हाथों से साफ करें. इसके बाद कार के लिए बने शैंपू का इस्तेमाल करें।

एआई और सोशल मीडिया के दौर में खतरे में बच्चों की प्राइवेसी? पेरेंट्स आज ही कर लें ये 5 काम

एआई और सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल के बीच बच्चों की ऑनलाइन प्राइवेसी को लेकर सतर्क रहना जरूरी है. जानें, पेरेंट्स किन आसान तरीकों से बच्चों को डिजिटल दुनिया के खतरों से सुरक्षित रख सकते हैं...

बच्चों की दुनिया अब सिर्फ घर, स्कूल और दोस्तों तक सीमित नहीं रह गई है. मोबाइल की स्क्रीन पर वे नई चीजें सीखते हैं, गेम खेलते हैं, वीडियो देखते हैं और टूल्स से अपने सवालों के जवाब भी तलाशते हैं. इंटरनेट ने बच्चों के लिए सीखने और अपनी रचनात्मकता दिखाने के कई रास्ते खोले हैं, लेकिन इसके साथ कुछ ऐसी चुनौतियां भी सामने आई हैं, जिनके बारे में हर माता-पिता को जानना चाहिए. बच्चे अनजाने में अपनी निजी जानकारी साझा कर सकते हैं, किसी फर्जी प्रोफाइल पर भरोसा कर सकते हैं या अपनी तस्वीरों के गलत इस्तेमाल का शिकार हो सकते हैं. ऐसे में जरूरी है कि पेरेंट्स बच्चों को डराने के बजाय उन्हें ऑनलाइन दुनिया की चुनौतियों को समझना और उनसे बचना सिखाएं.

बच्चों को डिजिटल प्राइवेसी का मतलब समझाएं

बच्चों को यह बताना जरूरी है कि ऑनलाइन प्राइवेसी का मतलब सिर्फ अपना पासवर्ड छिपाकर रखना नहीं है. उनकी तस्वीरें, वीडियो, लोकेशन, स्कूल की जानकारी और निजी बातचीत भी उनकी पहचान का हिस्सा हैं. इन्हें इंटरनेट पर साझा करने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए. बच्चों को समझाएं कि किसी ऑनलाइन दोस्त के बार-बार मांगने पर भी निजी तस्वीरें या जानकारी भेजना जरूरी नहीं है. अगर कोई व्यक्ति उन्हें ऐसा करने के लिए दबाव डालता है, तो वे बिना किसी डर के माता-पिता को बता सकते हैं.

आज कई बच्चे एआई चैटबॉट से होमवर्क समझते हैं, कहानियां लिखते हैं और नए विषयों के बारे में सीखते हैं. लेकिन एआई का इस्तेमाल करते समय उन्हें यह समझना चाहिए कि हर प्लेटफॉर्म की डेटा संबंधी नीतियां अलग हो सकती हैं. बच्चों को किसी एआई टूल पर अपना घर का पता, फोन नंबर, पासवर्ड, पहचान से जुड़े दस्तावेज या परिवार की निजी तस्वीरें अपलोड नहीं करनी चाहिए. पेरेंट्स को भी बच्चों के साथ मिलकर यह जांचना चाहिए कि कोई ऐप किस तरह की जानकारी मांग रहा है और उसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से करता है.

सोशल मीडिया पर हर चीज सार्वजनिक न होने दें

बच्चों को सोशल मीडिया पर अपनी जिंदगी का हर पल साझा करने की जरूरत नहीं है. स्कूल की यूनिफॉर्म में तस्वीर, घर के बाहर की फोटो या छुट्टियों के दौरान लाइव लोकेशन पोस्ट करने से उनकी पहचान और दिनचर्या का अंदाजा लगाया जा सकता है. पेरेंट्स बच्चों के अकाउंट की प्राइवेसी सेटिंग्स जांचें और अनजान लोगों की पहुंच सीमित रखें. साथ ही, उन्हें बताएं कि किसी की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करने से पहले उसकी पहचान को लेकर सावधान रहना चाहिए।

10 साल से मरीज को था सिरदर्द, माइग्रेन के पड़ते थे दौरे, दवा से नहीं मिला आराम तो डॉक्टरों ने किया ये काम

सर गंगाराम अस्पताल में लगभग एक दशक से गंभीर और लगातार माइग्रेन की समस्या से जूझ रहे एक मरीज की सफलतापूर्वक उन्नत एंडोस्कोपिक माइग्रेन सर्जरी की गई है. यह प्रक्रिया अस्पताल के वरिष्ठ प्लास्टिक सर्जन डॉ. स्वरूप सिंह गंभीर ने की. डॉक्टरों ने बताया कि मरीज को पारंपरिक दवाओं और अन्य चिकित्सा उपचारों से लंबे समय तक पर्याप्त राहत नहीं मिल पा रही थी.जिसके बाद सर्जरी का फैसला किया गया.

सर्जरी से पहले मरीज को हर महीने माइग्रेन के लगभग 20-25 दौरे पड़ते थे, जिससे उसकी दिनचर्या और जीवन की गुणवत्ता पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा था. पिछले कई वर्षों में विभिन्न विशेषज्ञों से परामर्श लेने और कई तरह के उपचार कराने के बावजूद मरीज को सिरदर्द से पर्याप्त राहत नहीं मिली.

एंडोस्कोपिक नर्व डीकंप्रेशन सर्जरी से मिला आराम

विस्तृत चिकित्सकीय जांच के बाद सर्जरी की उपयुक्तता का आकलन किया गया. इस दौरान टेम्पोरल (कनपटी) और ऑक्सिपिटल (सिर के पिछले हिस्से) क्षेत्रों में दर्द से जुड़े ट्रिगर पॉइंट्स की पहचान और पुष्टि की गई. इसके बाद मरीज की एंडोस्कोपिक नर्व डीकंप्रेशन सर्जरी की गई, जिसका उद्देश्य इन क्षेत्रों में संबंधित नसों पर पड़ने वाले दबाव को कम करना था.

अभी मरीज में बचे हैं ये लक्षण

सर्जरी के बाद मरीज ने कनपटी के क्षेत्र में होने वाले सिरदर्द की तीव्रता और अवधि में लगभग 50 प्रतिशत कमी की जानकारी दी. इसके अलावा, सिर के पिछले हिस्से में लगातार रहने वाले दर्द से भी राहत मिली. हालांकि, मरीज को अभी भी सिर में भारीपन महसूस होता है. शुरुआती पोस्ट-ऑपरेटिव आकलन में लक्षणों में सुधार और दवाओं की आवश्यकता में उल्लेखनीय कमी के संकेत मिले हैं, जिससे मरीज के जीवन की गुणवत्ता में सुधार की संभावना है।

यूपी के कारोबारियों के लिए खुला ऑस्ट्रेलिया का बाजार, इन उत्पादों की बढ़ सकती है मांग

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापार समझौते से उत्तर प्रदेश के निर्यातकों को विदेशी बाजार में कारोबार बढ़ाने का अवसर मिल रहा है. फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) की ओर से आयोजित पांच दिवसीय बीटूबी कॉन्फ्रेंस में देशभर की 48 कंपनियां हिस्सा ले रही हैं. मेलबर्न और सिडनी में होने वाली कारोबारी बैठकों के दौरान यूपी के निर्यातक अपने खाद्य और कृषि उत्पादों को ऑस्ट्रेलियाई खरीदारों के सामने पेश कर रहे हैं. इससे नए खरीदार और बड़े ऑर्डर मिलने की उम्मीद है.

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए व्यापार समझौते से उत्तर प्रदेश के निर्यातकों को विदेशी बाजार में कारोबार बढ़ाने का अवसर मिल रहा है. खाद्य और कृषि क्षेत्र से जुड़े कारोबारी अब अपने उत्पादों को ऑस्ट्रेलियाई खरीदारों तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं. फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) की ओर से आयोजित बीटूबी कॉन्फ्रेंस इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है. इसके जरिए भारतीय कंपनियों को सीधे विदेशी कारोबारियों से मिलने, अपने उत्पादों की जानकारी देने और नए व्यापारिक संबंध बनाने का मौका मिल रहा है.

फियो की ओर से ऑस्ट्रेलिया में पांच से नौ अक्टूबर तक बीटूबी कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा रही है. इसमें उत्तर प्रदेश समेत देशभर की 48 कंपनियों के कारोबारी हिस्सा ले रहे हैं. फियो के यूपी प्रमुख आलोक श्रीवास्तव के मुताबिक, सम्मेलन के शुरुआती दिन से ही भारतीय निर्यातकों को ऑस्ट्रेलियाई कारोबारियों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय उत्पादों को विदेशी खरीदारों के सामने पेश करना और उनके साथ सीधे बातचीत के जरिए कारोबार की संभावनाएं तलाशना है. इससे यूपी के निर्यातकों को नए ग्राहक और भविष्य में कारोबार बढ़ाने के अवसर मिल सकते हैं.

इस कारोबारी सम्मेलन के तहत पांच और छह अक्टूबर को मेलबर्न में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है. इसके बाद सात और आठ अक्टूबर को सिडनी में कारोबारियों के साथ बैठकें होनी हैं. इन बैठकों में भारतीय निर्यातक अपने उत्पादों की गुणवत्ता, कीमत और आपूर्ति क्षमता के बारे में ऑस्ट्रेलियाई खरीदारों को जानकारी दे रहे हैं. सीधे बातचीत होने से खरीदारों की जरूरतों को समझने और उनके अनुसार उत्पादों की पेशकश करने में मदद मिल सकती है. अगर खरीदारों को उत्पाद पसंद आते हैं और कीमत व आपूर्ति की शर्तें अनुकूल रहती हैं, तो भविष्य में कारोबारी ऑर्डर मिलने की संभावना बढ़ सकती है.

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ष 2022 में इकोनॉमिक कॉम्प्रिहेंसिव ट्रेड एग्रीमेंट हुआ था. इस समझौते के तहत कई भारतीय उत्पादों को ऑस्ट्रेलियाई बाजार में आयात शुल्क से जुड़ी रियायतें मिली हैं. आयात शुल्क कम होने या समाप्त होने से संबंधित उत्पादों की लागत और बाजार में उनकी प्रतिस्पर्धा पर सकारात्मक असर पड़ सकता है. फियो के अधिकारियों के मुताबिक, इससे भारतीय निर्यातकों को दूसरे देशों के उत्पादों के मुकाबले बेहतर कीमत पर सामान पेश करने का अवसर मिल सकता है. हालांकि, शुल्क में छूट हर उत्पाद के लिए समान नहीं होती. यह संबंधित उत्पाद की टैरिफ श्रेणी और समझौते की शर्तों पर निर्भर करती है.

बीटूबी कॉन्फ्रेंस में यूपी के निर्यातक कई तरह के खाद्य और कृषि उत्पादों के लिए खरीदार तलाश रहे हैं।

फ़िल्मी दुनिया

फॉलोअर्स से मिल सकती है ऑडियंस, लेकिन लंबी रेस के लिए एक्टिंग जरूरी : प्रतीक चौधरी

सोशल मीडिया से मिलती है शुरूआती पहचान, लेकिन टिके रहने के लिए जरूरी है दमदार अभिनय

मुंबई। अभिनेता प्रतीक चौधरी टेलीविजन इंडस्ट्री का जाना-माना नाम हैं। उनका मानना है कि आज के समय में किसी शो के लिए एक्टर चुनते समय मेकर्स उनसे सोशल मीडिया फॉलोअर्स इसलिए देखते हैं, ताकि उन्हें शो के लिए एक बनी-बनाई ऑडियंस मिल सके।

अभिनेता का कहना है कि एक एक्टर के जितने ज्यादा फॉलोअर्स होंगे, शो को उतने ही ज्यादा दर्शक मिलने की उम्मीद रहती है। इस तरह से एक्टर का सोशल मीडिया एक तरह से मेकर्स के लिए इन्वेस्टमेंट की तरह काम करता है।

अच्छे काम पर है भरोसा

प्रतीक ने यह भी माना कि वे अच्छा काम करने में विश्वास रखते हैं। उन्होंने आईएएनएस के साथ बात करते हुए कहा, "मैं इन सभी बातों पर विश्वास नहीं करता, बल्कि मैं समय पर विश्वास रखता हूं। अगर आपका काम अच्छा है, भले ही आज आपका समय ठीक नहीं है या काम नहीं मिल रहा है, लेकिन एक दिन आपका समय भी आएगा और काम भी मिलेगा।"

> "अगर आपके फॉलोअर्स हैं, लेकिन एक्टिंग एवरेज है, तो आप ज्यादा मौके नहीं पा सकते"
> – प्रतीक चौधरी

एक्टिंग है सबसे पहली प्राथमिकता

अभिनेता से आईएएनएस ने सवाल किया, "अगर किसी एक्टर के बहुत ज्यादा फॉलोअर्स हैं, लेकिन एक्टिंग एवरेज है, तो क्या उसे ज्यादा मौके मिल सकते हैं?"

इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेता ने कहा, "मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में रहने के लिए हर किसी को एक्टिंग तो आनी ही चाहिए। क्योंकि अगर आप इसमें ही निपुण नहीं हैं, तो लंबी रेस का हिस्सा नहीं बन पाओगे। एक्टिंग निश्चित रूप से सबसे पहली प्राथमिकता है। उसके बाद बाकी सब चीजें आती हैं, चाहे वो आपके लुक्स हों, फिटनेस हो या हेल्थ।"

टाइपकास्ट होना भी है अच्छी बात

टेलीविजन इंडस्ट्री में टाइपकास्ट को लेकर प्रतीक ने कहा, "एक्टर्स अपनी परफॉर्मेंस से दर्शकों के दिलों में ऐसी छाप छोड़ जाते हैं कि लोग उस किरदार से जुड़ जाते हैं, सिससे एक एक्टर को उस तरह के रोल से अलगनम देखना उनके लिए मुश्किल हो जाता है।

दमदार परफॉर्मेंस ही बनाती है पहचान

उन्होंने आगे कहा, "जब भी कोई एक्टर नेगेटिव रोल करता है, जैसे अमरीश पुरी जी, प्रेम चोपड़ा जी या शक्ति कपूर जी, तो सबसे पहले हमारे दिमाग में उनका वही किरदार आता है। यह किरदार और परफॉर्मेंस पर निर्भर करता हैं। अगर आपने इतनी दमदार परफॉर्मेंस दी है कि दर्शकों के लिए आधको दूसरे रोल में स्वीकार करना मुश्किल हो जाए, तो यह भी एक तरह की तारीफ ही है।"

उन्होंने आगे कहा, "मैंने यह संजीव (अभिनेता द्वारा निभाया गया किरदार) के साथ महसुस किया है। आज भी मेरे फैंस मुझे संजीव या अश्विन कहकर बुलाते हैं और उन किरदारों के बारे में बहुत बात करते हैं। मुझे लगता है कि हर एक्टर को इसे एक तारीफ के तौर पर लेना चाहिए।"

शरवरी वाघ के साथ थिरकीं माधुरी दीक्षित, 'ये प्रेम मोल लिया' के गाने पर दिखी जुगलबंदी

विश्व केसरी ■

मुंबई। बॉलीवुड में जब किसी नई एक्ट्रेस को अपनी पसंदीदा अदाकारा के साथ डांस करने का मौका मिलता है, तो वह पल उसके लिए बेहद खास बन जाता है। ऐसा ही कुछ एक्ट्रेस शरवरी वाघ के साथ भी देखने को मिला, जब उन्हें माधुरी दीक्षित के साथ अपनी आने वाली फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' के गाने पर डांस करने का मौका मिला।

शरवरी ने इस खास पल का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है, जिसमें दोनों एक्ट्रेस एक ही गाने पर अपने डांस स्टेप्स से तालमेल बिठाती नजर आ रही हैं। शरवरी ने इस पल को सपने के पूरे होने जैसा अनुभव बताया।

इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किए गए वीडियो में शरवरी वाघ अपनी आने वाली फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' के टाइटल सॉन्ग पर डांस करती नजर आ रही हैं। वह पीच कलर के अनारकली सूट में नजर आ रही हैं। कुछ देर बाद वीडियो में माधुरी दीक्षित भी दिखाई देती हैं। पिंक कलर की साड़ी और उससे मैचिंग चूड़ियां पहने माधुरी बेहद खूबसूरत लग रही हैं। वह शरवरी के डांस स्टेप्स से तालमेल बिठाते हुए उनके साथ थिरकने लगती हैं।

शरवरी ने वीडियो पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, ''सूरज बड़जात्या की राजश्री फिल्मों की दिग्गज अभिनेत्रियों में से एक, माधुरी दीक्षित से इतना प्यार पाकर मैं खुद को खुशकिस्मत महसूस कर रही हूं। माधुरी मेरी आइडल हैं। उनके साथ डांस करना किसी सपने के सच होने जैसा है। धन्यवाद, माधुरी मैम। आप सबसे बेहतरीन हैं।''

फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' की बात करें, तो यह एक रोमांटिक पारिवारिक ड्रामा है, जिसका निर्देशन सूरज आर. बड़जात्या ने किया है। फिल्म में शरवरी के साथ आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा अनुपम खेर, सीमा पाहवा, सुप्रिया पाठक, सौम्या टंडन, स्वानंद किरकिरे और शाद रंधावा जैसे कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म का निर्माण राजश्री प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स ने मिलकर किया है।

फिल्म के अब तक 'जय अंबे बोल' और 'झुमका पटोला' जैसे गाने भी सामने आ चुके हैं। फिल्म 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बच्चों की जिज्ञासा को कम नहीं आंकना चाहिए, उनकी नजर से दुनिया को देखना बेहद खूबसूरत है: रसिका दुग्गल

विश्व केसरी ■

मुंबई। एक्ट्रेस रसिका दुग्गल इन दिनों अपनी नई फिल्म 'लिटिल थॉमस' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा में फिल्मों के बदलते अंदाज पर बात की और कहा कि आज टेक्नोलॉजी ने फिल्ममेकर्स के लिए कई रास्ते खोल दिए हैं, लेकिन इसके बावजूद रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी सरल कहानियों की अपनी खास अहमियत है।

रसिका ने कहा, ''आज टेक्नोलॉजी ने फिल्ममेकर्स को कई तरह की रास्ते दिए हैं। ऐसे में फिल्मों में बड़े स्तर और भव्यता पर जोर देना स्वाभाविक है। लेकिन कभी-कभी इस सबके बीच हम ऐसी कहानी की खूबसूरती भूल जाते हैं, जो सरल हो, लेकिन सतही न हो। उन्होंने फिल्म के डायरेक्टर कौशल ओझा के फिल्म बनाने के अंदाज की तारीफ करते हुए कहा कि उनका शांत और सहज तरीका उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। उनकी कहानी कहने के अंदाज में एक अलग तरह का भरोसा नजर आता है। उनकी फिल्मों को दर्शकों से जुड़ने के लिए किसी भव्य सेट या उलझी हुई कहानी की जरूरत नहीं होती।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, ''कहानी कहने के उनके अंदाज में यह भरोसा है कि किसी फिल्म को दर्शकों से जुड़ने के लिए हमेशा भव्य माहौल या पेचीदा कहानी की जरूरत नहीं होती। कभी-कभी सबसे साधारण विचार ही सबसे दिलचस्प कहानियां बन जाते हैं, क्योंकि वे जिंदगी के हमारे अपने अनुभवों और नजरिए को दिखाते हैं।''

रसिका ने कहा, ''फिल्म 'लिटिल थॉमस' में एक बच्चे की जिज्ञासा और भाई-बहन की चाहत के जरिए परिवार, बचपन, शादीशुदा जिंदगी के उतार-चढ़ाव और लिबरलाइजेशन के बाद के भारत की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में थॉमस नाम का एक बच्चा यह जानना चाहता है कि बच्चे कहां से आते हैं।

परिणीति के सपोर्ट में आईं जेनिफर विंगेट, बोलीं-'जगह कम थी इसलिए पीछे हटी'

विश्व केसरी ■

मुंबई। हाल ही में वेब सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' की सक्सेस पार्टी का एक वीडियो वायरल वीडियो हुआ था, जिसके बाद अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जा रहा है। इन ट्रोलिंग पर चुप्पी तोड़ते हुए अभिनेत्री जेनिफर विंगेट अपनी को-स्टार परिणीति चोपड़ा के सपोर्ट में उतरी हैं।

दरअसल, वायरल वीडियो में ऐसा दिखा कि परिणीति ने जेनिफर विंगेट को फोटो क्लिक कराने से रोक दिया, जिसके बाद यूजर्स ने उन्हें घमंडी बताना शुरू कर दिया। अब इस पूरे मामले पर चुप्पी तोड़ते हुए जेनिफर विंगेट खुद अपनी को-स्टार परिणीति चोपड़ा के सपोर्ट में उतरी हैं और ट्रोलिंग पर जवाब दिया है।

जेनिफर का कहना है कि परिणीति चोपड़ा और उनके बीच कोई अनबन नहीं है। उन्होंने बताया कि वहां जगह की कमी थी जिस वजह से वह पीछे खड़ी हो

गई थीं और परिणीति हमेशा उनके प्रति प्यार और सम्मान रखती हैं। उन्होंने लोगों से इस तरह की नकारात्मकता फैलाने से रोकने की अपील की

जेनिफर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर नोट शेयर करते हुए लिखा, 'चलिए एक-दूसरे के प्रति थोड़ा ज्यादा दयालु बनते हैं और नकारात्मकता को रोकते हैं, इसे कुछ ऐसा न बनाएं जो यह है ही नहीं। मैंने सिर्फ इसलिए पीछे हटने का फैसला किया क्योंकि वहां जगह कम थी। परी हमेशा मेरे प्रति दयालु और प्यार करने वाली रही है और हम दोनों के बीच सिर्फ प्यार है। हम एक टीम हैं और एक-दूसरे को नीचे गिराए बिना हम सभी के चमकने के लिए काफी जगह है। धन्यवाद।'

बता दें कि वेब सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' की सक्सेस पार्टी के दौरान केक काटते समय का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें जेनिफर विंगेट पीछे खड़ी दिखाई दीं और कुछ यूजर्स ने परिणीति चोपड़ा पर आरोप लगाया कि उन्होंने जेनिफर को आगे आने या जगह देने का मौका नहीं दिया और उन्हें नजरअंदाज किया। इसके बाद सोशल मीडिया पर परिणीति चोपड़ा को ट्रोल किया जाने लगा। बताया जा रहा है कि सीरीज में जेनिफर विंगेट ने साक्षी के किरदार में एक गहरी इंटेंसिटी और स्वाभाविक अभिनय दिखाया है, जिसकी तुलना उनके लोकप्रिय टीवी शो 'बेहद' के दमदार प्रदर्शन से की जा रही है।

कपिल शर्मा के शो में फैमिली संग पहुंचे शाहिद कपूर, ईशान के साथ 'जिंगाट' पर किया डांस

विश्व केसरी ■

मुंबई। कॉमेडी और वैरायटी टॉक शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के विशेष एपिसोड में बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर अपने भाई ईशान खट्टर और पत्नी मीरा राजपूत के साथ नजर आएंगे। शो के दौरान अभिनेता ने भाई ईशान को लेकर एक मजेदार किस्सा शेयर किया।

नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का प्रोमो शेयर किया, जिसकी शुरुआत में शाहिद, उनकी पत्नी मीरा राजपूत और ईशान शो में एंट्री करते दिखते हैं। इसके बाद दोनों भाई 'जिंगाट' गाने पर डांस भी करते हैं।

शाहिद ने पत्नी मीरा राजपूत के साथ 2016 की फिल्म 'उड़ता पंजाब' का किस्सा शेयर किया। शाहिद ने कहा, 'जब उड़ता पंजाब की शूटिंग पूरी हो गई थी, तो एडिटिंग रूम में बुलाकर फिल्म दिखाई गई थी। फिल्म की शुरुआत में तो मीरा मेरे बगल में बैठी थी, लेकिन जब फिल्म खत्म हुई, तो वो सोफे के दूसरी तरफ बैठी थी।

इस पर शो के होस्ट कपिल शर्मा ने मजाक में कहा, 'शुक्र है, कबीर सिंह देखने नहीं गईं, अगर वो देखकर शादी की होती तो वो भाग जातीं।'

शाहिद ने ईशान के बचपन का किस्सा याद करते हुए कहा, 'जब ईशान छोटा था, तो मैं इसके डायपर बदलता था और अब बुढ़ापे में ईशान कह रहा है कि वो मेरे बदलेगा।'

अर्चना पूरन सिंह ने शाहिद से पूछा, 'क्या आप बच्चों को बहुत ज्यादा छूट देने वाले पिता हैं?' इस पर उनकी पत्नी मीरा ने कहा, 'वो बहुत लाड-प्यार करते हैं, लेकिन गलत तरीके से नहीं।

शाहिद ने फिर कहा, 'वो बाइक तेज चलाता है, लेकिन बहुत सेफ तरीके से चलाता है। वो बच्चों को बिगाड़ता है, लेकिन बुरे तरीके से नहीं।'

कॉमेडी और वैरायटी टॉक शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' कपिल शर्मा के पुराने टीवी शो ('द कपिल शर्मा शो' और 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल') की तर्ज पर ही एक हंसी-मजाक से भरपूर टॉक शो है। इसमें फिल्म जगत, खेल और अन्य क्षेत्रों के जाने-माने सेलिब्रिटी मेहमानों के रूप में शामिल होते हैं।

ओटीटी ने कहानियों और महिला किरदारों को दी नई पहचान, बड़े पर्दे पर भी बढ़ीं दर्शकों की उम्मीदें : दिव्या दत्ता

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत में ओटीटी प्लेटफॉर्म के कारण फिल्मों और वेब सीरीज में कहानियां कहने के बदलते अंदाज पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि अब ऐसी कहानियों पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है, जिनसे दर्शक खुद को जोड़ सकें। खासकर महिलाओं के किरदारों में यह बदलाव साफ दिखाई देता है। पहले जहां अभिनेत्रियों को अक्सर सीमित उम्र तक ही मुख्य भूमिकाएं मिलती थीं, वहीं अब 40 साल की उम्र के बाद भी उन्हें कई मजबूत और अलग-अलग परतों वाले किरदार निभाने का मौका मिल रहा है।

दिव्या ने कहा, ''ओटीटी के आने के बाद कहानी कहने पर काफी जोर दिया जाने लगा है। अब ऐसी वास्तविक कहानियां सुनाई जा रही हैं, जिनसे लोग खुद को जोड़ सकें। मुझे लगता है कि ओटीटी ने अलग-अलग उम्र की महिलाओं के लिए अच्छे किरदारों के रास्ते खोले हैं। अब 20, 30 या 40 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं

के लिए भी ऐसे किरदार लिखे जा रहे हैं, जिनमें अभिनय करने की काफी गुंजाइश होती है। पहले यह सोचना भी मुश्किल था कि इस उम्र की महिलाओं को किसी कहानी में मुख्य भूमिका मिल सकती है लेकिन अब किरदारों में पहले के मुकाबले ज्यादा गहराई देखने को मिलती है।''

एक्ट्रेस ने कहा, ''ओटीटी ने इंसानी व्यवहार को ज्यादा वास्तविक तरीके से दिखाने का मौका दिया है। किसी मुश्किल परिस्थिति में हर इंसान की प्रतिक्रिया अलग हो सकती है। गुस्सा करना या गलती कर बैठना किसी व्यक्ति को पूरी तरह अच्छा या बुरा नहीं बना देता। हर इंसान के व्यक्तित्व में कई पहलू होते हैं और ओटीटी ने किरदारों में इन्हीं पहलुओं को जगह दी है और अच्छी लेखनी को बढ़ावा दिया है।''

दिव्या ने कहा, ''दर्शकों ने भी कहानियों में आए इस बदलाव को पसंद किया है। ओटीटी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि दर्शक अपनी सुविधा के अनुसार, अपनी पसंद के समय पर और अपनी जरूरत के हिसाब से कुछ भी देख सकते हैं। वे चाहें तो अकेले देख सकते हैं या परिवार के साथ बैठकर इसका आनंद ले सकते हैं। जब दर्शकों को इस तरह की स्वतंत्रता मिलती है, तो मनोरंजन की दुनिया में भी बदलाव आता है।''

राजनाथ सिंह और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स के बीच रक्षा सहयोग पर चर्चा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। फिलीपींस के सेबू में बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम-प्लस) से इतर हुई इस मुलाकात में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग की समीक्षा की गई। इसके साथ ही सेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाने और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

बैठक के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच उपयोगी बातचीत हुई, जिसमें द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने और दोनों देशों की सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने पर विचार किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें एडीएमएम-प्लस बैठक से इतर ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स से मिलकर प्रसन्नता हुई।

राजनाथ सिंह ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के व्यापक रणनीतिक साझेदारी संबंधों के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत एक स्वतंत्र, खुले और सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को बहुत महत्व देता है। दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों को मजबूत करना इस बातचीत का प्रमुख उद्देश्य रहा। सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल से संयुक्त सैन्य गतिविधियों और अभियानों में सहयोग बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

वहीं, क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के साझा प्रयासों को आगे बढ़ाने का अवसर मिला। राजनाथ सिंह 28 और 29 अक्टूबर को सेबू में आयोजित 13वीं एडीएमएम-प्लस बैठक में हिस्सा लेने के लिए फिलीपींस के दौरे पर हैं। इस मंच पर भारत सहित आसियान देशों और उनके आठ संवाद साझेदारों के रक्षा मंत्री रक्षा एवं सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। भारत इस मंच के माध्यम से क्षेत्रीय सहयोग और हिंद-प्रशांत में स्थिरता को बढ़ावा देने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

गौरतलब कि यहां राजनाथ सिंह ने अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से भी वार्ता की है। भारत और अमेरिका ने रक्षा तकनीक, सूचनाओं के आदान-प्रदान और संयुक्त उत्पादन के क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने पर जोर दिया है। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका के 10 वर्षीय रक्षा ढांचे के तहत हुई प्रगति की समीक्षा की।

बैठक के बाद राजनाथ सिंह ने कहा कि अमेरिकी युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ के साथ उनकी बैठक बेहद अच्छी रही। दोनों पक्षों ने 10 वर्षीय भारत-अमेरिका रक्षा ढांचे के तहत अब तक हुई प्रगति पर चर्चा की। इस ढांचे का उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करना है।

लॉस एंजिलिस मेयर चुनावः नित्या रमन की राह में तीन चुनौतियां

विश्व केसरी■

लॉस एंजिलिस। लॉस एंजिलिस मेयर पद चुनाव से पहले भारतीय-अमेरिकी उम्मीदवार नित्या रमन को तीन मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। तीन नवंबर को होने वाले चुनाव में रमन मौजूदा मेयर करेन बैस को चुनौती दे रही हैं।

इजरायल मुद्दे पर डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट्स ऑफ अमेरिका (डीएसए) के राष्ट्रीय नेतृत्व से मतभेद, प्रतिद्वंद्वी करेन बैस को अरबपति कारोबारी रिक कारुसो का समर्थन और उनकी आवाज की नकल करने वाले एआई-जनित संदेश को लेकर विवाद ने चुनावी मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है। इस बीच, वर्ष 2022 में बैस से चुनाव हार चुके अरबपति रियल एस्टेट कारोबारी रिक कारुसो ने सोमवार को बैस का समर्थन करने की घोषणा की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी वीडियो में कहा, 'लॉस एंजिलिस के भविष्य के लिए मुझे अतीत को पीछे छोड़ना होगा और मैं बैस को वोट दूंगा।

सितंबर में जारी बर्कले आईजीएस और लॉस एंजिलिस टाइम्स के सर्वेक्षण में रमन को 39 प्रतिशत और बैस को 28 प्रतिशत समर्थन मिला था, जबकि 33 प्रतिशत मतदाता अनिर्णीत थे। मैनहट्टन इंस्टीट्यूट के एक अन्य सर्वेक्षण में भी रमन 38 प्रतिशत के मुकाबले 32 प्रतिशत से आगे बताई गई थीं।

कारुसो ने रमन के संदर्भ में कहा, ' मामला केवल विचारधारा का नहीं, बल्कि काम करने की क्षमता का भी है। फॉक्स 11 से बातचीत में उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका फैसला रमन के खिलाफ वोट देने के बजाय बैस के पक्ष में मतदान करने का है। बैस ने उनके समर्थन पर खुशी जताई। बैस ने कहा, 'उनका समर्थन पाकर सम्मान महसूस हुआ ।

वहीं, रमन के चुनाव अभियान ने लॉस एंजिलिस काउंटी की सुपरवाइजर लिंडसे होर्वाथ के पहले के समर्थन का हवाला दिया।

रमन के अभियान ने इसी दिन कैलिफोर्निया फेयर पॉलिटिकल प्रैक्टिसेज कमीशन और लॉस एंजिलिस सिटी एथिक्स कमीशन में शिकायतें दर्ज कराईं। शिकायतें बैस का समर्थन करने वाले सुपर पीएसी 'थ्राइव एलए' की ओर से प्रचारित एक फोन नंबर से जुड़ी हैं।

संक्षिप्त खबर

बेलग्रेड में इजरायली दूतावास के गार्ड पर चाकुओं से हमला, मारा गया हमलावर

विश्व केसरी■

बेलग्रेड। सर्बियाई पुलिस ने बुधवार को बताया कि राजधानी बेलग्रेड स्थित इजरायली दूतावास के सुरक्षा गार्ड पर चाकू से मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात हमला किया गया। अज्ञात हमलावर को बाद में मार गिराया गया। स्थानीय मीडिया हाउस एन1 ने बताया कि उप प्रधानमंत्री और आंतरिक मामलों के मंत्री (कार्यवाहक) इवित्सा दचिच ने कहा कि पुलिस इस घटना को 'आतंकवादी हमला' मान रही है। इसके बाद आतंकी खतरे के चलते प्रमुख स्थानों पर पुलिस की उपस्थिति बढ़ा दी गई है। दचिच के मुताबिक एक अज्ञात नाबालिग ने जेंडरमेरी (एक प्रकार की अर्धसैनिक पुलिस) के सदस्य पर दो चाकुओं से हमला किया था। उन्होंने कहा, 'कल आधी रात को बेलग्रेड में एक आतंकवादी हमला हुआ। इस हमले में इजरायली दूतावास की सुरक्षा में तैनात जेंडरमेरी के एक जवान को निशाना बनाया गया। इस घटना के बाद, आतंकवादी खतरे के स्तर को उच्चतम स्तर तक बढ़ा दिया गया है और महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी बढ़ा दी गई है। उन्होंने बताया कि जेंडरमेरी अधिकारी ने हमलावर को मार गिराया, जो कि एक नाबालिग था। अज्ञात हमलावर को इस्लामिक स्टेट समर्थक बताते हुए दचिच ने बताया, 'सर्बिया की सुरक्षा एजेंसियां हमलावर पर नजर रख रही थीं।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में रेत निकालते समय दो युवकों की मौत

विश्व केसरी■

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में रेत निकालते समय दो युवक जिंदा दब गए, जिससे उनकी मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को जिले के रफियाबाद इलाके के दचनपोरा में रेत निकालते समय दो युवक रेत के नीचे दब गए, जिससे उनकी मौत हो गई। यह हादसा देर रात दचनपोरा में हुआ, जब रेत निकालते समय रेत का ढेर ढह गया और दोनों युवक वहीं दब गए। उनके शव पूरी रात रेत में दबे रहे और बुधवार सुबह स्थानीय लोगों की कड़ी मशक्कत के बाद निकाले जा सके। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना की सूचना पुलिस को भी दी गई, जिसके बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और शवों को बाहर निकालने में मदद की। मृतकों की पहचान 28 वर्षीय जावेद अहमद मीर और 29 वर्षीय मोहम्मद अनीस मलिक के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों दचनपोरा के ही रहने वाले थे। दोनों के शव मिलने के बाद पूरे गांव में मातम छा गया। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और मौतों से जुड़े हालात की जांच शुरू कर दी है। अभी और जानकारी का इंतजार है। जम्मू-कश्मीर में निर्माण उद्योग के लिए रेत निकालना एक महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधि है, लेकिन इसमें अवैध खनन, पर्यावरण को नुकसान और सुरक्षा संबंधी गंभीर चुनौतियां भी शामिल हैं। 'जम्मू-कश्मीर माइनर मिनरल कंसेशन, स्टोरेज, ट्रांसपोर्टेशन एंड प्रिवेंशन ऑफ इलीगल माइनिंग रूल्स, 2016' के तहत छोटे खनिजों के खनन को नियंत्रित किया जाता है।

युद्धकालीन सैन्य कमान हस्तांतरण पर अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने की बात

विश्व केसरी■

सोल। दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी रक्षा प्रमुखों ने बुधवार को फिलीपींस में मुलाकात की। माना जा रहा है कि इस बातचीत का मुख्य केंद्र युद्धकालीन सैन्य अभियान की कमान (ओपकॉन) सौंपने के समय, दोनों देशों के बीच मतभेदों को कम करना, और गठबंधन से जुड़े अन्य मुद्दे थे।

दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्रालय के अनुसार, देश के रक्षा मंत्री कांग शिन-चुल और अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के बीच बातचीत सेबू में हुई। यह जगह 'एसोसिएशन ऑफ साउथईस्ट एशियन नेशंस' (आसियान) के नेतृत्व वाली 'आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम) प्लस' के आयोजन स्थल के रूप में चुनी गई थी।

योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, कांग के सितंबर में पदभार संभालने के बाद यह दोनों नेताओं के बीच पहली बैठक थी। इस मुलाकात का ब्योरा बाद में दिया जाएगा।

बुधवार की बातचीत ने सबका ध्यान खींचा है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग का प्रशासन चाहता है कि उसके पांच साल का कार्यकाल 2030 में समाप्त हो इससे पहले ही युद्धकालीन सैन्य कमान देश को वापस मिल जाए। हालांकि, अमेरिका इस प्रक्रिया को राजनीतिक समयसीमा के आधार पर जल्दबाजी में पूरा करने के प्रति सतर्क नजर आ रहा है।

अमेरिकी प्रशासन दक्षिण कोरिया को युद्धकालीन परिचालन नियंत्रण (ओपकॉन) तब सौंपने का इरादा रखता है, जब दोनों देशों के बीच तय शर्तें पूरी हो जाएंगी। उसका मत है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य दक्षिण कोरिया के नागरिकों और वहां तैनात अमेरिकी बलों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि युद्धकालीन सैन्य कमान को लेकर अमेरिका की नीति दशकों से एक जैसी रही है।

इस मुद्दे पर दोनों सहयोगी देशों के बीच हाल के दिनों में मतभेद भी सामने आए हैं।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में गर्ल्स कॉलेज पर गोलीबारी, तीन छात्राएं घायल; एक की हालत गंभीर

विश्व केसरी■

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के नुश्की जिले में स्थित गर्ल्स डिग्री कॉलेज में नकाबपोश बंदूकधारियों ने गोलीबारी की, जिसमें कम से कम तीन छात्राएं घायल हो गईं। स्थानीय मीडिया ने कॉलेज प्रशासन के हवाले से बुधवार को यह जानकारी दी।

कॉलेज प्रशासन के अनुसार, मंगलवार को तीन हथियारबंद लोग कॉलेज परिसर में घुस आए। उन्होंने निगरानी कैमरों को नुकसान पहुंचाया और प्रिंसिपल के कार्यालय में तोड़फोड़ की। इसके बाद उन्होंने छात्राओं पर गोलीबारी की। घायल छात्राओं को इलाज के लिए नुश्की के मीर गुल खान नसीर टीचिंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। 'द बलूचिस्तान पोस्ट' की रिपोर्ट के मुताबिक, घायलों में से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायल छात्राओं की पहचान काजियाबाद की महमूना और मरियम तथा बलूचिस्तान के किल्ली मेंगल इलाके की रुखसाना के रूप में हुई है।

इस हमले की मानवाधिकार संगठनों और छात्र संगठनों ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने बलूचिस्तान के शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों की सुरक्षा और बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता जताई है। बलूच स्टूडेंट्स एक्शन कमेटी (बीएसएसी) ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों को एक बार फिर निशाना बनाया जा रहा है, जिससे छात्रों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

संगठन ने कहा कि छात्राएं और छात्र दोनों अपनी सुरक्षा को लेकर अनिश्चितता के माहौल में हैं। पहले शिक्षकों और प्रोफेसरों को निशाना बनाया गया और अब छात्रों पर हमले हो रहे हैं। इससे शैक्षणिक माहौल प्रभावित हो रहा है।

स्थानीय निकायों की 85 प्रतिशत सीटों पर टीवीके की नजर, सहयोगी दल की ज्यादा हिस्सेदारी की मांग

विश्व केसरी■

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय की 'तमिलगा वेत्री कझगम' (टीवीके) स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। पार्टी नेतृत्व लगभग 85 प्रतिशत सीटों पर चुनाव लड़ना चाहता है, जबकि बाकी 15 प्रतिशत सीटें अपने सहयोगियों के लिए छोड़ने का प्रस्ताव है।

जनवरी 2027 में होने वाले चुनावों को पार्टी के भीतर उसकी जमीनी ताकत, खासकर ग्रामीण इलाकों में और महिलाओं, कामगारों, युवाओं तथा मतदाताओं के अन्य वर्गों से समर्थन जुटाने की उसकी क्षमता की परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है।

हालांकि, सीटों के बंटवारे को लेकर प्रस्तावित फॉर्मूला बातचीत के दौरान एक चुनौती बन सकता है। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि कांग्रेस और मुस्लिम लीग समेत गठबंधन के सहयोगी दल ज्यादा सीटों और मेयर जैसे पदों पर मौका मिलने की उम्मीद कर रहे हैं।

गठबंधन के कुछ सहयोगी दल कुछ नगर निगमों और नगर पालिकाओं पर अपना नियंत्रण रखने की मांग करने पर भी विचार कर रहे हैं। वहीं, टीवीके सभी नगर निगमों पर अपना नियंत्रण बनाए रखना चाहती है, जिससे नेतृत्व के पदों का बंटवारा एक और विवादित मुद्दा बन सकता है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और मंत्रियों के सहयोगी दलों के साथ बातचीत करने की उम्मीद है, ताकि उन्हें 15 प्रतिशत सीटों के प्रस्तावित बंटवारे को स्वीकार करने के लिए मनाया जा सके। गठबंधन के सहयोगी दल टीवीके को सत्ता में लाने में अपने समर्थन का हवाला देते हुए, अधिक प्रतिनिधित्व की मांग पर अड़े हुए हैं। गठबंधन की बातचीत के साथ-साथ टीवीके ने ऐसे उम्मीदवारों की पहचान करना शुरू कर दिया है, जो डीएमके और एआईएडीएमके के नेटवर्क को टक्कर दे सकें।

असम में बाल विवाह के खिलाफ एक्शनः धुबरी जिले में 70 लोग हिरासत में, कई जगहों पर छापेमारी

विश्व केसरी■

दिसपुर। असम में बाल विवाह के खिलाफ राज्यव्यापी कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 70 लोगों को हिरासत में लिया है। धुबरी जिले में कई जगहों पर छापेमारी की गई है। इस मामले की जांच जारी है और कुछ आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

इसे लेकर जिला अदालत के वकील जाकिर हुसैन ने बुधवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया कि बाल विवाह के खिलाफ अभी मेरे पास 2 क्लाइंट आए हैं। मंगलवार को 70 आरोपियों को बाल विवाह के खिलाफ पकड़ा गया है। वह अभी कोर्ट में है। हम बेल फाइल करेंगे। जमानत मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि बाल विवाह की ज्यादातर घटनाएं ग्रामीण इलाकों में हो रही हैं, लेकिन असम सरकार ने जो इसके खिलाफ कदम उठाया है, वह बहुत अच्छा है। बाल विवाह बंद होना चाहिए, लेकिन बाल विवाह एक्ट जो 2006 में पास हुआ, उसे 1 नवंबर 2007 को पूरे देश में लागू किया गया। हालांकि, इसके बाद भी लोगों में इस प्रति जागरूकता की कमी है, इसलिए मेरा सरकार, दल और संगठनों से अनुरोध है कि वह इसके लिए और भी काम करें। उन्होंने कहा कि पूर्व में जितने भी बाल विवाह हुए हैं, वह इरादतन नहीं हुआ होगा, ऐसा मेरा मानना है।

मेरे ख्याल से लोगों को बाल विवाह एक्ट के बारे में जानकारी नहीं है, इसलिए शायद ऐसा हुआ। ग्रामीण इलाकों में ज्यादातर लोग अशिक्षित होते हैं। उन्हें इस कानून के बारे में जानकारी नहीं है। हो सकता है कि यह इसके पीछे एक अहम कारण है। सरकार को लोगों के बीच बाल विवाह कानून के प्रति जागरूकता फैलाने का काम करना चाहिए था। हालांकि, अब ऐसा हो रहा है। सरकार इस ओर कदम उठा रही है। उम्मीद है कि यह बहुत जल्द बंद हो जाएगा। वकील जाकिर हुसैन ने कहा कि बाल विवाह की वजह से लड़का-लड़कियों का भविष्य खराब हो रहा है।

नालंदा विश्वविद्यालय में आईएएसएसआई का वार्षिक सम्मेलन, राज्यपाल बोले- आपदा प्रबंधन में सामाजिक विज्ञान की अहम भूमिका

विश्व केसरी■

राजगीर। बिहार के नालंदा विश्वविद्यालय में भारतीय सामाजिक विज्ञान संस्थान संघ (आईएएसएसआई) का चार दिवसीय 25वां वार्षिक सम्मेलन बुधवार को संपन्न हो गया। सम्मेलन के समापन सत्र में बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण, सार्वजनिक विश्वास, आपदा-सहनीयता और मानव-केंद्रित शासन में सामाजिक विज्ञान की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि सामाजिक विज्ञान अनुसंधान का वास्तविक उद्देश्य लोगों को बेहतर ढंग से समझना और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। समापन सत्र में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर एस. महेंद्र देव, नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति और आईएएसएसआई के अध्यक्ष प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी तथा इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट, नई दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर अलख एन. शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए। सम्मेलन में देशभर के विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के विद्वानों, शोधकर्ताओं तथा नीति-निर्माताओं ने विकास और सार्वजनिक नीति से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने अपने संबोधन में सैन्य सेवा और आपदा प्रबंधन के अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि संस्थाओं की प्रभावशीलता केवल संसाधनों और परिचालन क्षमता पर निर्भर नहीं करती, बल्कि लोगों की चिंताओं, आकांक्षाओं और रोजमर्रा की परिस्थितियों को समझना भी जरूरी है। उन्होंने सामाजिक समझ, सार्वजनिक विश्वास और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संबंधों को रेखांकित किया। बिहार की विकास संबंधी चुनौतियों पर चर्चा करते हुए राज्यपाल ने उत्तर बिहार में बार-बार आने वाली बाढ़ का उदाहरण दिया।

उन्होंने कहा कि आपदा की तैयारी केवल इंजीनियरिंग और पूर्वानुमान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसमें स्थानीय ज्ञान, सामुदायिक व्यवहार, आजीविका संरक्षण और विस्थापन के दीर्घकालिक प्रभावों को भी शामिल करना आवश्यक है।

मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार को राजनीतिक सरंक्षण, सरकार ने साध रखी है चुप्पी : माकपा

विश्व केसरी■

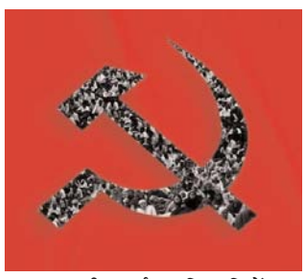

भोपाल। मध्य प्रदेश के एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा नगरीय निकायों में हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर दिए गए बयान के बाद राज्य की सियासत गरमाई हुई है द्य मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का कहना है कि इस भ्रष्टाचार के लिए सिर्फ नौकरशाही ही जिम्मेदार नहीं है बल्कि इसमें राजनीतिक संरक्षण की भी बड़ी भूमिका है ।

दरअसल, एसीएस रैंक के अधिकारी द्वारा नगरनिकायों के अधिकारियों के कार्यक्रम में नगरीय निकाय में हो रही खरीदी प्रक्रिया में भ्रष्टाचार को लेकर आंकड़े भी दिए थे और यह वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। उसके बाद से सरकार भी कई अधिकारियों पर कार्रवाई कर रही है।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव जसविंदर सिंह ने एक बयान जारी करते हुए कहा है कि भाजपा की आंतरिक प्रतिद्वंदता से लीक हुए इस वीडियो को अब दबाने और लीपापोती करने की साजिशें हो रही हैं । वही अधिकारी जिसने कहा था कि अगले साल से यह हुआ तो माफ नहीं किया जाएगा, अब कह रहा है कि 139 लोगों के खिलाफ कार्रवाई हुई है लेकिन उनके सामाजिक सम्मान के कारण उनके नाम उजागर नहीं किए जा सकते हैं।

माकपा नेता ने कहा है कि जो भाजपा सरकार बिजली बिल के लेट होने या जमा न कर पाने के कारण सभ्य नागरिकों के घरों पर नोटिस चस्पा कर देता है, कुर्कियां कर देता है । सामान्य से अपराध में गरीबों के घरों पर बुलडोजर चला देता है , उसे भ्रष्टाचारियों की सामाजिक प्रतिष्ठा और सम्मान की चिन्ता हो रही है। इससे साफ हो जाता है कि भाजपा की सरकार किसकी सरकार है।

अभिषेक ने वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी को सराहा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बताया कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 से पहले नेट सेशन के दौरान बॉलीवुड फिल्म 'भाग मिल्खा भाग' का एक मशहूर डायलॉग दोहराया था। इसके बाद उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और भारत को सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई।

सूर्यवंशी ने अभिषेक से कहा कि वह फिल्म के मशहूर डायलॉग - 'भैया, खेलूंगा भी वैसे ही' - से प्रेरित होकर बिल्कुल निडर होकर बल्लेबाजी करेंगे। 15 साल के वैभव ने अपनी बात को सच साबित करते हुए सिर्फ 19 गेंदों पर 45 रनों की आक्रामक पारी खेली। इससे अभिषेक को भी खुलकर खेलने का मौका मिला और उन्होंने 38 गेंदों पर शानदार 113 रन बनाए। भारत ने न्यूजीलैंड के 199 रनों के लक्ष्य को महज 13.2 ओवर में हासिल कर लिया और मंगलवार को हेनरी स्टेडियम में तीसरा टी20 6 विकेट से जीता।

मैच के बाद बीसीसीआई द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में अभिषेक ने सूर्यवंशी के साथ हुई अपनी बातचीत को याद किया और इस युवा खिलाड़ी की आक्रामक सोच की तारीफ की। अभिषेक ने कहा, 'कल नेट्स में वैभव ने मुझसे कहा था कि वह 'भाग मिल्खा भाग' फिल्म के डायलॉग 'भैया, खेलूंगा भी वैसे ही' की तरह ही बल्लेबाजी करेंगे।' बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक ने यह भी बताया कि कैसे ओपनिंग ओवर में सूर्यवंशी के निडर रवैये ने दूसरे छोर पर खड़े बल्लेबाज का आत्मविश्वास बढ़ाया, खासकर तब जब वह न्यूजीलैंड के मुख्य तेज गेंदबाज का सामना कर रहे थे।

अभिषेक ने कहा, 'जब टीम 190-200 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा कर रही होती है और सामने विपक्ष का मुख्य तेज गेंदबाज गेंदबाजी कर रहा हो, तब ओपनर को आक्रामक खेल दिखाना पड़ता है। मैं दूसरे छोर पर था और मैंने वैभव को बल्लेबाजी करते देखा। इससे नॉन-स्ट्राइकर बल्लेबाज का जोश बढ़ जाता है। मैं खास तौर पर वैभव की तारीफ करना चाहूंगा। इस मुकाबले में उन्होंने जो प्रदर्शन किया, वह टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा। इस जीत का काफी श्रेय उन्हें जाता है।'

ओपनिंग जोड़ी ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाई। पावरप्ले में भारत ने बिना कोई विकेट खोए 118 रन बनाए, जो पुरुषों के टी20 इंटरनेशनल में पहले छह ओवरों में किसी भी टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। भारत ने सिर्फ 2.2 ओवर में ही 50 रन पूरे कर लिए, जो इस फॉर्मेट में सबसे तेज टीम फिफ्टी की बराबरी है। इसके बाद पांच ओवर में ही टीम 100 रन के पार पहुंच गई। अभिषेक ने टीम की निस्वार्थ सोच की भी तारीफ की। उन्होंने संजू सैमसन का उदाहरण दिया, जो पिछली दो पारियों में ओपनिंग करने के बाद, इस बार अपनी भूमिका बदलने के लिए तैयार हो गए।

अभिषेक ने कहा, 'एक और बात। संजू सैमसन इससे पहले ओपनिंग कर रहे थे। इससे पता चलता है कि हर कोई निस्वार्थ भाव से खेल रहा है। इस मुकाबले में टीम ने जिस तरह का माहौल दिखाया, उससे सभी के लिए चीजें आसान हो गई होंगी।

वैष्णवी शर्मा की जादुई गेंदबाजी, तीसरे वनडे में 131 रनों पर जिम्बाब्वे की पूरी टीम ढेर हुई

विश्व केसरी ■

वडोदरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और जिम्बाब्वे के बीच तीसरा वनडे मुकाबला बीसीए स्टेडियम में खेला जा रहा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे की पूरी टीम 39.5 ओवर में 131 रन बनाकर ऑलआउट हुई।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत अच्छी नहीं रही। लोरिन फिरी बिना खाता खोले पवेलियन लौटीं। इसके बाद चिपो मुगेरी-तिरिपानो भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हुईं। बिलव्ड बीजा को वैष्णवी शर्मा ने हरमनप्रीत कौर के हाथों कैच कराकर सिर्फ एक रन के स्कोर पर पवेलियन भेजा।

25 के स्कोर पर 3 विकेट गंवा चुकी जिम्बाब्वे टीम की पारी को जोसेफिन नकोमो और चिएड्जा धुरुरू ने संभालने का प्रयास किया और चौथे विकेट के लिए 40 गेंदों में 27 रन जोड़े। धुरुरू 20 रन बनाने के बाद वैष्णवी शर्मा का शिकार बनीं। वहीं, कप्तान नकोमो 67 गेंदों में 35 रन बनाने के बाद आउट हुईं। उन्होंने अपनी इस पारी में 4 चौके लगाए। इसके बाद जिम्बाब्वे ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए और पूरी टीम सिर्फ 131 रन बनाकर ऑलआउट हुई। न्याशा ग्वांजुरा ने 10 रन बनाए, जबकि मिशेल मावुंगा 6 रन बनाकर पवेलियन लौटीं।

भारत की तरफ से गेंदबाजी में 20 वर्षीय स्पिन गेंदबाज वैष्णवी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 ओवर के स्पेल में 39 रन देकर 5 विकेट चटकाए। वह जिम्बाब्वे की बल्लेबाजों के लिए अबूझ पहेली साबित हुईं। क्रांति गौड़ ने 7 ओवर के स्पेल में सिर्फ 23 रन देकर 2 विकेट चटकाए। वहीं, सायली सतघरे ने 6 ओवर के स्पेल में महज 11 रन देकर 2 विकेट झटके। भारतीय टीम तीन मैचों की वनडे सीरीज में पहले ही 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुकी है।

भारत की प्लेइंग इलेवन: प्रतिका रावल, स्मृति मंधाना (कप्तान), शेफाली वर्मा, हरमनप्रीत कौर, हरलीन देओल, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे, जिन्तिमणि कलिता और वैष्णवी शर्मा।

जिम्बाब्वे की प्लेइंग इलेवन:मोडेस्टर मुपाचिकवा (विकेटकीपर), लोरिन फिरी, चिपो मुगेरी-तिरिपानो, बिलव्ड बिजा, जोसेफिन नकोमो (कप्तान), न्याशा ग्वानज़ुरा, चिएड्जा धुरुरू, मिशेल मावुंगा, नोमवेलो सिबांडा, तेंदई मकुशा और ओलिंडर चारे।

स्टेन वावरिंका ने टेनिस को 'अलविदा' कहा, 3 बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन रहे

विश्व केसरी ■

बेसल। स्विट्जरलैंड के स्टेन वावरिंका ने टेनिस को अलविदा कह दिया है। 41 साल के इस दिग्गज ने घरेलू टूर्नामेंट, स्विस इंडोर्स बेसल में जिरी लेहेका से हार के बाद टेनिस को गुड बाय कहा।

स्टेन वावरिंका एक हाथ के बैकहैंड के लिए मशहूर रहे। उनके नाम तीन ग्रैंड स्लैम सिंगल खिताब, ओलंपिक गोल्ड और डेविस कप खिताब है। उन्होंने 590 टूर-लेवल जीत हासिल कीं। वावरिंका 2014 में एटीपी रैंकिंग में करियर के सबसे ऊंचे नंबर 3 पर पहुंचे और 16 टूर-लेवल टाइटल हासिल किए।

वावरिंका ने अपने करियर के तीनों ग्रैंड स्लैम खिताब उस समय के दुनिया के नंबर एक खिलाड़ियों को हराकर जीता था।

2014 में वावरिंका ने स्पेन के राफेल नडाल को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। इसके बाद 2015 में नोवाक जोकोविच को हराकर उन्होंने फ्रेंच ओपन और 2016 में नोवाक जोकोविच को ही हराकर यूएस ओपन का खिताब जीता था। रोजर फेडरर, नडाल और जोकोविच वाले 'बिग थ्री' दौर का हिस्सा रहे वावरिंका ने अपना करियर 590 टूर-लेवल मैच जीतकर खत्म किया। 2014 में मोंटे-कार्लो में अपना अकेला एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन वावरिंका ने हमवतन और दिग्गज रोजर फेडरर को हराकर जीता था।

वावरिंका ओलंपिक में अपने देश के लिए गोल्ड जीत चुके हैं। 2008 में चीन के बीजिंग में आयोजित ओलंपिक में उन्होंने पुरुष डबल्स में रोजर फेडरर के साथ जोड़ी बनाकर गोल्ड मेडल जीता था। इसके बाद दोनों ने 2014 में स्विट्जरलैंड के लिए पहला डेविस कप जीता था। वावरिंका ने एटीपी टूर डॉट कॉम को बताया, 'पिछले 20 सालों में एक खिलाड़ी के तौर पर मेरे बारे में अलग-अलग सोच रही है। मैं अपने करियर में बस इतना चाहता था कि अपना शत प्रतिशत दूं, हमेशा लड़ूं, कोई पछतावा न हो।

कैनेडियन ओपन स्क्वैश: अनाहत ने लिया नाम वापस, चोट बनी वजह

विश्व केसरी ■

टोरंटो। भारतीय स्क्वैश सनसनी अनाहत सिंह चोट के कारण कनाडियन विमेंस ओपन के क्वार्टर फाइनल मुकाबले से पहले टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। यह जानकारी पीएसए टूर की वेबसाइट पर दी गई।

वर्ल्ड नंबर 15 अनाहत शानदार फॉर्म में थीं। उन्होंने इंग्लैंड की सारन न्घिएम को चार गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। पीएसए सिल्वर-लेवल टूर्नामेंट के इस क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला मिस्र की वर्ल्ड नंबर-7 खिलाड़ी और टॉप सीड फेरोज अबोलखैर से होना था। इस वजह से, अबोलखैर को वॉकओवर के जरिए सेमीफाइनल में प्रवेश मिल गया है।

पिछले हफ्ते, अनाहत ने रेडवुड सिटी (अमेरिका) में सिलिकॉन वैली ओपन स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए मिस्र की आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन नूर अल-शेरबिनी को सीधे गेम में हराकर सभी को चौंका दिया था। यह उनके करियर की सबसे बड़ी जीत थी।

हाल के प्रदर्शनों ने महिला टूर पर उभरते खिलाड़ियों के बीच अनाहत की स्थिति को और मजबूत किया है। अमेरिका और कनाडा के टूर्नामेंट्स में लगातार आगे तक पहुंचने से उन्हें अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने का बहुमूल्य अनुभव मिला है।

पिछले महीने एशियन गेम्स में, अनाहत ने इतिहास रचते हुए स्क्वैश सिंगल्स के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बनने का कारनामा किया।

महिला सिंगल्स के फाइनल में उन्हें मौजूदा चैंपियन, मलेशिया की शिवसंगरी सुब्रमण्यम से 3-0 (11-4, 11-4, 11-7) से हार का सामना करना पड़ा और उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। हांगझोऊ में हुए एशियन गेम्स 2023 में, अनाहत ने महिला टीम और मिक्स्ड डबल्स इवेंट में दो ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। इसके बाद, उन्होंने एशियन गेम्स में महिला सिंगल्स का सिल्वर मेडल भी अपने नाम किया और ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।

टैमर टूर्नामेंट के लिए भारत के 14 सदस्यीय मुक्केबाजी दल का ऐलान

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता जैस्मिन और अरुंधति चौधरी फिनलैंड के टाम्परे में होने वाले 46वें अंतरराष्ट्रीय टैमर टूर्नामेंट में 14 सदस्यीय भारतीय मुक्केबाजी दल का नेतृत्व करेंगी। इस टूर्नामेंट के जरिए बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) का मकसद अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले मुक्केबाजों की संख्या बढ़ाना है।

टाम्परे बॉक्सिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट में पुरुषों के 10 और महिलाओं के 7 एलीट वेट कैटेगरी (भार वर्ग) में मुकाबले होंगे। यह इवेंट 28 अक्टूबर से 2 नवंबर तक चलेगा, जबकि मुख्य प्रतियोगिता 30 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच होगी। पहले दिन शुरुआती मुकाबले होंगे, 31 अक्टूबर को सेमीफाइनल और 1 नवंबर को फाइनल खेले जाएंगे।

भारतीय टीम में मुख्य रूप से जैस्मिन (महिलाओं की 57 किग्रा कैटेगरी) और अरुंधति (70 किग्रा कैटेगरी) शामिल हैं। इस टीम का चयन उन मुक्केबाजों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देने के लिए किया गया है, जो भारत की ओलंपिक वेट कैटेगरी में तीसरे नंबर पर हैं।

इसके अलावा, इसमें उन ओलंपिक कैटेगरी के शीर्ष मुक्केबाज भी शामिल हैं, जो एशियन गेम्स के कार्यक्रम का हिस्सा नहीं हैं।

कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप: भारतीय पुरुष टीम ने तंजानिया को 48-20 से हराया, सेमीफाइनल में प्रवेश

विश्व केसरी ■

अहमदाबाद। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने तंजानिया को 48-20 के बड़े अंतर से हराकर कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप 2026 के सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है।

मंगलवार को अहमदाबाद के वीर सावरकर स्टेडियम में, भारतीय पुरुष टीम ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। टीम ने 30 रेड प्वाइंट्स और 10 टैकल प्वाइंट्स हासिल किए और तंजानिया को छह बार 'ऑल-आउट' किया। दूसरी तरफ, तंजानिया की टीम 15 रेड प्वाइंट्स और 5 टैकल प्वाइंट्स ही जुटा सकी और वे एक बार भी भारत को 'ऑलआउट' नहीं कर पाए।

नीरज नरवाल ने भारत की रेडिंग की कमान संभाली। उन्होंने 16 रेड में 12 प्वाइंट्स हासिल किए, जिसमें 6 बोनस प्वाइंट्स शामिल थे। नवीन कुमार और शिवम पटारे ने भी अहम योगदान

दिया और दोनों ने 9-9 प्वाइंट्स बनाए। नवीन ने 11 रेड में 9 रेड प्वाइंट्स लिए, जबकि पटारे ने भी 11 रेड में 9 रेड प्वाइंट्स हासिल किए।

भारत का डिफेंस भी उतना ही मजबूत रहा। शुभम शिंदे ने सबसे अच्छा प्रदर्शन करते हुए 5 टैकल प्वाइंट्स लिए। दीपक ने 3 टैकल प्वाइंट्स जोड़े, जबकि प्रवेश मलिक ने 2 टैकल प्वाइंट्स हासिल किए। तंजानिया के लिए जुमा सुल्तानिया सबसे बेहतरीन खिलाड़ी रहे। उन्होंने 20 रेड में 13 प्वाइंट्स बनाए, जिसमें 9 बोनस प्वाइंट्स शामिल थे। हालांकि, भारतीय टीम के सामूहिक प्रयास ने पूरे मैच में भारत का दबदबा बनाए रखा।

इस जीत के साथ ही भारत ने पहली कॉमनवेल्थ कबड्डी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में अपनी जगह सुरक्षित कर ली है। सेमीफाइनल मैच 30 अक्टूबर को रात 8:30 बजे खेला जाएगा। भारत का खिताबी सफर अब पूरी तरह से सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। अब भारत अपने ग्रुप स्टेज के आखिरी मैच में 29 अक्टूबर को रात 8:30 बजे श्रीलंका का सामना करेगा।

इससे पहले, मलेशिया ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में जीत दर्ज की। पुरुष वर्ग में बांग्लादेश और कनाडा ने भी अपने-अपने मैच जीते। मलेशिया की महिला टीम ने सिंगापुर के खिलाफ बड़ी जीत हासिल कर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। वहीं, केन्या की महिला टीम ने भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा; वे पहले ही सेमीफाइनल (अंतिम चार) में अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं।

केन्या की महिला टीम ने स्कॉटलैंड की महिला टीम के खिलाफ 61-16 से एकतरफा जीत दर्ज की, जबकि मलेशिया महिला टीम ने सिंगापुर महिला टीम को 62-17 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा। पुरुष वर्ग में, बांग्लादेश ने सिंगापुर के खिलाफ 60-28 से शानदार जीत दर्ज की।

खेल महाकुंभ 2026: अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के खुश पारिख ने गोल्ड और श्रीजा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता

विश्व केसरी ■

अहमदाबाद। अदाणी स्पोर्ट्सलाइन टेनिस एकेडमी के खिलाड़ी खुश पारिख और श्रीजा शाह ने जिला स्तर के खेल महाकुंभ 2026 में क्रमश: गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल जीता है। खुश ने अंडर-14 बॉयज सिंगल्स का टाइटल जीता, जबकि श्रीजा अंडर-14 गर्ल्स सिंगल्स कैटेगरी में तीसरे स्थान पर रहीं।

श्रीजा 20 अप्रैल 2026 को एकेडमी में शामिल हुईं और जुलाई में गुजरात स्टेट टेनिस एसोसिएशन टूर्नामेंट में अंडर-14 और अंडर-16 गर्ल्स सिंगल्स टाइटल जीतीं। अब उनका लक्ष्य 2027 में अंडर-14 नेशनल्स चैंपियनशिप है। उनका लक्ष्य भविष्य में भारत का प्रतिनिधित्व करना है।

खुश अगस्त 2025 में एकेडमी में शामिल हुए थे। वह हाल ही में गुजरात के भावनगर में ममता टेनिस एकेडमी में हुए ऑल इंडिया रैंकिंग चैंपियनशिप सीरीज टेनिस टूर्नामेंट 2026 में अंडर-14 बॉयज डबल्स में रनर-अप रहे और अंडर-14 सिंगल्स के सेमीफाइनल में पहुंचे।

उनकी दूसरी कामयाबियों में 2025 में स्कूल गेम्स नेशनल्स के लिए क्वालीफाई करना, वडोदरा में ऑल-इंडिया टेनिस एसोसिएशन चैंपियनशिप सीरीज टूर्नामेंट में अंडर-14 डबल्स में रनर-अप रहना और गुजरात स्टेट टेनिस एसोसिएशन रैंकिंग टूर्नामेंट जीतना शामिल है। दोनों खिलाड़ी एकेडमी की कोचिंग टीम के साथ ट्रेनिंग करते हैं, जहां वे स्ट्रोक टेक्निक, फुटवर्क, शॉट प्लेसमेंट, कंसिस्टेंसी और मैच की रणनीति पर फोकस

करते हैं। खुश और श्रीजा अब अपने आने वाले कॉम्पिटिशन की तैयारी करेंगे और अपने परिणाम को और बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे।

अदाणी स्पोर्ट्सलाइन, अदाणी ग्रुप की खेल शाखा है, जो भारत में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने, जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को तराशने और वैश्विक स्तर पर पेशेवर खेल टीमों का सहयोग और संचालन करने का काम करती है। अदाणी स्पोर्ट्सलाइन महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) और प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) में गुजरात जायंट्स और यूएई की इंटरनेशनल लीग टी20 में गल्फ जायंट्स का संचालन करती है।

भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का आकार 2033 तक 44 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र आर्थिक विकास, निजी निवेश और औद्योगिक क्षमताओं को बढ़ाने में लगातार महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इसके साथ ही देश के वैज्ञानिक और रणनीतिक उद्देश्यों को भी मजबूती मिल रही है। सरकार का लक्ष्य 2033 तक भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को 44 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। यह जानकारी बुधवार को जारी सरकारी फैक्टशीट में दी गई।

फैक्टशीट में कहा गया कि न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) ने भारतीय उद्योग को इसरो द्वारा विकसित 83 प्रौद्योगिकियां हस्तांतरित करने के लिए 118 प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके परिणामस्वरूप निवेशकों का भरोसा भी बढ़ रहा है। 31 मार्च 2026 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप में कुल निवेश लगभग 618.5 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

ये सभी घटनाक्रम दर्शाते हैं कि भारत की उभरती अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियां न केवल देश की क्षमताओं को आगे बढ़ा रही हैं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए उद्यम आधारित एक मजबूत अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था भी तैयार कर रही हैं।

भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब प्रस्तावित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। स्पैडेक्स मिशन के जरिए भारत कक्षा में दो अंतरिक्ष यानों की स्वायत्त डॉकिंग हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश भी बन गया। वहीं, गगनयान मिशन भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान संबंधी लक्ष्यों को आगे बढ़ा रहा है।

सितंबर 2024 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान (एनजीएलवी) के विकास को मंजूरी दी थी। इसके लिए स्वीकृत 8,240 करोड़ रुपए की राशि में विकास लागत, तीन विकासात्मक उड़ानें, आवश्यक सुविधाएं, कार्यक्रम प्रबंधन और प्रक्षेपण अभियान शामिल हैं।

एनजीएलवी को पृथ्वी की निचली कक्षा (एलईओ) में अधिकतम 30 टन तक का भार ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी क्षमता भारत के मौजूदा प्रक्षेपण यान एलवीएम3 की 10 टन की एलईओ क्षमता से तीन गुना अधिक होगी। इसके अलावा, अंतरिक्ष तक कम लागत में पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एनजीएलवी का आंशिक रूप से पुन: उपयोग योग्य संस्करण विकसित किया जा रहा है, जो एलईओ में 14 टन तक का भार ले जा सकेगा। इसकी पुन: उपयोग की सुविधा से अंतरिक्ष तक पहुंचने की लागत भी कम होगी।

एनजीएलवी राष्ट्रीय और वाणिज्यिक, दोनों तरह के मिशनों को सक्षम बनाएगा। इनमें भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन तक मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के साथ-साथ चंद्रमा और अंतरग्रहीय अन्वेषण अभियान शामिल हैं। इसके अलावा, यह पृथ्वी की निचली कक्षा में संचार और पृथ्वी अवलोकन उपग्रहों के समूहों को स्थापित करेगा। इन मिशनों से पूरे अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र को लाभ होगा और देश की क्षमताओं एवं क्षमता विस्तार को बढ़ावा मिलेगा।

भारत का अंतरिक्ष मिशन आम नागरिकों की सेवा के उद्देश्य से आगे बढ़ रहा है। यही दृष्टिकोण अब देशभर में लोगों के दैनिक जीवन को प्रभावित कर रहा है। संचार उपग्रह दूरदराज और कम सुविधाओं वाले क्षेत्रों में कनेक्टिविटी का विस्तार करते हैं। वहीं, पृथ्वी अवलोकन से प्राप्त आंकड़े कृषि, आपदा आकलन, योजना निर्माण, पर्यावरण निगरानी और अन्य राष्ट्रीय जरूरतों को पूरा करने में मदद करते हैं।

मौसम संबंधी उपग्रह चक्रवातों और मानसून पर नजर रखते हैं, जिससे समय रहते चेतावनी जारी की जा सकती है और लोगों की जान बचाने में मदद मिलती है।

गलत तरीके से किया गया योग पहुंचा सकता है नुकसान, एक्सपर्ट की मानें तो बरतें ये सावधानियां

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग एक प्राचीन परंपरा है, जो शरीर को स्वस्थ बनाने के साथ-साथ मन को भी शांत और संतुलित बनाता है। हालांकि इसका भरपूर लाभ तभी मिलता है, जब अभ्यासकर्ता इसे सही तरीके और सावधानियों के साथ करे। गलत तरीके या बिना जानकारी के किया गया योग फायदा पहुंचाने की जगह नुकसान पहुंचा सकता है।

इसलिए योग शुरू करने से पहले कुछ जरूरी सावधानियों को जानना और उनका पालन करना बहुत जरूरी है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने योगासन करने से पहले सावधानियां बरतने की सलाह दी है। उनके अनुसार, योग सीखना सिर्फ किसी को देखकर या निर्देशों का पालन करने से कहीं ज्यादा है। शुरुआती लोगों को पहले किसी योग एक्सपर्ट या थेरेपिस्ट की देखरेख में योग की तकनीकें सीखनी चाहिए और खुद से प्रैक्टिस शुरू करने से पहले सही तरीका समझना चाहिए। एक बार जब आप अभ्यास को सही तरीके से सीख लें, तो अपनी जरूरत और क्षमता के अनुसार इसे जारी रखें, जरूरी सावधानियां बरतें और अगर आपको कोई परेशानी या दुष्प्रभाव महसूस हो तो अपने इंस्ट्रक्टर या थेरेपिस्ट को बताएं। योग को मार्गदर्शन के साथ सीखें और जागरूकता के साथ अपना अभ्यास जारी रखें।

जागरूकता के साथ योग करें- योगासन शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ मन को भी शांत करने की साधना क्रिया है। जब कोई भी अभ्यासकर्ता पूरी सजगता के साथ योग करता हैं, तो इसके लाभ कई गुना बढ़ जाते हैं। शरीर की क्षमता का सम्मान करते हुए धीरे-धीरे अभ्यास करने से झटके और मांसपेशियों की खिंचाव जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है।

किसी एक्सपर्ट के मार्गदर्शन में शुरू करें- अभ्यासकर्ता, इस बात का विशेष ध्यान दें कि योगासन किसी विशेषज्ञ की देखरेख में ही करें। ऐसा करने से शारीरिक पॉश्चर और सांस लेने की सही तकनीक समझने में मदद मिलती है। गलत तरीके से आसन करने से मांसपेशियों में खिंचाव या दर्द हो सकता है, जिसे एक्सपर्ट रोकते हैं। यदि कोई भी व्यक्ति पुरानी बीमारी, जोड़ों का दर्द या स्वास्थ्य समस्या है, तो ट्रेनर आपकी स्थिति के अनुसार योग अभ्यास तय करते हैं।

सही तरीका समझें- योग का सही तरीका समझने के लिए इसे केवल शारीरिक कसरत न मानकर शरीर, मन और श्वास के तालमेल की एक प्रक्रिया मानना चाहिए। आयुष मंत्रालय के अनुसार, योग करने का सबसे उत्तम समय सूर्योदय होता है, लेकिन सूर्यास्त के पश्चात भी इसे किया जा सकता है। हालांकि, इस बात का विशेष ध्यान दें कि योगासन भोजन करने के कम से कम 2 से 3 घंटे बाद ही करना चाहिए।

अपनी जरूरत और क्षमता के अनुसार करें- अभ्यासकर्ता इस बात का विशेष ध्यान दें कि योगासन शारीरिक जरूरत और क्षमता के अनुसार ही करना चाहिए, तभी यह लाभकारी होता है।

बच्चे मोबाइल छोड़ें, पेरेंट्स से करें बातः इटली के रेस्तरां ने निकाला अनोखा तरीका

विश्व केसरी ■

रोम। डिजीटल युग में सब व्यस्त हैं। मसरूफियत किसी काम में डूबे रहने की वजह से नहीं बल्कि लोगों की भीड़ में भी खुद में मगन रहने की। इन दिनों स्मार्टफोन इसका बड़ा कारण है। खाने की मेज पर भी अक्सर परिवार का हर सदस्य बिजी रहता है। इस पर लगाम लगाने की गर्ज से इटली के 15 रेस्तरां ने अनोखी पहल की है। सार्डिनिया द्वीप के 15 रेस्तरां अब इस आदत को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। यहां परिवारों को खाने की मेज पर फोन दूर रखने और एक-दूसरे से बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

'अ तावोला सेंजा श्कर्मी' यानी 'बिना स्क्रीन के खाने की मेज' नाम से शुरू की गई। यह पहल एक महीने तक प्रायोगिक तौर पर चलेगी। सार्डिनिया के प्रसिद्ध एल यूनियन सर्डा के मुताबिक इसका उद्देश्य बच्चों और किशोरों के बीच डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक इस्तेमाल को कम करना और परिवारों में आमने-सामने बातचीत को बढ़ावा देना है। पहल की शुरुआत सार्डिनिया की बाल एवं किशोर अधिकार संरक्षक अन्ना काउ ने एफआईपीई-कॉन्फकॉमर्सियो सार्डिनिया के सहयोग से की है।

इस प्रयोग में शामिल रेस्तरां परिवारों को फोन के विकल्प के रूप में खेल, रंग भरने की सामग्री और दूसरी गतिविधियां उपलब्ध कराएंगे। इसके साथ अभिभावकों को बच्चों और किशोरों के डिजिटल दुनिया से संबंध, सोशल मीडिया के इस्तेमाल तथा स्क्रीन के जरूरत से ज्यादा उपयोग से जुड़े जोखिमों के बारे में जानकारी भी दी जाएगी। इस पहल की खासियत यह है कि परिवारों से केवल मोबाइल फोन दूर रखने के लिए नहीं कहा जाएगा, बल्कि उन्हें ऐसा करने का व्यावहारिक विकल्प भी दिया जाएगा। 'किट डेल रित्रोवो' यानी 'फिर से जुड़ने की किट' में बच्चों की उम्र के अनुसार खेल और गतिविधियां शामिल होंगी। इनकी मदद से बच्चे भोजन आने का इंतजार करते हुए फोन देखने के बजाय माता-पिता के साथ समय बिता सकेंगे।

आयोजकों का मानना है कि बच्चों को स्क्रीन से दूर रखने की जिम्मेदारी केवल माता-पिता पर डालना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए ऐसे माहौल की जरूरत है, जहां परिवार के सभी सदस्य मिलकर इस आदत में बदलाव ला सकें।

झारखंड : पूर्वी सिंहभूम में ब्रेन मलेरिया से पांच दिनों में चार बच्चों की मौत, बीमारी के प्रकोप ने बढ़ाई चिंता

विश्व केसरी ■

जमशेदपुर। झारखंड के कोल्हान प्रमंडल में ब्रेन मलेरिया का प्रकोप गंभीर रूप लेता जा रहा है। पूर्वी सिंहभूम और आसपास के इलाकों में पिछले पांच दिनों के दौरान ब्रेन मलेरिया से चार बच्चों की मौत हो गई है। तीन बच्चों की मौत जमशेदपुर के महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान हुई है।

ताजा मामले में सरायकेला-खरसावां जिले के गोपालपुर निवासी छह वर्षीय राहुल जामूदा की मंगलवार को एमजीएम अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। वह पिछले सात दिनों से अस्पताल के शिशु रोग विभाग की पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट (पीआईसीयू) में भर्ती था। हालत गंभीर होने के कारण उसे वेंटिलेटर पर रखा गया था। अस्पताल के शिशु रोग विभागाध्यक्ष डॉ. केके चौधरी ने बताया कि राहुल ब्रेन मलेरिया से पीड़ित था। 21 अक्टूबर से उसे वेंटिलेटर पर रखकर इलाज किया जा रहा था।

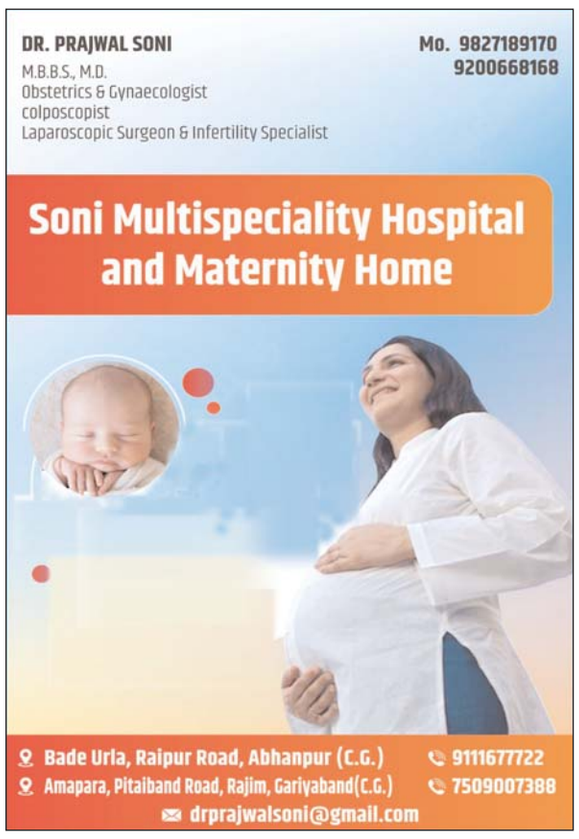

ग्राम अंडरी में बीजापुर पुलिस ने लगाया सिविक एक्शन कार्यक्रम, बच्चों को वितरित की खेल सामग्री

विश्व केसरी■

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। बीजापुर पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के तहत थाना गंगालूर क्षेत्रांतर्गत ग्राम अंडरी में सिविक एक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस और ग्रामीणों के बीच आपसी विश्वास, सहयोग एवं समन्वय को मजबूत करना तथा ग्रामीणों की जरूरतों को समझकर उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना रहा।

ग्रामीणों को मिली उपयोगी सामग्री, बच्चों में दिखा उत्साह

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को उनकी आवश्यकतानुसार उपयोगी सामग्री वितरित की गई। वहीं, बच्चों को खेलकूद के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए इनडोर गेम्स सहित विभिन्न खेल सामग्रियाँ प्रदान की गईं। छोटे-छोटे रोचक खेलों और मनोरंजक गतिविधियों के आयोजन से कार्यक्रम में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। बच्चों के चेहरों पर खुशी और मुस्कान नजर आई।

ग्रामीणों से संवाद कर जानी समस्याएँ

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। इस दौरान पुलिस एवं आम नागरिकों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने के साथ क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और आपसी विश्वास को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया।

जनसेवा और विश्वास बढ़ाने की पहल

बीजापुर पुलिस का उद्देश्य केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि जनसेवा, सहयोग और सहभागिता के माध्यम से आम नागरिकों के साथ मजबूत संबंध स्थापित करना भी है। इसी उद्देश्य से आयोजित सिविक एक्शन कार्यक्रम पुलिस और ग्रामीणों के बीच विश्वास की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से पुलिस और ग्रामीणों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा क्षेत्र में सकारात्मक वातावरण निर्मित करने का प्रयास किया जा रहा है।

केसीसीएल कर्मचारियों की 16 सूत्रीय मांगों को लेकर 23 तारीख से धरना जारी

विश्व केसरी■

अंतागढ़। रावघाट परियोजना के तहत केसीसीएल (चष्ष्टफ्) कंपनी में कार्यरत कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर 23 तारीख से धरना-प्रदर्शन जारी है। धरने पर बैठे कर्मचारियों ने कंपनी प्रबंधन के समक्ष 16 सूत्रीय मांगें रखी हैं। इनमें नियुक्ति पत्र, वेतन पर्ची, खनन एवं क्षेत्रीय भत्ते, पीएफ, ईएसआई, साप्ताहिक अवकाश, पदोन्नति और अन्य कर्मचारी सुविधाएं शामिल हैं। कर्मचारियों की प्रमुख मांग है कि सभी कर्मचारियों को नियुक्ति के महीने और तारीख के अनुसार नियुक्ति पत्र दिया जाए तथा वेतन पर्ची ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाए, जिससे भुगतान और अन्य विवरणों की जानकारी मिल सके। इसके अलावा खदान भत्ता, जोखिम भत्ता, सुरक्षा भत्ता, धूल एवं कठिन कार्य भत्ता तथा कठिन क्षेत्र और नक्सल प्रभावित क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों को नियमानुसार विशेष भत्ता देने की मांग की गई है। धरनारत कर्मचारियों ने ईएसआई बीमा की राशि कंपनी की ओर से जमा कराने, साप्ताहिक अवकाश के दिन काम कराने पर भुगतान करने

तथा रविवार को मशीनरी और परिवहन कार्य बंद रखने की मांग भी रखी है। कर्मचारियों का कहना है कि फरवरी से नियुक्त कर्मचारियों को 12 प्रतिशत पीएफ के साथ माइनस अलाउंस का लाभ दिया जाए और पूर्व में बकाया राशि का ब्याज सहित भुगतान किया जाए।

अन्य मांगों में पुराने कर्मचारियों को उनके कार्य अनुभव और योग्यता के अनुसार सेमी-स्किल्ड एवं स्किल्ड श्रेणी में वर्गीकृत करना, प्रत्येक वर्ष पूर्ण होने पर पदोन्नति, योग्यता के अनुरूप कार्य आवंटन, सालाना 12 आकस्मिक अवकाश, राष्ट्रीय पर्वों एवं अन्य त्योहारों पर सवैतनिक अवकाश, दिवाली पर 20 प्रतिशत बोनस तथा खदान क्षेत्र में धूल नियंत्रण के लिए पर्याप्त पानी का छिड़काव शामिल है। कर्मचारियों ने हर महीने की 11 तारीख को समस्याओं पर चर्चा के लिए दो घंटे का समय देने और बैठक में आने-जाने के लिए बस की व्यवस्था करने की मांग भी रखी है। इसके साथ ही कर्मचारियों के आवागमन के लिए पेट्रोल भत्ता देने की मांग की गई है। धरनारत कर्मचारियों ने मांगों को 1 अक्टूबर से लागू करने तथा 12 प्रतिशत पीएफ और माइनस अलाउंस का लाभ फरवरी से देने की मांग रखी है। अब कर्मचारियों की निगाहें कंपनी प्रबंधन की पहल पर टिकी हैं।

बस्तर दशहरा की सभी रस्मों में बस्तर सांस्कृतिक सुरक्षा मंच के स्वयंसेवकों ने निभाई अहम भूमिका

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा की विभिन्न रस्मों एवं धार्मिक आयोजनों में बस्तर सांस्कृतिक सुरक्षा मंच के लगभग 350 स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। पर्व की शुरुआत से लेकर मां मावली एवं मां दंतेश्वरी के छत्र एवं डोली की विदाई तक स्वयंसेवक पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ व्यवस्थाओं में जुटे रहे।

बस्तर दशहरा में शामिल होने दूर दराज के गांवों से आए देवी देवताओं एवं उनके सेवकों को व्यवस्थित रूप से निर्धारित स्थानों तक पहुंचाने, श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने तथा धार्मिक रस्मों के सुचारु संचालन में स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। पूरी श्रद्धा,अनुशासन और सेवाभाव के साथ उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। उनके योगदान से आयोजन की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में सहयोग मिला। मां मावली एवं मां दंतेश्वरी के छत्र डोली की विदाई के भावुक क्षणों में मंच के सभी स्वयंसेवकों ने साष्टांग प्रणाम कर आराध्य देवियों के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा एवं आस्था प्रकट की। बस्तर सांस्कृतिक सुरक्षा मंच के स्वयंसेवकों की यह सहभागिता बस्तर की अनूठी संस्कृति, परंपराओं एवं धार्मिक विरासत के संरक्षण के साथ साथ विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा की गरिमा बनाए रखने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

भाजपा जिला अध्यक्ष घासीराम नाग ने दी महर्षि वाल्मीकि जयंती की शुभकामनाएँ

विश्व केसरी■

बीजापुर। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष घासीराम नाग ने महर्षि वाल्मीकि जयंती के पावन अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

उन्होंने कहा कि संस्कृत के आदिकवि और रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि का जीवन एवं उनकी रचनाएँ युगों-युगों तक मानवता के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगी। महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्श चरित्र, सत्य, मर्यादा, धर्म और

सामाजिक समरसता के मूल्यों को जन-जन तक पहुँचाया।

घासीराम नाग ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन यह संदेश देता है कि दृढ़ संकल्प, ज्ञान और साधना के माध्यम से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। उनके विचार आज भी समाज में समानता, एकता और सद्भाव स्थापित करने के साथ राष्ट्र निर्माण के लिए प्रासंगिक हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर भगवान श्रीराम के आदर्शों, न्याय, मर्यादा और सामाजिक सद्भाव को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लें तथा एक समरस, सशक्त और संगठित समाज के निर्माण में अपना योगदान दें।

अश्लील वीडियो भेजने के आरोप में प्रोफेसर गिरफ्तार

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। शिक्षक के पद पर रहकर छात्रा को अश्लील वीडियो भेजने और प्रैक्टिकल परीक्षा में कम अंक देने की धमकी देने के आरोप में कांकेर पुलिस ने एक प्रोफेसर को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर छात्रा को मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप है। शिकायत मिलने के बाद सिटी कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 27 अक्टूबर को पीड़िता ने सिटी कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने आरोप लगाया कि आरोपी पियूष कान्त नेताम ने 25 सितंबर 2026 को टेलीग्राम के माध्यम से उसे अश्लील वीडियो भेजा था। वीडियो खोलने पर अश्लील सामग्री दिखाई देने के कारण उसने तत्काल उसे बंद कर दिया। पीड़िता के मुताबिक, आरोपी पहले भी उससे अश्लील बातें करता था। प्रोफेसर होने के कारण वह शुरुआत में उसकी बातों को नजरअंदाज करती रही, लेकिन अश्लील वीडियो भेजने और प्रैक्टिकल परीक्षा में कम अंक देने की धमकी से वह मानसिक रूप से परेशान हो गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने अपराध क्रमांक 376/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 75(2), 75(3), 351(2) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67(ए) के अंतर्गत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की।

सर्व आदिवासी समाज का UCC पर जन-जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

विश्व केसरी■

अंतागढ़ (डम्पी खान)। सर्व सर्व आदिवासी समाज ब्लॉक अंतागढ़ के तत्वावधान में आज गोंडवाना भवन नयापारा, अंतागढ़ में UCC (समान नागरिक संहिता) विषय पर एक दिवसीय जन-जागरूकता कार्यक्रम बड़े ही उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत आदिवासी समाज की परम्परा अनुसार प्रकृति पूजन सेवा अर्जी के साथ की गई।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में CC के विशेष जानकार अश्वनी कांगे जी ने समाज को सारगर्भित तरीके से UCC के सभी बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि UCC क्या है, इसका उद्देश्य क्या है और इससे आदिवासी समाज की रूढ़िगत परम्परा, रीति-रिवाज, विवाह पद्धति, उत्तराधिकार और पेसा कानून व पांचवी अनुसूची के तहत प्राप्त विशेष अधिकारों पर क्या संभावित प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही उन्होंने OBC और स्ष्ट समाज पर भी पड़ने वाले प्रभाव को बिंदुवार बताया। जिला अध्यक्ष सर्व आदिवासी कन्हैया उसेंडी जी ने भी समाज को संबोधित करते हुए एकजुटता पर जोर दिया। कार्यक्रम में अंतागढ़ ब्लॉक के अंतागढ़, आमाबेड़ा, कोलर, सुरेवाही, जोड़ियान परगना के माजी, गायता, पटेल, सरपंच, जनपद सदस्य, पंचगण, सेक्टर अध्यक्ष, परगना पदाधिकारी, बुमकाल सहित ।

सीआरपीएफ 85वीं बटालियन के तीन निरीक्षक LDCE परीक्षा उत्तीर्ण कर बने सहायक कमांडेंट

विश्व केसरी■

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। सीआरपीएफ की 85वीं बटालियन के कमांडेंट सुनील कुमार राही ने सहायक कमांडेंट ख्ष्टश्व-2026 परीक्षा उत्तीर्ण कर अधिकारी बने तीन निरीक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर जवानों का सम्मेलन आयोजित कर उन्हें विभागीय परीक्षाओं में सफलता हासिल करने और अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

कठिन परिस्थितियों में मेहनत से हासिल की सफलता

28 अक्टूबर 2026 को आयोजित सम्मेलन के दौरान निरीक्षक प्रशांत दुबे, परमजीत सिंह और विश्वजीत सेठी की उपलब्धि की सराहना की गई। कमांडेंट सुनील कुमार राही ने कहा कि तीनों निरीक्षकों की सफलता कड़ी मेहनत, अनुशासन, लगन और निरंतर अध्ययन का परिणाम है। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में विषम परिस्थितियों के बीच अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए पढ़ाई जारी रखना और लक्ष्य हासिल करना अन्य जवानों के लिए प्रेरणादायक है।

जवानों को विभागीय परीक्षाओं के लिए किया प्रेरित

ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि कर्तव्यों के प्रति निष्ठा बनाए रखते हुए निरंतर अध्ययन, परिश्रम और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रत्येक कार्मिक को अपने ज्ञान, कौशल और कार्यक्षमता में वृद्धि करते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाओं ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी■

अंतागढ़ (डम्पी खान)। । छत्तीसगढ़ की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं ने लंबित मांगों के निराकरण की मांग को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े और विभागीय सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका संयुक्त मंच ने ज्ञापन के माध्यम से अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए शीघ्र निर्णय लेने की मांग की।

मंच ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन में कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को कई व्यावहारिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कम मानदेय और सीमित सुविधाओं के बावजूद वे बच्चों और महिलाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं। ऐसे में उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाना चाहिए।

और मानदेय वृद्धि की मांग*

संयुक्त मंच ने ज्ञापन में पांच प्रमुख मांगें

रखी हैं। इनमें नियमितीकरण की प्रक्रिया पूरी होने तक श्रम कानून के तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 30 हजार रुपये और सहायिकाओं को 25,500 रुपये मासिक मानदेय देने की मांग शामिल है।

इसके अलावा कार्यकर्ताओं को सुपरवाइजर पद पर और सहायिकाओं को कार्यकर्ता पद पर सीधे पदोन्नति देने तथा पदोन्नति में उम्र की सीमा समाप्त करने की मांग की गई है। और अनुकंपा नियुक्ति पर जोर ज्ञापन में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाओं को समूह बीमा, ग्रेच्युटी और पेंशन जैसी सुविधाएं देने की मांग भी की गई है। साथ ही किसी कार्यकर्ता या सहायिका की आकस्मिक मृत्यु होने पर परिवार के एक सदस्य को तत्काल अनुकंपा नियुक्ति देने की मांग रखी गई है।

मंच ने सेवानिवृत्ति के समय कार्यकर्ताओं को पांच लाख रुपये और सहायिकाओं को तीन लाख रुपये की आर्थिक सहायता तत्काल देने की मांग भी की है। इसके अलावा मध्यप्रदेश की तर्ज पर मानदेय में प्रतिवर्ष एक हजार रुपये की वृद्धि का प्रस्ताव रखा गया है।

सरकार से शीघ्र निराकरण की अपील

संयुक्त मंच ने कहा कि बढ़ती महंगाई के बीच कम मानदेय के कारण आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विभागीय कार्यों के अलावा भी उनसे कई जिम्मेदारियां ली जाती हैं, जिससे नियमित काम प्रभावित होता है।

अर्बन चक्रवात के संभावित असर से चारामा में बढ़ी चिंता, तेज हवाओं और भारी बारिश की आशंका

विश्व केसरी■

चारामा (संदीप मेश्राम)। मौसम में संभावित बदलाव और तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की आशंका को लेकर चारामा नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सतर्कता बरतने की जरूरत है। मौसम संबंधी पूर्वानुमानों में प्रदेश के कुछ हिस्सों में गरज-चमक, तेज हवाएं और भारी से अति बारिश की संभावना जताए जाने की बात सामने आई है। ऐसे में आम नागरिकों, किसानों और वाहन चालकों को सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

मौसम में बदलाव के दौरान तेज हवाओं के कारण पेड़ों की शाखाएं टूटने, बिजली आपूर्ति बाधित होने तथा कमजोर होर्डिंग और अस्थायी निर्माण को नुकसान पहुंचने की आशंका रहती है। भारी बारिश होने पर निचले इलाकों में जलभराव और सड़क यातायात प्रभावित होने जैसी समस्याएं भी सामने आ सकती हैं।

किसानों को फसल सुरक्षा की चिंता

मौसम में संभावित बदलाव का असर कृषि कार्यों पर भी पड़ सकता है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे कटाई के लिए तैयार फसलों तथा खुले स्थानों पर रखी कृषि उपज को सुरक्षित रखने की व्यवस्था करें। खेतों और खलिहानों में रखे धान को बारिश से बचाने के लिए तिरपाल सहित अन्य आवश्यक इंतजाम करना उपयोगी होगा।

तेज हवाएं चलने या आकाशीय बिजली चमकने के दौरान लोगों को खुले मैदानों में जाने से बचना चाहिए। पेड़ों, बिजली के खंभों और कमजोर दीवारों के पास खड़े नहीं होना चाहिए। बिजली के तार टूटकर गिरने की स्थिति में उनसे दूरी बनाए रखें और संबंधित विभाग को सूचना दें। वाहन चालकों को भी खराब मौसम में गति नियंत्रित रखने तथा सुरक्षित स्थान पर रुकने की सलाह दी जाती है। 'अर्बन चक्रवात' नाम से संबंधित मौसम तंत्र की आधिकारिक पहचान और चारामा क्षेत्र पर उसके संभावित प्रभाव की पुष्टि मौसम विभाग की सूचना से किया जाना आवश्यक है। नागरिकों से अपील है कि वे भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और जिला प्रशासन की आधिकारिक चेतावनियों पर ध्यान दें तथा अपुष्ट संदेशों को प्रसारित करने से बचें। मौसम की स्थिति पर नजर रखते हुए समय रहते सावधानी बरतना ही नुकसान की आशंका को कम करने का बेहतर उपाय है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251